कुंभ की तैयारियों में जुटी सरकार.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कृति खरबंदा ने पूरे किए... 11

वर्ष - 02, अंक - 171 | गाजियाबाद / बुधवार 23 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त- समाचार

बिहार में लड़की को बैड टच करने वाले का एनकाउंटर

● जमुई में भागने के दौरान पुलिस ने पैर में गोली मारी

जमुई (एजेंसी)। बिहार के जमुई में नाबालिग छात्रा से बदसलूकी करने वाले मुख्य आरोपी नंदन यादव का पुलिस ने एनकाउंटर किया है। उसने मंगलवार को पुलिस को देखते ही भागने की कोशिश की। इस पर पुलिस ने पैर में गोली मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों की माने तो आरोपी उसी मड़वा पहाड़ी के आसपास छिपा हुआ था, जहां दोनों स्टूडेंट घूमने गए थे। पुलिस के मुताबिक वायरल वीडियो में लाल गमछा पहने दिख रहा युवक नंदन है। उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले में सभी 6 लोगों की गिरफ्तार कर लिया है। इनमें तीन 35 से 40 साल की उम्र के हैं, जबकि तीन नाबालिग हैं। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर के सुहिता अनुपम ने बताया, 'नंदन पुलिस से बचकर भागने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान पुलिस के साथ मुठभेड़ हुई और उसके पैर में गोली लगी। पुलिस ने एक अन्य आरोपी हरेराम को भी गिरफ्तार किया है। वो भी जंगल वाले इलाके में छिपा था। पुलिस से बचने के लिए वो भाग रहा था, इसी दौरान गिरने से उसका पैर टूट गया। आरोपी को जमुई सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले वीडियो वायरल करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

तमिलनाडु में अब 8वीं तक के बच्चों को मिलेगा फ्री ब्रेकफास्ट

सीएम विजय ने लॉन्च की स्कीम ब्रेकफास्ट योजना का बदला नाम

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने एमके स्टालिन सरकार की सबसे चर्चित कल्याणकारी योजना मुख्यमंत्री ब्रेकफास्ट स्कीम को जारी रखने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री विजय ने इस योजना को डीएमके सरकार के नाम के साथ नहीं लिया, बल्कि योजना का नाम बदल

दिया है। सीएम विजय ने इस योजना को कांग्रेस के दिग्गज नेता कामराज के नाम पर योजना का नाम पर रखकर इसे एक नई राजनीतिक पहचान दी है। सरकार ने मुख्यमंत्री ब्रेकफास्ट स्कीम का नाम बदलकर पेरुंथलैवर कामराजर ब्रेकफास्ट स्कीम कर दिया है। इसके जरिए पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता के. कामराज की विरासत को याद किया गया है, जिन्हें स्कूली शिक्षा के विस्तार और राज्य में स्कूल-मील (मिड-डे मील जैसी) योजनाओं को शुरू करने का श्रेय दिया जाता है। सीएम विजय की इस योजना को आगे बढ़ाने के साथ ही बच्चों को नाश्ता करते हुए तस्वीरें भी सामने आई हैं।

भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने लगातार दूसरी बार सोना जीता

एशियन गेम्स-2026 में भारत को मिला पहला गोल्ड

निशिन (एजेंसी)। भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीत लिया है। टीम ने मंगलवार को फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराया। भारत ने 2022 हांगझोउ एशियन गेम्स में भी गोल्ड मेडल जीता था। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट पर 216 रन बनाए। यह एशियन गेम्स में भारतीय विमेंस टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। 217 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम 15.4 ओवर में 69 रन पर ऑलआउट हो गई। थर्ड प्लेस के मैच में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता है।

मंधाना ने संभाली पारी, दीप्ति ने ढाया कहर

भारत के लिए स्मृति मंधाना ने 79, ऋचा घोष ने नाबाद 49 और शेफाली वर्मा ने 48 रन की पारी खेली। मंधाना और शेफाली के बीच पहले विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी हुई। मंधाना ने इस पारी के दौरान विमेंस इंटरनेशनल क्रिकेट में 11 हजार रन भी पूरे किए। श्रीलंका की ओर से सुगंधिका कुमारी, कविशा दिलहारी और चामुडी प्रभोदा ने एक-एक विकेट लिया। श्रीलंका की टीम 15.4 ओवर ही खेल सकी। चामरी अटापट्टू ने सबसे ज्यादा 29 रन बनाए, जबकि कौशिनी नुथ्यांगना ने 14 और कविशा दिलहारी ने 11 रन बनाए।

रामपुर की जुड़वां बहनों के आगे सिस्टम भी फेल!

● एक जैसे फिंगर प्रिंट्स और एक जैसे रेटिना ने किया हैरान ● अब डीएम ने दी स्पेशल परमीशन, मिली अलग-अगल पहचान

रामपुर (एजेंसी)। रामपुर की दो जुड़वा बहनों के लिए बायोमीट्रिक तकनीकी व्यवस्था कई साल तक परेशानी का कारण बनी रही। फिंगरप्रिंट और आंखों के बायोमीट्रिक डेटा में अधिक समानता के चलते सिस्टम दूसरी बच्ची को अलग व्यक्ति के रूप में पहचान नहीं पा रहा था। नतीजा यह हुआ कि दोनों बहनों में से सिर्फ एक का ही पहचान पत्र बन सका, जबकि दूसरी बच्ची का आवेदन हर बार डुप्लीकेट डेटा बताकर अटक जाता था। आखिरकार जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की पहल के बाद यूआईडीएआई मुख्यालय नई दिल्ली ने मामले में विशेष तकनीकी समाधान निकाला और दोनों बहनों के अलग-अलग पहचान पत्र जारी हो गए। **पहचान पत्र न होने से परिवार था परेशान-** रामपुर नगर के मोहल्ला खारी कुआं निवासी जुबैर इलियास की जुड़वा बेटियां तुबा जुबैर और खिजरा जुबैर हैं। दोनों के पहचान पत्र बनवाने की प्रक्रिया के दौरान तकनीकी समस्या सामने आई। एक बच्ची का पंजीकरण होने के बाद जब दूसरी का नामांकन कराया गया तो सिस्टम फेल हुआ।

होर्मुज का झंझट जल्द हो जाएगा खत्म!

● खाड़ी तक पहुंच के लिए भारत को मिल गया नया 'गेटवे' ● ओमान का सोहर पोर्ट भारत के लिए बनेगा वैकल्पिक रास्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव और होर्मुज स्ट्रेट से जुड़े जोखिमों ने भारत के लिए खाड़ी देशों तक सामान पहुंचाने के पुराने रास्तों को लेकर चुनौती खड़ी कर दी है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या ओमान का सोहर पोर्ट भारत के लिए खाड़ी तक पहुंच का नया गेटवे बन सकता है। पिछले कुछ समय से भारत से खाड़ी देशों तक जाने वाले कार्गो के लिए सोहर पोर्ट तेजी से एक वैकल्पिक रास्ते के तौर पर उभर रहा है। होर्मुज के सबसे संकरे हिस्से से बाहर स्थित यह बंदरगाह भारतीय कारोबारियों को समुद्र, सड़क और भविष्य में रेल के जरिए खाड़ी बाजारों तक पहुंचने का नया विकल्प दे रहा है। दूसरा कारण ओमान के साथ भारत के अच्छे रिश्ते भी हैं। पीएम मोदी को ओमान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ ओमान से भी सम्मानित किया जा चुका है।

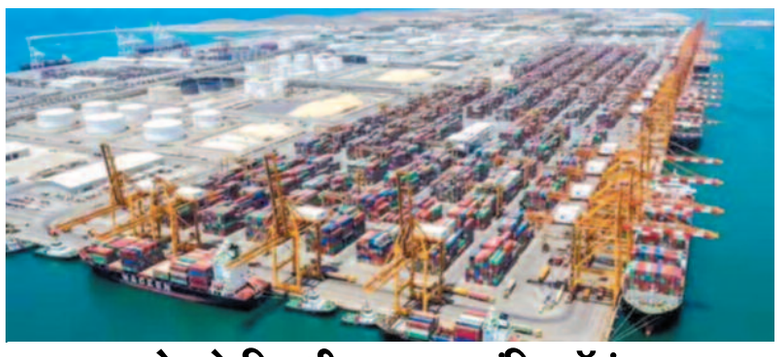

तेल के लिए भी बना अहम ट्रांजिट पॉइंट

सोहर की भूमिका केवल भारतीय माल ढुलाई तक सीमित नहीं है। सऊदी अरब भी अपने कच्चे तेल के निर्यात के लिए ओमान के तट के पास जहाज से जहाज में तेल ट्रांसफर की व्यवस्था का इस्तेमाल कर रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक, सितंबर और अक्टूबर में करीब 6 करोड़ बैरल सऊदी क्रूड को सोहर के पास शिप-टू-शिप ट्रांसफर के जरिए आगे भेजने की योजना है। भारत के लिए यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा दूसरे देश से कच्चा तेल आयात करता है।

भारत की कंपनियों पर बढ़ा फोकस

ओमान अब भारतीय कंपनियों को सोहर पोर्ट और उससे जुड़े फ्रीजोन में निवेश के लिए आकर्षित कर रहा है। सितंबर में नई दिल्ली में फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस के साथ हुए कार्यक्रमों में सोहर की कनेक्टिविटी, मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स और क्षेत्रीय बाजारों तक पहुंच पर चर्चा हुई। सोहर फ्रीजोन के सीईओ रैद अल रुबैई ने भारतीय निवेश को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि दोनों देशों के कारोबारी रिश्तों को औद्योगिक निवेश और मजबूत सप्लाई चेन के जरिए और विस्तार दिया जा सकता है। सोहर के पूरे इकोसिस्टम में 30 अरब डॉलर से अधिक का निवेश हो चुका है और बंदरगाह की सालाना कार्गो क्षमता 7.2 करोड़ टन से ज्यादा बताई जाती है।

सोहर से यूएई और सऊदी तक नई कनेक्टिविटी

ओमान सोहर को सिर्फ समुद्री बंदरगाह के रूप में नहीं, बल्कि मल्टीमॉडल ट्रेड हब के रूप में विकसित कर रहा है। सोहर से सड़क के जरिए सऊदी अरब और यूएई तक माल पहुंचाया जा सकता है। वहीं प्रस्तावित ओमान-यूएई रेल कनेक्शन भविष्य में इस नेटवर्क को और मजबूत कर सकता है। भारत और ओमान के बीच पहले से मजबूत कारोबारी संबंध हैं। 2025-26 में दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 11.19 अरब डॉलर रहा। ऐसे में होर्मुज संकट ने सोहर की अहमियत को अचानक बढ़ाया जरूर है, लेकिन भारत के लिए यह रिश्ता केवल मौजूदा संकट तक सीमित नहीं है। बदलती परिस्थितियों में सोहर भारतीय कंपनियों को खाड़ी बाजार तक पहुंचने के लिए एक अतिरिक्त रास्ता उपलब्ध करा रहा है।

खाने के तेल में 7-8 फीसदी बढ़ोत्तरी के आसार

● त्यौहार से पहले लगेगा महंगाई का तड़का ● बढ़ती लैंडेड कॉस्ट व रुपए में कमजोरी बनेगी वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दशहरा और दीवाली से पहले देश में खाने के तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। आयात लागत बढ़ने से कंपनियों के मार्जिन पर दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में एडिबल ऑयल कंपनियां कीमतों में करीब 7-8 फीसदी तक बढ़ोतरी करने पर विचार कर रही हैं। हालांकि, बेहतर सप्लाई और इंपोर्ट ड्यूटी में संभावित कटौती से बढ़ोतरी सीमित रह सकती है। अगर कंपनियां कीमतें बढ़ाती हैं तो मार्च के बाद यह तीसरी बार होगा, जब खाने के तेल के दाम बढ़ेंगे। फाइनेंशियल एक्सप्रेस के मुताबिक इससे पहले मार्च से जून के बीच दो चरणों में कंपनियों ने करीब 5 से 6 फीसदी की बढ़ोतरी की थी। इस तरह उस दौरान खाने के तेल की कीमतों में कुल 10 से 12 फीसदी तक इजाफा हुआ था। खाने के तेल की कीमतों पर सबसे ज्यादा दबाव क्रूड एडिबल ऑयल की बढ़ती लैंडेड कॉस्ट से आ

रहा है। कमजोर रुपया, महंगा फ्रेट और इंश्योरेंस तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार में वेजिटेबल ऑयल की ऊंची कीमतों ने कंपनियों की लागत बढ़ा दी है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के आंकड़े डरा रहे हैं।

कंपनियों के पास कीमत बढ़ाने का विकल्प

जानकारों के मुताबिक क्रूड एडिबल ऑयल की लैंडेड कॉस्ट में करीब 8-11 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में कंपनियों के लिए इस बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों तक पहुंचाना जरूरी हो सकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कीमत बढ़ाने का समय और इसकी मात्रा बाजार में मांग और सप्लाई की स्थिति पर निर्भर करेगी। इंडस्ट्री के मुताबिक आने वाले दिनों में क्रूड एडिबल ऑयल लेकर आने वाले जहाजों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। इससे बाजार में सप्लाई और इन्वेंट्री की स्थिति बेहतर हो सकती है। अगर घरेलू बाजार में तेल की उपलब्धता बढ़ती है तो कंपनियों पर बढ़ी हुई अंतरराष्ट्रीय लागत का पूरा बोझ ग्राहकों पर डालने का दबाव कुछ कम हो सकता है।

मेटा के बाद अब गूगल ने भी मानी सरकार की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। गूगल ने सोमवार को जानकारी दी कि बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट की सीधी जानकारी भारतीय अधिकारियों को दी जाएगी। भारत सरकार ने साफ

तौर पर इस बारे में गूगल समेत कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जानकारी मांगी थी। गूगल का भारत को ये जानकारी देना पुराने ग्लोबल तरीके से अलग है, जिसके तहत ऐसी रिपोर्ट पहले अमेरिका को भेजी जाती थीं।

अब और ताकतवर होंगे 'अजेय' और 'भीष्म'

इंजन बंद होने पर भी टी-72 और टी-90 दागेंगे गोला

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय ने टी-72 और टी-90 टैंकों के लिए सहायक विद्युत इकाइयों (एपीयू) की खरीद के लिए एक्यूरेट इंडस्ट्रियल कंट्रोल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ 586 करोड़ रुपये की एक डील पर साइन किए हैं। इस डील पर 21 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में साइन किए गए। एपीयू टैंक के फायर कंट्रोल सिस्टम, फायरिंग सर्किट, गन स्टेबिलाइजेशन सिस्टम और अन्य सहायक उपकरणों के लिए विद्युत शक्ति उत्पादन का एक वैकल्पिक स्रोत है। स्वदेशी रूप से विकसित एपीयू को शामिल करने से

भारतीय सेना की मशीनीकृत इकाइयों की संचालन तत्परता, विश्वसनीयता और स्थायित्व और अधिक मजबूत होगी।

27 बच्चे एडमिट थे, एसी फटने की जता रहे आशंका

तेलंगाना के अस्पताल में आग, 3 नवजात की मौत

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के आदिलाबाद जिले के सरकारी अस्पताल की स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट में सोमवार रात

करीब 11.50 बजे आग लग गई। हादसे में अब तक 3 नवजात की मौत हो गई, जबकि कई अन्य की हालत गंभीर है। अधिकारियों के मुताबिक, यूनिट में 27 नवजात का इलाज चल रहा था। हादसे के बाद 24 बच्चों का अलग-अलग प्राइवेट अस्पतालों में इलाज जारी है। शुरुआती जानकारी में एसी में खराबी के बाद धमाके की आशंका जताई गई है। हालांकि सही वजह जांच पूरी होने के बाद सामने आएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में इस साल अस्पतालों में आग लगने से 25 लोगों की मौत हुई है। इनमें ओडिशा के कटक में 12 मरीज, बिहार के मुजफ्फरपुर में 5 मरीज, महाराष्ट्र के अमरावती में 3 नवजात, तेलंगाना के आदिलाबाद में 3 नवजात, उत्तर प्रदेश के कानपुर में 1 नवजात और उत्तराखंड में एक की मौत हुई है।

कांग्रेस-आप नहीं अमृतपाल बढ़ा रहे अकाली दल की टेंशन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब की राजनीति में विधानसभा चुनाव से पहले पंथिक राजनीति एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। लंबे समय तक इस क्षेत्र में प्रमुख भूमिका निभाने वाला शिरोमणि अकाली दल अब कई गुटों और नए राजनीतिक संगठनों की चुनौती का सामना कर रहा है। अमृतपाल सिंह की 'वारिस पंजाब दे', सिमरनजीत सिंह मान की पार्टी और अकाली दल से अलग हुए गुट अपने-अपने तरीके से पंथक मतदाताओं तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी बीच सुखबीर सिंह बादल के हालिया बयानों ने भी साफ संकेत दिया है कि अकाली अब अपने पारंपरिक राजनीतिक आधार को लेकर पहले से ज्यादा सक्रिय है।

पंथक वोट बंटा तो सत्ता में लौटने का सपना होगा चकनाचूर

● **कांग्रेस-आप को छोड़ अमृतपाल पर किया था हमला-** नांदेड़ हमले के बाद जब शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल 26 अगस्त को श्री मुक्तसर साहिब जिले में राजनीतिक मंच पर लौटे तो उन्होंने सत्ताधारी आम आदमी पार्टी या कांग्रेस पर हमला नहीं बोला था। इन दोनों बड़े दलों पर हमला न बोल लोकसभा सांसद अमृतपाल सिंह और उसकी पार्टी वारिस पंजाब दे को निशाना बनाया था। यह पार्टी पंजाब की राजनीति में उसी पंथिक वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश कर रही है, जिस पर लंबे समय से अकाली दल का दबदबा रहा है। पंजाब बचाओ रैली को संबोधित करते हुए बादल ने आरोप लगाया था कि वारिस पंजाब दे उन्हीं ताकतों का प्रतिनिधित्व करती है जिन्होंने 1980 के दशक में पंजाब की शांति को नष्ट किया था। बादल के इन बयानों से साफ था कि उन्हें डर है कि लंबे समय से उनके साथ पंथिक वोट बंट सकता है। पंजाब में कम से कम चार राजनीतिक समूह पंथिक आधार पर अपनी जगह बना रहे हैं।

अकाल तख्त की कार्रवाई का भी असर

दिसंबर 2024 में अकाल तख्त ने सुखबीर सिंह बादल को 'तनखैया' घोषित किया। बादल ने धार्मिक कदाचार से जुड़े आरोपों को स्वीकार किया। इसी दौरान उनके पिता और पंजाब के पांच बार मुख्यमंत्री रहे प्रकाश सिंह बादल को दिया गया 'फख्र-ए-कौम' सम्मान भी वापस ले लिया गया। दिसंबर 2024 में स्वर्ण मंदिर में प्रायश्चित की प्रक्रिया के दौरान सुखबीर बादल पर जानलेवा हमला भी हुआ। इस घटना की मुख्यधारा के सिख संस्थानों और नेताओं ने निंदा की। इस हमले को लेकर कट्टरपंथी समूहों और कुछ जानकारों ने इसे बादल परिवार के खिलाफ बढ़ते पंथिक असंतोष से जोड़कर देखा। अकाली दल की पंथिक राजनीति से दूरी की प्रक्रिया काफी पहले शुरू हो गई थी।

मणिपुर में 18 वर्षीय छात्र की गोली मारकर हत्या

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में 18 वर्षीय छात्र की गोली मारकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया है । बताया गया कि छात्र किसी काम से बाहर गया था, इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने उसे गोली मार दी। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। हत्या के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है।

सोनिया गांधी वोटर लिस्ट मामले में भाजपा ने राहुल से मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के नाम को 1980 की मतदाता सूची में शामिल किए जाने से जुड़े मामले को लेकर भाजपा ने राहुल गांधी से जवाब मांगा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सोनिया गांधी की भारतीय नागरिकता 1983 में हुई थी, तो 1980 की मतदाता सूची में उनका नाम कैसे शामिल हुआ? भाजपा ने इस मामले में जांच की मांग करते हुए राहुल गांधी से इस पर जवाब देने को कहा है। दरअसल दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 21 सितंबर 2026 को महत्वपूर्ण आदेश दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने उस मजिस्ट्रेट आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और जांच की मांग वाली शिकायत खारिज कर दी गई थी। अदालत ने मामले को वापस मजिस्ट्रेट के पास भेजते हुए नए सिरे से सुनवाई के निर्देश दिए हैं। अब 29 सितंबर को मजिस्ट्रेट अदालत में मामले की नए सिरे से सुनवाई होगी। उस सुनवाई में शिकायत और उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया तय की जानी है। अब चूंकि मामला अदालत में विचाराधीन है, ऐसे में किसी भी प्रकार की टिप्पणी और जुबानी हमलों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

भारत में अवैध रुप से रह रहे दो बांग्लादेशी महिलाओं को सजा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे की अदालत ने भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने और वैध दस्तावेजों के बिना रहने के अलग-अलग मामलों में दो बांग्लादेशी महिलाओं को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। दोनों मामलों की सुनवाई अतिरिक्त सत्र न्यायाधीशों की अदालत में हुई। पहले मामले में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बी. डी. शेल्के ने 55 वर्षीय मोर्जिना ओलियर फक्कीर को विदेशी अधिनियम की धारा 14ए(बी) के तहत दोषी पाया। अदालत ने उसे दो साल के सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। मानव तस्करी विरोधी प्रकोष्ठ (एएचटीसी) ने फक्कीर को 12 मई 2025 को मीरा रोड (पूर्व) स्थित शांति पार्क से गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान उसके भारत में रहने से संबंधित वैध दस्तावेज नहीं पाए जाने के बाद उसके खिलाफ विदेशी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। दूसरे मामले में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वी. एल. भोसले ने 35 वर्षीय रूपबन बेगम चाचामियां शेख को भारतीय पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम और विदेशी अधिनियम, 1946 के तहत दोषी ठहराया। एएचटीसी ने उसे 24 मई 2025 को मीरा रोड (पूर्व) से गिरफ्तार किया था। अधिकारियों को शेख के मोबाइल फोन में बांग्लादेशी पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र की डिजिटल प्रतियां मिली थीं। अदालत ने पासपोर्ट अधिनियम के तहत उसे छह महीने के सश्रम कारावास और विदेशी अधिनियम के तहत एक साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इस तरह अदालत ने दोनों मामलों में भारत में वैध दस्तावेजों के बिना रहने से जुड़े आरोपों पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दोषसिद्धि की। दोनों मामलों में मानव तस्करी विरोधी प्रकोष्ठ की कार्रवाई के बाद न्यायिक प्रक्रिया आगे बढ़ी थी।

जम्मू-कश्मीर : सियालदह एक्सप्रेस पर पथराव, शीशा टूटा ; वंदे भारत भी प्रभावित

जम्मू (एजेंसी)। सोमवार देर रात जम्मू से कठुआ जा रही सियालदह एक्सप्रेस के फ्रंट विंडशील्ड को सांबा रेलवे स्टेशन के पास नुकसान पहुंचा। यह घटना रेलवे प्वाइंट नंबर 65/03, कालिबाड़ी सांबा के नजदीक हुई, जहां ट्रेन का अगला शीशा टूट गया। हालांकि, इस क्षति का सही कारण अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन शुरुआती जांच और लोकल रिपोर्टों में पथराव की घटना से जोड़ा जा रहा है। सूचना मिलते ही कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जिसमें ए.एस.पी. गरु राम भारद्वाज और डी.एस.पी. शामिल थे, जी.आर.पी. और एस.ओ.जी. टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस टीमों ने रेलवे ट्रैक और आसपास के इलाके की गहनता से तलाशी ली और घटना से जुड़े संभावित कारणों की विस्तृत जांच शुरू की। इस अप्रत्याशित घटना के चलते, दिल्ली से जम्मू जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस को भी सुरक्षा जांच पूरी होने तक सांबा रेलवे स्टेशन पर रोकना पड़ा। रेलवे ट्रैक की गहन जांच और सुरक्षा सुनिश्चित होने के बाद, लगभग रात 12:30 बजे रेल सेवाओं को फिर सुचारु कर दिया गया। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

ममता, स्टालिन और केजरीवाल को निपटा चुके... अखिलेश, राहुल गांधी का अगला टारगेट

शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पार्टी पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी।
बीजेपी से अलग हुए शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के रिश्तों पर तीखी और कांग्रेस को चुभ जाने वाली टिप्पणी की है। उन्होंने दावा किया है कि कांग्रेस नेता लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी विपक्षी गठबंधन के भीतर मौजूद क्षेत्रीय नेताओं को राजनीतिक रूप से कमजोर कर रहे हैं और अब समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव उनके अगले निशाने पर हैं।

बीजेपी से अलग हो चुके पूनावाला ने अखिलेश को सलाह देकर कहा कि उनकी असली लड़ाई बीजेपी से नहीं, बल्कि कांग्रेस पार्टी से है। शहजाद के अनुसार, अखिलेश को मैं एक सलाह दे सकता हूं। बीजेपी आपकी असली दुश्मन नहीं है, आपकी असली दुश्मन कांग्रेस और राहुल गांधी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का लक्ष्य समाजवादी पार्टी के खिलाफ लगे रहना है, जबकि वे बीजेपी पर सीधा हमला नहीं करते। शहजाद ने दावा किया कि राहुल गांधी पहले धीरे-धीरे डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन, ममता बनर्जी, तेजस्वी यादव और अरविंद केजरीवाल जैसे नेताओं के प्रभाव को खत्म कर रहे हैं। उनके मुताबिक, बिहार चुनाव में तेजस्वी यादव सही राह पर थे, लेकिन राहुल गांधी ने उन्हें वोट चोरी के मुद्दे पर उलझाकर खुद के साथ-साथ उन्हें भी डुबो दिया। शहजाद के अनुसार, राहुल गांधी की रणनीति है कि मोदी सरकार को आगे भी बने रहने दिया जाए, क्योंकि कांग्रेस का असली फायदा तब होगा जब इन छोटी क्षेत्रीय पार्टियों की दुकानें बंद करवाकर उनके वोट बैंक के जेवर अपने नाम कर लेगी।

बीजेपी के भविष्य के चेहरे के सवाल पर, शहजाद ने बेझिझक कहा कि पार्टी का सबसे बड़ा चेहरा उसका कार्यकर्ता होता है और जब तक कार्यकर्ता किसी नेता को नहीं चुनता, तब तक कोई अकेला चेहरा नहीं होता। एक इंटरव्यू में, 28 साल की यूट्यूबर द्वारा अंकल कहने पर उन्होंने चुटकी लेकर कहा कि जो लोग 56 साल के नेताओं को सम्मान से जी लगाकर बुलाते हैं, वे 38 साल के शहजाद को अंकल कह रहे हैं।

राहुल गांधी-वाड्रा परिवार से अपने भाई के संबंध पर शहजाद ने स्वीकार किया कि इसतरह के अप्रत्यक्ष रिश्तों से उन्हें हमेशा असहजता महसूस हुई। उनका कहना था कि इन कनेक्शन का अक्सर दुरुपयोग होता है और उनके खिलाफ हजारों अफवाहें उड़ाई गईं। अपनी निजी जिंदगी और शादी न करने के सवाल पर शहजाद ने मजाकिया लहजे में कहा, हमारे बाल अच्छे हैं, लेकिन हम बाल-बच्चे नहीं चाहते! मैं शादी कभी नहीं करना चाहता। मैं हमेशा दो फोन पर काम या यूट्यूब में व्यस्त रहता हूं। जब फोन ही सारा समय ले जाता है, तब शादी के लिए वक्त ही कहां है?

भारत से लेकर अफगानिस्तान तक थर्राई धरती, आधी रात को भूकंप के झटकों से मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को भारत से लेकर अफगानिस्तान तक के कई हिस्सों में अचानक धरती थर्रा उठी, जिससे सोते हुए लोगों की नींद खुल गई और हर तरफ अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस जलजले के कारण किसी भी प्रकार के जान-माल के बड़े नुकसान की कोई आधिकारिक खबर सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत और अफगानिस्तान में ये भूकंप के झटके अलग-अलग समय पर महसूस किए गए। भारत में जहां महाराष्ट्र के सतारा क्षेत्र में आधी रात को करीब 3 बजकर 29 मिनट पर धरती कांपी, वहीं पड़ोसी देश अफगानिस्तान में सुबह 5 बजकर 37 मिनट पर इसके झटके दर्ज किए गए। भारत के मुकाबले अफगानिस्तान में भूकंप का असर थोड़ा अधिक तेज था, जहां रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.0 मापी गई। इसके विपरीत, महाराष्ट्र के सतारा में आए भूकंप की तीव्रता महज 2.4 मैग्नीट्यूड दर्ज की गई, जिसके कारण कंपन इतना हल्का था कि ज्यादातर लोगों को इसके आने का अहसास तक नहीं हुआ और वे गहरी नींद में सोते रहे। गौरतलब है कि इससे कुछ समय पहले नेपाल के मुस्तांग और उसके आसपास के इलाकों में भी 5.3 तीव्रता का तेज भूकंप महसूस किया गया था। नेपाल में हालिया बाढ़ आपदा के बाद से ही भूगर्भीय गतिविधियों को लेकर चिंताएं लगातार बनी हुई थीं, ऐसे में वहां आए झटकों ने स्थानीय लोगों के दिलों में पुराना डर फिर से ताजा कर दिया था। बार-बार आ रहे इन भूकंपीय झटकों ने एक बार फिर से इस बात की चर्चा छेड़ दी है कि आखिर धरती के भीतर ऐसा क्या होता है जिससे यह कांप उठती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, पृथ्वी की सबसे ऊपरी परत कई विशाल टुकड़ों में बंटी होती है जिन्हें टेक्टोनिक प्लेट्स कहा जाता है। ये प्लेटें अपने नीचे मौजूद गर्म और नरम परत पर लगातार तैरती रहती हैं और धीमी गति से एक-दूसरे की ओर खिसकती या टकराती रहती हैं। जब इन प्लेटों के बीच आपसी दबाव अत्यधिक बढ़ जाता है और अचानक भारी मात्रा में ऊर्जा मुक्त होती है, तो सतह पर जोरदार झटका महसूस होता है जिसे हम भूकंप के रूप में अनुभव करते हैं।

अखिलेश के 'चवन्नी' तंज पर त्यागी ने किया पलटवार

-केसी बोले- हम चवन्नी नहीं, महात्मा गांधी की तस्वीर वाला 500 रुपये का नोट हैं

लखनऊ, एजेंसी।
समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की 'चवन्नी' वाली टिप्पणी पर राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि रालोद को 'चवन्नी' समझने की भूल कतई नहीं करनी चाहिए, बल्कि वह महात्मा गांधी की तस्वीर वाला 500 रुपये का नोट है। केसी त्यागी ने यह बात हाथरस के मुरसान में रालोद की 'स्वाभिमान सम्मान पदयात्रा एवं समरसता अभियान' की शुरुआत के दौरान की। रालोद नेता त्यागी की यह प्रतिक्रिया अखिलेश यादव की अगस्त में की गई टिप्पणी के संदर्भ में है। अखिलेश ने रालोद प्रमुख जयंत चौधरी को 'चवन्नी' कहा था। दरअसल यह टिप्पणी 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान चौधरी के उस बयान से जुड़ी थी, जब वह समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में थे। उस समय चौधरी ने बीजेपी की ओर से दिए गए प्रस्तावों को ठुकरा दिया था और कहा था कि वह ऐसी 'चवन्नी' नहीं हैं, जिसे आसानी से 'पलटा' जा सके। इस घटना के बाद रालोद ने सपा से गठबंधन खत्म कर भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का साथ दिया। यहां बताते चलें कि जयंत चौधरी वर्तमान में केंद्र सरकार में मंत्री हैं। रालोद संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष त्यागी ने कहा कि उनके पिता मुलायम सिंह यादव, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के राजनीतिक प्रभाव को अच्छी तरह से समझते थे, लेकिन अगली पीढ़ी शायद इसे याद नहीं रख पाई। उन्होंने कहा कि अब पार्टी को यह साबित करना है कि वह 'चवन्नी' नहीं, बल्कि 500 रुपये का नोट है।

कुंभ की तैयारियों में जुटी सरकार, देवभूमि की संस्कृति और पहचान से नहीं होगा कोई समझौता: धामी

हरिद्वार (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को ऋषिकुल मैदान में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज के जन्मदिवस पर आयोजित समारोह में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने सतपाल महाराज को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर सक्रिय जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि सतपाल महाराज का जीवन आध्यात्मिक चेतना, समाजसेवा, परोपकार और लोककल्याण के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उनके जन्मदिवस समारोह में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी उनके प्रति श्रद्धा और सम्मान को दर्शाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें सतपाल महाराज के साथ मंत्रिमंडल में कार्य करने का अवसर मिला है। इस दौरान उन्होंने उनके अनुभव, सहज व्यवहार और

कार्य के प्रति समर्पण को करीब से देखा है। उन्होंने उन्हें आध्यात्मिक व्यक्तित्व के साथ समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित कर्मयोगी बताया। धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और पर्यटन विकास के प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव उत्तराखंड में दिखाई दे रहा है। केदारनाथ और बदरीनाथ धाम के पुनर्निर्माण, चारधाम यात्रा को सुविधाजनक बनाने तथा केदारखंड और मानसखंड परियोजनाओं के माध्यम से संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी वर्ष हरिद्वार में होने वाला कुंभ आस्था के साथ भारत की आध्यात्मिक शक्ति, सनातन परंपरा और सामाजिक समरसता का विराट उत्सव होगा। सरकार इसे दिव्य, भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से तैयारियों में जुटी है। उन्होंने कहा कि देवभूमि की सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं की रक्षा के लिए सरकार का संकल्प स्पष्ट है। इस अवसर पर सतपाल महाराज ने राज्यपाल, मुख्यमंत्री, जनप्रतिनिधियों और देश-विदेश से आए अनुयायियों का आभार जताया। समारोह में मंत्री भरत सिंह चौधरी, विधायक आदेश चौहान, बृज भूषण गैरोला, पूर्व मंत्री अमृता रावत, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर सहित संतगण, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

रिम्स अस्पताल में न्यूबॉर्न केयर यूनिट में लगी आग, 2 नवजात की मौत

- 28 बच्चों को सुरक्षित बचाया, सीएम ने जताया दुख जांच के दिए आदेश

आदिलाबाद, एजेंसी।
तेलंगाना के आदिलाबाद जिले के रिम्स अस्पताल में सोमवार देर रात अस्पताल के स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट में अचानक आग लग गई। इस हादसे में दो बच्चों की मौत हो गई है, जबकि वार्ड में 28 बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने इस दुखद घटना की औपचारिक जांच के आदेश दिए हैं और अधिकारियों को आग लगने के कारण पर तुरंत रिपोर्ट सौंपने को कहा है।

मीडिया रिपोर्ट में फायर अधिकारी के मुताबिक आग लगने की सूचना मिलते ही आपातकालीन कर्मियों ने तुरंत कार्रवाई की। मौके पर दमकल की गाड़ी भेजी गई और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। अगर समय पर रेस्क्यू नहीं चलाया जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। फिलहाल आग लगने के सही कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया जांच शुरू कर दी है। यह घटना अस्पताल प्रशासन की लापरवाही पर भी सवाल खड़े करती है, क्योंकि स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट जैसे संवेदनशील वार्ड में सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। इस हादसे को लेकर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री के टी. रामा राव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए गहरा दुख जताया। उन्होंने लिखा हादसे से गहरा सदमा और दुख हुआ। इस हादसे में एक नवजात की मौत हुई हैं और कई बच्चे प्रभावित हुए हैं। सभी बच्चों की सलामती के लिए मेरी प्रार्थनाएं हैं। प्रशासन ने मृतक नवजात के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायल या प्रभावित बच्चों को बेहतर इलाज की बात कही है। साथ ही अस्पताल के फायर सेफ्टी सिस्टम की भी जांच के आदेश दिए गए हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। अस्पताल में स्थिति नियंत्रण में है और अन्य वार्डों में भर्ती मरीजों को सुरक्षित रखा गया है।

कुंभ से पहले हरिद्वार की सड़कों पर तेज हुआ काम, मेलाधिकारी ने दिए समयसीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को लेकर हरिद्वार में निर्माण कार्यों ने तेजी पकड़ ली है। मौसम अनुकूल होते ही मेला क्षेत्र की सड़कों के निर्माण, नवीनीकरण और सुधार कार्यों में तेजी लाई गई है। इसके साथ ही कुंभ शिविरों, अखाड़ों और पार्किंग के लिए निर्धारित मेला भूमि की ड्रेसिंग एवं समतलीकरण का कार्य भी तेजी से कराया जा रहा है। मेलाधिकारी सोनिका ने मंगलवार को रोड़ी बेलवाला, बैरागी कैंप, कनखल और सिंहद्वार क्षेत्रों का भ्रमण कर विभिन्न कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।

मेलाधिकारी ने शंकराचार्य चौक से कनखल थाना होते हुए देशरक्षक तिराहे तक मार्ग के नवीनीकरण और सुधार कार्यों का जायजा लिया। इस मार्ग पर 393.06 लाख रुपये की लागत से सड़क का डामरीकरण और फुटपाथ निर्माण कराया जा रहा है। बंगाली मोड़ से झंडा चौक, श्री यंत्र मंदिर और बूढ़ी माता मंदिर तक सड़क के नवीनीकरण एवं अन्य सुधार कार्यों के लिए 394.19 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने आईरिस सेतु से बैरागी कैंप, विश्व कल्याण आश्रम और मातृ सदन आश्रम होते हुए ज्वालापुर-लक्सर-पुरकाजी राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ने वाले 6.740 किलोमीटर लंबे मार्ग का भी निरीक्षण किया। इस मार्ग पर 391.32 लाख रुपये की लागत से नवीनीकरण कार्य कराया जा रहा है। सोनिका ने अधिकारियों को सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने गुणवत्ता से समझौता न करने, सड़कों को अतिक्रमणमुक्त रखने तथा फुटपाथ पर पैदल यात्रियों के सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। विद्युत पोल, निर्माण सामग्री और अन्य सामान हटाने के निर्देश भी दिए गए। बैरागी कैंप में उन्होंने मेला भूमि के समतलीकरण का निरीक्षण कर सेक्टर योजना के अनुसार शिविरों, अखाड़ों और पार्किंग स्थलों की तैयारी समय से पूरी करने को कहा।

अध्यात्म, सेवा और राष्ट्रसेवा का संगम सतपाल महाराज के जीवन की विशेषता: राज्यपाल

हरिद्वार (शिखर समाचार)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने सोमवार को हरिद्वार में मानव उत्थान सेवा समिति की ओर से आयोजित कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज के जन्मोत्सव कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, भरत चौधरी और पूर्व कैबिनेट मंत्री अमृता रावत सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। राज्यपाल ने सतपाल महाराज को जन्मदिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु तथा निरंतर जनसेवा के लिए ऊर्जा और सामर्थ्य की कामना

की। राज्यपाल ने कहा कि मानव उत्थान सेवा समिति के माध्यम से सतपाल महाराज ने देश-विदेश में मानव धर्म, आत्मज्ञान, सद्भावना, प्रेम और सेवा का संदेश पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि उनका आध्यात्मिक जीवन मानवता की

सेवा और समाज के उत्थान के लिए समर्पित रहा है। सार्वजनिक जीवन में विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन करते हुए वह उत्तराखंड की सेवा कर रहे हैं। गुरमीत सिंह ने कहा कि 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भारतीय भावना आज पूरी मानवता के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। मानव धर्म, सद्भाव और सर्वधर्म समभाव के माध्यम से इस भावना को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अध्यात्म के साथ सेवा और राष्ट्रहित की भावना समाज को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। राज्यपाल ने कामना की कि सतपाल महाराज की आध्यात्मिक साधना, मानव सेवा और जनसेवा की यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहे। उनका अनुभव और मार्गदर्शन समाज तथा युवा पीढ़ी को सेवा, सद्भाव और राष्ट्र प्रथम की भावना के प्रति प्रेरित करता रहे।

संभव में नगर आयुक्त ने सुनी 31 शिकायतें, अतिक्रमण पर चला कार्रवाई का चाबुक

सड़क और रास्ते रोकने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई, सभी जोनल प्रभारियों को अभियान चलाने के निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने संभव कार्यक्रम के अंतर्गत जनसुनवाई करते हुए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में कुल 31 शिकायतें प्राप्त हुई, जिन पर संबंधित विभागों द्वारा कार्रवाई की गई। अधिकांश शिकायतें निर्माण विभाग से जुड़े रहे, जिनमें विभिन्न विकास कार्यों और सुविधाओं से संबंधित मांगें शामिल थीं। नगर आयुक्त ने विशेष रूप से अवैध अतिक्रमण की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सभी जोनल प्रभारियों को तत्काल प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए।

सड़क और आवागमन बाधित करने वाले अतिक्रमण पर विशेष निगरानी

नगर आयुक्त ने अधिकारियों से कहा कि सड़कों पर किसी भी प्रकार का ऐसा अतिक्रमण नहीं होना चाहिए, जिससे यातायात प्रभावित हो अथवा लोगों के आने-जाने का मार्ग बाधित हो। उन्होंने सभी जोन में विशेष निगरानी रखते हुए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाने के निर्देश दिए। पक्के निर्माण हटाने के लिए निर्माण विभाग से समन्वय स्थापित कर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया।

निर्माण विभाग की सबसे अधिक शिकायतें

संभव कार्यक्रम के तहत निर्माण विभाग से संबंधित नौ, स्वास्थ्य विभाग से तीन, उद्यान विभाग से तीन, प्रकाश विभाग से एक, कर विभाग से दो, जलकल विभाग से पांच, अतिक्रमण से संबंधित छह, जन्म-मृत्यु से संबंधित एक तथा अन्य विभाग से एक शिकायतें प्राप्त हुई। नगर आयुक्त ने सभी विभागीय अधिकारियों को केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहने और आवश्यकतानुसार स्थलीय निरीक्षण कर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अतिक्रमण के खिलाफ महाअभियान की तैयारी

नगर निगम की ओर से बताया गया कि संभव के अंतर्गत प्राप्त समस्याओं के समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई की जा रही है। अतिक्रमण की समस्या के स्थायी समाधान के लिए दिन निर्धारित कर पुलिस बल और संबंधित विभागों के सहयोग से व्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। जनसुनवाई के दौरान अपर नगर आयुक्त रेनू सिंह, प्रभारी उद्यान अनुज, महाप्रबंधक जल केपी आनंद, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पुराने कार्यकताओं की नाराजगी दूर करने की पहल, मदन छाबड़ा के घर पहुंचे मंत्री कपिल देव

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भारतीय जनता पार्टी में पुराने और जमीनी कार्यकताओं से संवाद बढ़ाने की कवायद तेज हो गई है। इसी क्रम में प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल खतौली पहुंचे और पार्टी के पूर्व जिला मंत्री मदन छाबड़ा के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने पुराने कार्यकताओं के साथ बैठक कर संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। बैठक में कार्यकताओं की समस्याएं और सुझाव भी सुने गए।

मदन छाबड़ा खतौली के पुराने और समर्पित भाजपा कार्यकताओं में शामिल हैं। पार्टी से जुड़े लोगों के अनुसार, वह एक दशक से अधिक समय से संगठन में अपेक्षित जिम्मेदारी से दूर हैं, लेकिन इसके बावजूद लगातार पार्टी के साथ जुड़े हुए हैं। ऐसे समय में जब संगठनात्मक मजबूती के लिए पुराने कार्यकताओं से संपर्क बढ़ाया जा रहा

है, मंत्री का उनके आवास पर पहुंचना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने में पुराने कार्यकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। लंबे समय से पार्टी के लिए काम कर रहे कार्यकताओं के परिश्रम और समर्पण से ही संगठन ने मजबूती हासिल की है। उन्होंने कहा कि किसी कार्यकर्ता के मन में नाराजगी या शिकायत है तो आपसी बातचीत के माध्यम से उसका समाधान निकाला जा सकता है। व्यक्तिगत मतभेद संगठन के हित से ऊपर नहीं होने चाहिए। कार्यकताओं के बीच बेहतर समन्वय और संवाद से संगठन को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कार्यकताओं से अपनी समस्याएं वरिष्ठ पदाधिकारियों के समक्ष रखने तथा चुनावी तैयारियों के मद्देनजर संगठनात्मक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की अपील की। बैठक में मंडल अध्यक्ष प्रवीण ठकराल, नगर महामंत्री राजू उपाध्याय, प्रताप वाल्मीकि, देवेंद्र गुप्ता, उमेश कुमार, सुभाष गुप्ता, प्रमोद शर्मा अधिवक्ता, नीरज गोयल, अजय गुप्ता, विकास पुंडीर, अनिल नगर और माधव ठकराल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रविदास मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद दलित कार्यकर्ता के घर पहुंचे नितिन नबीन, दिया समरसता का संदेश

सहारनपुर (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने मंगलवार को सहारनपुर स्थित श्री गुरु रविदास मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश के कल्याण की कामना की। इसके बाद उन्होंने ओजपुरा स्थित रविदास मंदिर समिति के अध्यक्ष अजब सिंह के आवास पर पहुंचकर दोपहर का भोजन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद सहारनपुर के अपने पहले दौरे पर नितिन नबीन के मंदिर दर्शन और कार्यकर्ता के घर भोजन का कार्यक्रम पहले से निर्धारित था।

पत्रकारों से वार्ता में नितिन नबीन ने कहा कि संत रविदास के आदर्शों पर चलते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान देने और उसे मुख्यधारा से जोड़ने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि संत रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर उनके संदेश को आत्मसात करने की आवश्यकता है। सभी समाजों को

साथ लेकर समरसता की भावना से आगे बढ़ना ही संत रविदास के विचारों के प्रति सच्ची श्रद्धा है।

इससे पूर्व नितिन नबीन ने मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना की। इस दौरान दलित समाज के लोगों ने उन्हें संत रविदास की प्रतिमा और पुस्तक भेंट की। उन्होंने लोगों से संत रविदास के समानता, समरसता और सामाजिक एकता के संदेश को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। मंदिर दर्शन के बाद नितिन नबीन अजब सिंह के आवास पहुंचे, जहां उन्होंने कार्यकर्ता के परिवार के साथ भोजन किया। पार्टी की ओर से इसे जमीनी कार्यकताओं के साथ आत्मीय संवाद और सामाजिक समरसता से जोड़कर देखा गया। नितिन नबीन का सहारनपुर दौरा संगठनात्मक बैठकों और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच हुआ है।

जनसुनवाई में जिलाधिकारी ने सुनीं फरियादें, दिव्यांग महिला को अंत्योदय-आयुष्मान कार्ड और आवास का आश्वासन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई कर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए और शीघ्र समाधान की मांग की।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सभी प्रकरणों का नियमानुसार परीक्षण कर निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में भूमि एवं संपत्ति पर अवैध कब्जे, राजस्व विवाद, भूमि संबंधी धोखाधड़ी और अतिक्रमण सहित सार्वजनिक सुविधाओं, पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित शिकायतें और मांगें

सामने आईं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं के पात्र लोगों को अधिक से अधिक लाभ दिलाया जाए और शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाए। यदि कोई व्यक्ति किसी एक योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन करता है तो अधिकारी उसकी अन्य योजनाओं के लिए पात्रता भी जांचें। पात्र पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति को अन्य योजनाओं की जानकारी देकर उनका लाभ दिलाया जाए।

जनसुनवाई के दौरान कालका गढ़ी निवासी दिव्यांग महिला विमला चौहान ने परिवार के भरण-पोषण और आवास की समस्या बताई। जिलाधिकारी ने उनकी दिव्यांग पेंशन के बारे में जानकारी ली। पेंशन मिलने की जानकारी के बाद उन्होंने अधिकारियों को विमला चौहान का अंत्योदय कार्ड और आयुष्मान कार्ड बनवाने तथा पात्रता के अनुसार आवास की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए।

इस दौरान एडीएम भूमि अध्याप्ति, एडीएम सिटी, एडीएम प्रशासन, एडीएम न्यायिक, सिटी मजिस्ट्रेट सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बिजनौर प्रदर्शनी में अचानक लगा सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर ब्रेक, गजल नाइट से कवि सम्मेलन तक सब स्थगित

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिला कृषि औद्योगिक एवं सांस्कृतिक प्रदर्शनी-2026 में होने वाले बहुप्रतीक्षित सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर अचानक विराम लग गया है। नगर पालिका परिषद बिजनौर के तत्वावधान में इंदिरा बाल भवन प्रांगण में आयोजित होने वाले 22 सितंबर के गजल कार्यक्रम, 23 सितंबर के मुशायरे और 24 सितंबर के कवि सम्मेलन को अपरिहार्य कारणों के चलते स्थगित कर दिया गया है। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने इसकी जानकारी देते हुए आम जनता और कार्यक्रमों में पहुंचने वाले दर्शकों को कार्यक्रम स्थगित किए जाने से अवगत कराया है। पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह के अनुसार 22 सितंबर को प्रस्तावित गजल कार्यक्रम, 23 सितंबर को होने वाला मुशायरा तथा 24 सितंबर को आयोजित होने वाला कवि सम्मेलन अब निर्धारित तिथियों पर नहीं होगा। इन कार्यक्रमों की नई तिथियों के संबंध में बाद में सूचना जारी की जाएगी। कार्यक्रमों के अचानक स्थगित होने से प्रदर्शनी में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों

का इंतजार कर रहे लोगों में निराशा की स्थिति है। बताया जा रहा है कि नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी की माता के निधन के अलावा कुछ अन्य महत्वपूर्ण और अपरिहार्य कारणों के चलते कार्यक्रमों को स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। हालांकि, पालिका की ओर से कार्यक्रमों की नई तारीखों की घोषणा अभी नहीं की गई है। इंदिरा सिंह ने कार्यक्रम स्थगित होने से आम जनता और दर्शकों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि नई तिथियों और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी के लिए नगर पालिका परिषद की ओर से जारी होने वाली सूचना पर नजर बनाए रखें।

734 वोटों से अतुल चौकड़ायत की ऐतिहासिक जीत, छह प्रमुख पदों पर चौकड़ायत गुट का कब्जा

हापुड़ (शिखर समाचार)। शहर के बहुप्रतीक्षित अग्रवाल महासभा चुनाव का परिणाम घोषित होते ही चुनावी तस्वीर साफ हो गई। कड़े मुकाबले में चौकड़ायत गुट के अतुल चौकड़ायत ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी अग्रबंधु सेवा गुट के ललित कुमार अग्रवाल को 734 मतों के अंतर से पराजित कर प्रधान पद पर जीत दर्ज की। चुनाव अधिकारी दिग्विजय सिंह ने सभी पदों के परिणाम घोषित किए। परिणाम सामने आते ही दीवान इंटर कॉलेज परिसर और आसपास समर्थकों में उत्साह छा गया। ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के बीच देर रात तक जीत का जश्न मनाया गया और समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जताई।

अन्य प्रमुख पदों पर भी मुकाबला रोचक रहा। वरिष्ठ उपप्रधान पद पर राजेंद्र गुप्ता ने 1358 मतों के अंतर से जीत दर्ज की, जबकि कनिष्ठ उपप्रधान पद पर नवीन गर्ग विजयी रहे। मंत्री पद पर विमेश गोयल ने 296 मतों से जीत हासिल की। वरिष्ठ उपमंत्री पद पर हिमांशु गोयल, कनिष्ठ उपमंत्री पद पर अमित गोयल सिम्पल, कोषाध्यक्ष पद

पर शरद अग्रवाल राम, उपकोषाध्यक्ष पद पर अनुज गर्ग, लेखा निरीक्षक पद पर आशीष विजय गुप्ता और उप लेखा निरीक्षक पद पर अरुण जिंदल निर्वाचित घोषित किए गए। कुल 10 प्रमुख पदों में चौकड़ायत गुट के छह प्रत्याशी विजयी रहे, जबकि चार पद दूसरे गुट के खाते में गए।(कार्यकारिणी के 21 पदों के लिए 42 उम्मीदवार मैदान में थे। राघव अग्रवाल ने 2497 मत प्राप्त कर सर्वाधिक मत हासिल किए। इसके अलावा अभिषेक गर्ग को 2474, गोपाल जिंदल को 2100, मुदित बंसल को 2068 और डा. आशीष अग्रवाल को 1938 मत मिले। अन्य निर्वाचित सदस्यों में दीपक बंसल, आशीष मित्तल, हर्षित अग्रवाल, आयुष गर्ग, मोहित अग्रवाल, शुभम सिंघल, मुदित गोयल, सौरभ गोयल, मोतीराम, विवेक गोयल, रक्षक गुप्ता, जतिन गोयल, अंकुर जिंदल, गौरव गर्ग, दीपक अग्रवाल और दीपक सिंघल शामिल हैं। जीत के बाद अतुल चौकड़ायत ने कहा कि यह उनकी नहीं, बल्कि पूरे अग्रवाल समाज के विश्वास और एकता की जीत है। उन्होंने सभी मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि चुनाव समाप्त हो चुका है और अब समाज को साथ लेकर विकास, सेवा तथा सामाजिक एकजुटता के लिए कार्य किया जाएगा। उन्होंने सभी प्रत्याशियों और प्रतिद्वंद्वियों का सम्मान करते हुए सहयोग की अपील की।

एरियर भुगतान में देरी से शिक्षकों में रोष, प्राथमिक शिक्षक संघ ने वित्त एवं लेखाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद में बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों के लंबे समय से लंबित एरियर भुगतान को लेकर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने नाराजगी जताई है। संघ के जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह शिशौदिया और जिला मंत्री नीरज चौधरी ने 22 सितंबर 2026 को वित्त एवं लेखाधिकारी (बेसिक शिक्षा) को पत्र भेजकर लंबित एरियर का मिशन मोड में तत्काल भुगतान कराने की मांग की है।

संघ की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि काफी समय से शिक्षकों के एरियर भुगतान के प्रकरण लंबित हैं। कई मामलों में पोर्टल पर भुगतान हो चुका दशार्या गया है, जबकि संबंधित शिक्षकों के खातों में वास्तविक रूप से धनराशि नहीं पहुंची है। वहीं सैकड़ों प्रकरण महीनों से स्वीकृत होने के बावजूद 'नो पेड' की स्थिति में हैं। संघ का कहना है कि बजट

उपलब्ध होने के बाद भी इन प्रकरणों का भुगतान नहीं किया जा रहा है।

पत्र में संघ ने यह भी आरोप लगाया है कि एरियर भुगतान कराने के नाम पर शिक्षकों से कागजात और बिल मांगे जा रहे हैं तथा उन्हें कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से आने के लिए विवश किया जा रहा है। संघ के अनुसार वेतन और एरियर की प्रक्रिया ऑनलाइन है तथा शिक्षकों ने आवश्यक प्रपत्रों के साथ ऑनलाइन आवेदन किया है।

संघ ने कहा कि जिलाधिकारी की ओर से भी पूर्व में एक माह के भीतर एरियर भुगतान का लिखित आश्वासन दिया गया था, लेकिन कुछ प्रकरणों का भुगतान होने के बाद भी अधिकांश एरियर अब तक लंबित हैं। संघ ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र भुगतान नहीं हुआ तो संगठन शासन-प्रशासन को पूरी स्थिति से अवगत कराकर आगे कठोर निर्णय लेने को बाध्य होगा।

मेहनत का सम्मान: उत्कृष्ट परिणाम देने वाली 90 बालिकाओं को सम्मान, खिले चेहरे

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। विद्या भारती के विद्यालय सरस्वती शिशु एवं विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, रामलीला बाग नगीना में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में नगीना क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों की कक्षा दसवीं और बारहवीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने वाली 90 बालिकाओं को सम्मानित किया गया। सम्मान मिलने पर छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने छात्राओं की उपलब्धि को उनके परिश्रम, लगन और निरंतर अध्ययन का परिणाम बताते हुए उन्हें भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। समारोह में पीडीएम इंटर कॉलेज पुरैनी, अंकुर इंटर कॉलेज पुरैनी, आदर्श कन्या पाठशाला पुरैनी, गोयल पब्लिक स्कूल नगीना, सेंट मैरी स्कूल नगीना, एके मुस्लिम इंटर कॉलेज नगीना, दयानंद वैदिक कन्या इंटर कॉलेज नगीना, किसान इंटर कॉलेज भूरापुर, श्रीमती शमला रानी इंटर कॉलेज कठैर, हिंदू इंटर कॉलेज नगीना और एमएम इंटर कॉलेज नगीना सहित क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक हरि सिंह ढिल्लों रहे। विशेष अतिथि पूर्व उप श्रम आयुक्त रोशन लाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय सेविका समिति के मेरठ प्रांत की प्रांत कुटुंब प्रबोधन प्रमुख मुकेश चौधरी ने की। इस अवसर पर धामपुर के गन्ना चेयरमैन रामवीर सिंह, विद्यालय अध्यक्ष प्रदीप कुमार गर्ग, प्रबंधक संदीप शर्मा, उप प्रबंधक अनिल कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष बालेश विश्नोई, सदस्य संजय वर्मा, अनिल शर्मा, संजीव गुप्ता, प्रियंका अग्रवाल और प्रधानाचार्य महेश सिंह सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ तथा नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। अतिथियों ने सम्मानित छात्राओं को बधाई देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

बिजनौर में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, जसजीत कौर का तबादला; उमेश प्रताप सिंह होंगे नए जिलाधिकारी

जसजीत कौर

उमेश प्रताप सिंह

बिजनौर (शिखर समाचार)। शासन स्तर पर किए गए प्रशासनिक फेरबदल के तहत बिजनौर के जिलाधिकारी पद पर बड़ा बदलाव किया गया है। जिले की जिलाधिकारी जसजीत कौर का स्थानांतरण कर उन्हें उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन लिमिटेड का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। वहीं, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग में विशेष सचिव के पद पर तैनात भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी उमेश प्रताप सिंह को बिजनौर का नया जिलाधिकारी बनाया गया है। उनके देर रात तक जनपद पहुंचकर कार्यभार ग्रहण करने की संभावना जताई गई है। जसजीत कौर ने 16 जनवरी 2025 को बिजनौर के जिलाधिकारी का पदभार संभाला था। करीब डेढ़ वर्ष के कार्यकाल के दौरान उनकी पहचान मृदुभाषी और शालीन अधिकारी के रूप में बनी। फरियादियों तथा अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ उनके व्यवहार को लेकर सकारात्मक चर्चा रही। प्रशासनिक स्तर पर भी वह सहज एवं सहयोगात्मक व्यवहार के लिए जानी जाती रहीं। उनके कार्यकाल में विभिन्न विकास योजनाओं और जनहित से जुड़े कार्यों को लेकर प्रशासनिक स्तर पर गतिविधियां जारी रहीं। अब शासन ने उमेश प्रताप सिंह को बिजनौर की प्रशासनिक कमान सौंपी है। नए जिलाधिकारी के सामने जनपद में विकास कार्यों को गति देने, शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान कराने की प्रमुख जिम्मेदारी होगी। प्रशासनिक फेरबदल के बाद जिले के अधिकारियों और कर्मचारियों में भी नई जिम्मेदारियों को लेकर हलचल तेज हो गई है।

हापुड़ की शिक्षिका जयश्री को मिली बड़ी जिम्मेदारी, प्रदेश स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में बनीं चयनकर्ता

हापुड़ (शिखर समाचार)। प्रदेश स्तरीय विद्यालयीय बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिता में हापुड़ की शिक्षिका जयश्री को चयनकर्ता की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रतियोगिता 23 से 26 सितंबर 2026 तक बरेली में आयोजित होगी। इसमें अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग के बालक-बालिका खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। संयुक्त शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) के निर्देश पर प्रतियोगिता के लिए मंडलीय चयन समिति का गठन किया गया है। मंडलीय सचिव एवं जिला व्यायाम शिक्षिका रितु पालक को बरेली मंडल की चयन समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से हापुड़ जिले के प्राथमिक विद्यालय हावल में कार्यरत शिक्षिका जयश्री का चयन टेबल टेनिस प्रतियोगिता के अंडर-14 बालक एवं बालिका वर्ग के लिए चयनकर्ता के रूप में किया गया है। जयश्री को मिली इस जिम्मेदारी से जिले के शिक्षा एवं खेल जगत में खुशी का माहौल है। विद्यालय स्तर पर खेल गतिविधियों से जुड़ी शिक्षिका को प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के चयन की जिम्मेदारी मिलना हापुड़ के लिए भी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। प्रतियोगिता के दौरान चयन समिति के सदस्य खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आकलन करेंगे और निर्धारित मानकों के आधार पर प्रतिभागियों के चयन की प्रक्रिया पूरी करेंगे। शिक्षा विभाग से जुड़े लोगों ने जयश्री को प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में चयनकर्ता बनाए जाने पर शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि वह अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन निष्पक्ष एवं प्रभावी ढंग से करेंगी।

जियो टावर से दो बैटरियां चोरी, एक माह बाद दर्ज हुई एफआईआर; अज्ञात चोरों की तलाश

दादरी (शिखर समाचार)। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के धूम मानिकपुर गांव में रिलायंस जियो के टावर से दो बैटरियां चोरी होने के मामले में पुलिस ने घटना के करीब एक माह बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने चोरों की तलाश शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि धूम मानिकपुर गांव में सुशील के मकान पर रिलायंस जियो का टावर लगा हुआ है, जिसकी साइट आईडी 4023 है।

संबंध विच्छेद

मैं यासीन पुत्र शगीर, निवासी पुनीत एन्क्लेव, पूजा कालोनी, लोनी, जनपद गाजियाबाद, यह सार्वजनिक रूप से घोषित करता हूँ कि मैंने अपने पुत्र शाहरुख को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण समस्त पारिवारिक संबंध विच्छेद कर उसे अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्ति से दिनाँक 11.08.2025 को बेदखल कर दिया था। तभी से शाहरुख द्वारा किए गए किसी भी कृत्यों व लेन देन के लिए वह स्वयं जिम्मेदार है तथा भविष्य में भी वही जिम्मेदार रहेगा और उससे मेरा व परिवार का किसी प्रकार का कोई संबंध ना ही है ना ही रहेगा।

द्वारा साजिद अली एडवोकेट

संक्षिप्त समाचार

क्षमा मांगना भारत की अच्छी परंपरा, इससे कोई छोटा नहीं होता

वाराणसी। जैन धर्म के 10 दिनों तक चलने वाले महापर्व दसलक्षण पर नगर के कई जैन मंदिरों में कार्यक्रम हुए। नरिया स्थित श्री दिगंबर जैन संस्थान में आत्म शुद्धि से समरस समाज की ओर चलने की बात की गई। श्री 1008 दिव्यांग पीठ के महामंडलेश्वर स्वामी कृपानंद जी महाराज ने कहा कि यह आत्म शुद्धि के पर्व के रूप में मनाया जाता है। जाने-अनजाने में हुई गलतियों पर क्षमा मांगता है बहुत ही अच्छी परंपरा है और भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषता भी। किसी से क्षमा मांगने से कोई छोटा नहीं हो जाता वरन उसके मन का मैल धुल जाता है। अध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार जैन ने बताया कि संस्थान की ओर से अभी तक 70 पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है, जिनमें समरसता की प्रधानता है। प्रो. जगदीश राय ने स्वामी कृपानंद जी महाराज, दीवि फाउंडेशन के प्रो जगदीश राय और डॉ वीरभद्र सिंह को नशा मुक्ति अभियान के लिए और बच्चों में धार्मिक संस्कार के लिए सन्मति पाठशाला की लता जैन,अनुभा जैन, अनुपमा जैन और अर्चना जैन को सम्मानित भी किया गया।

कांशीराम चिकित्सालय में फर्जी आशाओं के सक्रिय होने का आरोप

कानपुर। कांशीराम संयुक्त चिकित्सालय एवं ट्रॉमा सेंटर परिसर में फर्जी आशा कार्यकर्ताओं के सक्रिय होने का मामला सामने आया है। आरोप है कि ये महिलाएं अस्पताल आने वाली गर्भवती और उनके तीमारदारों को गुमराह कर निजी केंद्रों पर जांच, अल्ट्रासाउंड और रक्त परीक्षण कराने के लिए ले जाती हैं। इसके एवज में कमीशन वसूले जाने की भी शिकायत की गई है।चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सीमा राय ने मामले की शिकायत मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पीयूष मिश्रा से की। इसके बाद मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर मामले से अवगत कराया है। पत्र में आरोप लगाया गया है कि महिला विंग में कुछ महिलाएं स्वयं को आशा कार्यकर्ता बताकर गर्भवती को सरकारी अस्पताल की निशुल्क सुविधाओं से दूर कर रही हैं। उन्हें निजी अस्पतालों में प्रसव कराने के लिए भी प्रेरित किए जाने की बात कही गई है।इसके कारण न केवल मरीजों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है बल्कि सरकार की ओर से चलाई जा रही जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत अस्पताल में निर्धारित लक्ष्य भी पूरा नहीं हो पा रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने फर्जी आशा कार्यकर्ताओं की तस्वीरें महिला विंग में चस्पा कराने के निर्देश दिए गए हैं। चिकित्सकों और कर्मचारियों को भी संदिग्ध लोगों पर नजर रखने को कहा गया है। अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिया है कि बिना वैध पहचान पत्र के आशा कार्यकर्ता के रूप में कोई व्यक्ति मिलता है तो उसकी सूचना तत्काल अधिकारियों को दी जाए ताकि जांच के बाद नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जा सके।

ब्रह्मलीन महंतद्वय की स्मृति में सजेगा गोरखनाथ मंदिर परिसर

गोरखपुर। गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 57वीं और राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ की 12वीं पुण्यतिथि के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में 24 से 30 सितंबर तक सात दिवसीय श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह के एक दिन पहले 23 सितंबर से संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ होगा। वृंदावन से पधारे मलूकपीठाधीश्वर स्वामी राजेंद्रदास देवाचार्य श्रद्धालुओं को कथा सुनाएंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित रहेंगे।गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने बताया कि दोनों ब्रह्मलीन महंतों ने धर्म, संस्कृति, शिक्षा, समाज और राष्ट्र के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी पुण्यतिथि पर हर वर्ष होने वाला यह आयोजन उनकी स्मृतियों को नमन करने के साथ लोगों को सामाजिक, राष्ट्रीय और आध्यात्मिक विषयों से जोड़ने का माध्यम बनता है।समारोह में देशभर से संत, धर्माचार्य और विद्वान शामिल होंगे। इनमें रोहतक के महंत बालकनाथ, जूनागढ़ के महंत शेरनाथ, नैमिषारण्य के स्वामी विद्या चैतन्य, गाजियाबाद के महंत नारायण गिरि, वाराणसी के डॉ. रामकमलदास वेदांती, हरिद्वार के महंत चेताईनाथ, कच्छ के महंत देवनाथ, वाराणसी के महंत संतोषदास, प्रयागराज के जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी विश्वेश प्रपन्नाचार्य, अयोध्या के महंत रामदिनेशाचार्य सहित कई संत शामिल होंगे। सम्मेलनों में आईआईटी बीएचयू के डॉ. वी. रामानाथन, स्वामी विवेकानंद केंद्र के प्रो. विनोद सोलंकी, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतीहारी के पूर्व कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के कुलपति प्रो. मुरली मनोहर पाठक, गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता सहित कई विषय विशेषज्ञ विचार रखेंगे।

कई जगह ढके गए नाले, अभी भी कुछ मोहल्लों में स्लैब का इंतजार

गोरखपुर। शहर में खुले और खतरनाक नालों को सुरक्षित करने का काम सोमवार को भी जारी रहा। कई जगह नालों पर स्लैब रखकर उन्हें ढका गया लेकिन सिविल लाइंस समेत कुछ इलाकों में खुले नालों की स्थिति जस की तस रही। इससे राहगीरों के लिए हादसे का खतरा बना हुआ है।सिविल लाइंस में कई जगह सोमवार को भी नाले खुले मिले। नालों के बीच से हटे स्लैब को भी नहीं लगाया गया। स्कूल रोड पर खुले नाले की स्थिति में भी कोई बदलाव नहीं हुआ। विश्वविद्यालय चौराहे के पास तिराहे पर भी नाले का एक हिस्सा कोने में खुला मिला। पादरी बाजार के खजांची चौराहे से करीब 300 मीटर पहले बाईपास पर सड़क के किनारे काफी गहरा नाला है। सड़क के नजदीक होने के बावजूद यहां बैरिकेडिंग नहीं की गई है। कुछ महीने पहले इसी नाले में एक युवक गिरकर घायल हो चुका है। ऐसे में यहां सुरक्षा के इंतजाम नहीं होने से हादसे का खतरा बना हुआ है। वहीं भरवलिया में नाले खुले रहे। वहीं, बेतियाहाता में हनुमान मंदिर रोड, दाउदपुर के नहर रोड और जगन्नाथपुर में नालों पर स्लैब रखे गए।

2027 में फिर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी भाजपा : नितिन नबीन

हर गांव और हर घर तक पहुंचकर जनता से करें सीधा संवाद, कार्यकर्ताओं को संगठन मजबूत करने का दिया मंत्र

सहारनपुर (शिखर समाचार)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं के उत्साह और जनता के आशीर्वाद से उत्तर प्रदेश में भाजपा एक बार फिर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। सहारनपुर में आयोजित संगठनात्मक बैठकों में उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से आगामी कार्यक्रमों को लेकर संवाद किया तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया।

हर घर तक पहुंचने का आह्वान

नितिन नबीन ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता 24 घंटे और सातों दिन जनता की सेवा के लिए काम करते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से हर गांव और हर घर तक पहुंचकर लोगों से सीधा संवाद करने, उनकी समस्याओं को समझने तथा पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करने को कहा। उन्होंने कहा कि मजबूत जनसंपर्क ही संगठन को और अधिक प्रभावी बनाता है।

विकास और औद्योगिक गतिविधियों का किया उल्लेख

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में उत्तर प्रदेश विकास तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सड़क, एक्सप्रेसवे, अर्धचालक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रक्षा निर्माण के क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों का उल्लेख किया। ब्रह्मोस जैसी मिसाइलों के निर्माण को उन्होंने नए उत्तर प्रदेश की पहचान बताया।

शक्ति केंद्रों पर जनता चौपाल के निर्देश

नितिन नबीन ने कहा कि संगठन की मजबूती पुराने कार्यकर्ताओं के दशकों के परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने विधानसभा स्तर पर सांसदों, विधायकों और सक्रिय सदस्यों के साथ शक्ति केंद्रों पर जनता चौपाल आयोजित करने तथा जनसंवाद बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, प्रदेश महामंत्री राम प्रताप सिंह चौहान, राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रदेश प्रभारी जगदीश पटेल, राष्ट्रीय मंत्री भोला सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, जिला अध्यक्ष अजीत सिंह राणा और महानगर अध्यक्ष शीतल विश्नोई गोयल समेत पार्टी पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

स्थानीय विवाद को समाज से जोड़ने पर भड़का उपाध्याय समाज, बैठक में जताई कड़ी नाराजगी

शामली (शिखर समाचार)। भारतीय उपाध्याय समाज की मंगलवार को नगर पालिका सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मोहल्ले में सभासद और स्थानीय लोगों के बीच हुए विवाद को समाज से जोड़े जाने पर पदाधिकारियों और सदस्यों ने नाराजगी जताई। जिलाध्यक्ष रामकिशन उपाध्याय ने स्पष्ट किया कि संबंधित विवाद व्यक्तिगत मामला है और इसका भारतीय उपाध्याय समाज से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि समाज इस मामले में किसी भी पक्ष के समर्थन में नहीं है और संगठन को व्यक्तिगत विवादों से दूर रखा जाना चाहिए। रामकिशन उपाध्याय ने कहा कि किसी व्यक्ति द्वारा स्वयं को प्रदेश या राष्ट्रीय अध्यक्ष बताते हुए स्थानीय विवाद को समाज से जोड़ना उचित नहीं है। समाज के नाम का इस्तेमाल किसी व्यक्तिगत अथवा राजनीतिक विवाद को बढ़ावा देने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सामाजिक संगठन का उद्देश्य समाज के लोगों को एकजुट करना और सामाजिक हित के कार्यों को आगे बढ़ाना है, न कि व्यक्तिगत विवादों में हस्तक्षेप करना।

बैठक में सभासद के कथित कृत्य को लेकर भी सदस्यों ने नाराजगी जताते हुए उसकी निंदा की। पदाधिकारियों ने कहा कि किसी भी विवाद का समाधान व्यक्तिगत स्तर पर अथवा संबंधित कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाना चाहिए। समाज के नाम का इस्तेमाल कर विवाद को व्यापक रूप देने से सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है। बैठक में उपस्थित लोगों ने स्थानीय विवाद से समाज को अलग रखने और भविष्य में भी किसी व्यक्तिगत प्रकरण को संगठन से जोड़कर प्रस्तुत नहीं करने का निर्णय लिया।

बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रामकिशन उपाध्याय ने की, जबकि संचालन रामबीर राठी ने किया। इस दौरान संजय उपाध्याय, योगीनाथ, राजबीर सिम्भालका, केपी मट्टी, विकास उपाध्याय सहित समाज के अनेक लोग मौजूद रहे।

चेयरमैन पर मुकदमे के विरोध में लामबंद हुए सभासद, एसपी से मिलकर निष्पक्ष जांच की मांग

शामली (शिखर समाचार)। सभासद और कॉलोनीवासियों के बीच कहासुनी के बाद हुई मारपीट के मामले में नगर पालिका चेयरमैन अरविंद संगल के खिलाफ दर्ज मुकदमे को लेकर पालिका सभासदों ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर विरोध जताया। सभासदों ने प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने तथा उपलब्ध वीडियो फुटेज के आधार पर कार्रवाई किए जाने की मांग की। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर पूरे घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति सामने लाने के लिए सभी उपलब्ध साक्ष्यों की जांच कराने का आग्रह किया। ज्ञापन में सभासदों ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित वीडियो के माध्यम से हुई। सभासदों के अनुसार उन्होंने नगर पालिका परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग भी देखी है। उनका दावा है कि फुटेज में चेयरमैन दोनों पक्षों के बीच हुए विवाद में हस्तक्षेप करते नजर नहीं आ रहे हैं। इसी आधार पर उन्होंने मुकदमे की विवेचना निष्पक्ष तरीके से कराने की मांग की।

सभासदों ने घटनाक्रम से संबंधित वीडियो फुटेज के साथ संबंधित लोगों की मोबाइल टावर स्थिति और कॉल विवरण अभिलेख की भी जांच कराने की मांग की, ताकि घटना के समय संबंधित लोगों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। उन्होंने वार्ड-16 के सभासद अनिल उपाध्याय से जुड़े पूर्व विवादों का हवाला देते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष विवेचना किए जाने पर जोर दिया। एसपी से मुलाकात के दौरान गुलजारी मंसूरी, पंकज गुप्ता, सेठपाल सिंह, रामनिवास, डा. सुशील संगल, हरिओम पाठक, देवानंद गौड़, रोबिन गर्ग, विनोद तोमर, कालू कुरैशी, धुरेंद्र सिंह, अरविंद, तोहिद रहमानी, संदीप कुमार, मनोज कुमार और सोनू चावला सहित अन्य सभासद मौजूद रहे।

नियमितीकरण समेत मांगों पर एनएचएम संविदा कर्मचारियों का मोर्चा, 5 अक्टूबर से आंदोलन की चेतावनी

हापुड़ (शिखर समाचार)। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ, जिला हापुड़ के पदाधिकारियों ने मंगलवार को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। संघ ने लंबे समय से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कार्यरत संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण और समान कार्य के लिए समान वेतन सहित विभिन्न मांगों को प्रमुखता से उठाया। मांगें पूरी नहीं होने पर संघ ने चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी है।

ज्ञापन में संघ ने कहा कि प्रदेश में 15 से 18 वर्षों से कार्यरत एक लाख से अधिक संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण की प्रक्रिया शुरू की जाए। नियमितीकरण होने तक कर्मचारियों को 10 लाख रुपये की कैशलेस चिकित्सा सुविधा, महंगाई भत्ता, कर्मचारी भविष्य निधि, मकान किराया भत्ता, स्थानांतरण नीति, अनुकंपा नियुक्ति, आउटसोर्स कर्मचारियों का समायोजन तथा नियमित भर्तियों में 25 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने की मांग की गई।

संघ पदाधिकारियों ने कहा कि कर्मचारी लंबे समय से स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न सेवाओं में अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों का अपेक्षित समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने सरकार से मांगों पर समयबद्ध कार्रवाई करने की अपील की।

संघ ने चेतावनी दी कि यदि 3 अक्टूबर तक मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो 5 से 7 अक्टूबर तक कर्मचारी काला फीता बांधकर कार्य करेंगे। इसके बाद 8 से 10 अक्टूबर तक जिला मुख्यालय पर कार्य बहिष्कार किया जाएगा। मांगें पूरी नहीं होने पर 12 अक्टूबर से लखनऊ में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने की चेतावनी दी गई है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान जिलाध्यक्ष चंद्रभान तोमर, सचिव सुशील चौधरी, जिला संरक्षक अभिनव दुबे, संगठन मंत्री ज्योति वर्मा, सह संगठन मंत्री मोहित कौशिक और मीडिया प्रभारी अजय मलिक मौजूद रहे।

उधना स्पेशल के फेरे बढ़े, नवंबर तक चलेंगी दोनों ट्रेनें

लखनऊ। दीपावली पर अयोध्या में श्रीराम मंदिर के दर्शन के लिए गुजरात समेत अन्य राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे ने उधना-अयोध्या कैंट स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ा दिए हैं। पहले इन ट्रेनों का संचालन 28 अगस्त तक प्रस्तावित था। अब दोनों स्पेशल ट्रेनें नवंबर तक चलेंगी।

उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय के मुताबिक, ट्रेन नंबर 09093 स्पेशल उधना, सूरत से 16 अक्टूबर से 13 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार और 09097 स्पेशल छह अक्टूबर से 24 नवंबर तक प्रत्येक मंगलवार को चलेगी। इसी तरह अयोध्या कैंट से 09094 स्पेशल 17 अक्टूबर से 14 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार और 09098 स्पेशल सात अक्टूबर से 25 नवंबर तक प्रत्येक बुधवार को रवाना होगी।

अयोध्या कैंट से ट्रेन दोपहर 1:30 बजे रवाना होकर शाम 4:25 बजे लखनऊ पहुंचेगी और अगले दिन शाम 5:30 बजे उधना पहुंचेगी। वापसी में उधना से ट्रेन सुबह 6:45 बजे चलेगी और अगले दिन सुबह 9:05 बजे लखनऊ होते हुए 11:30 बजे अयोध्या कैंट पहुंचेगी। ट्रेनें बाराबंकी, कानपुर, टूंडला, आगरा ईदगाह, बयाना, गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर, कोटा, रतलाम, वडोदरा और भरूच समेत प्रमुख स्टेशनों पर ठहरेंगी।

आश्वासन पर भरोसा करें या आदेश मानें, असमंजस में दो लाख विद्यार्थी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में विषम सेमेस्टर की परीक्षा को लेकर स्नातक के करीब दो लाख विद्यार्थी असमंजस में हैं। विद्यार्थी अब तक प्रथम, तृतीय और पंचम सेमेस्टर की बहुविकल्पीय पैटर्न के आधार पर तैयारी कर रहे थे। परीक्षा समिति ने इसी बीच विषम सेमेस्टर की परीक्षा वर्णनात्मक कराने का निर्णय ले लिया। कुलपति ने छात्रहित में निर्णय लेने का मौखिक आश्वासन दिया है, लेकिन अभी तक कोई पहल नहीं हुई है। ऐसे में वे तय नहीं कर पा रहे कि आश्वासन पर भरोसा करें या जारी आदेश के अनुसार तैयारी का तरीका बदलें।

विद्यार्थियों का कहना है कि प्रथम से चतुर्थ सेमेस्टर तक परीक्षाएं बहुविकल्पीय पैटर्न पर हुई हैं। इसी आधार पर उन्होंने तृतीय और पंचम सेमेस्टर की भी तैयारी की। अब वर्णनात्मक परीक्षा की जानकारी के बाद उन्हें उत्तर लेखन और विस्तृत पाठ्यक्रम की नए सिरे से तैयारी करनी पड़ेगी। छात्रों ने कुलपति को प्रार्थना-पत्र देकर तृतीय और पंचम सेमेस्टर की परीक्षा बहुविकल्पीय पैटर्न पर कराने की मांग की है।जुलाई में जारी अधिसूचना में आगामी विषम सेमेस्टर में वर्णनात्मक और सम सेमेस्टर में बहुविकल्पीय परीक्षा कराने की व्यवस्था की गई है। यह छह जनवरी की परीक्षा समिति के प्रस्ताव संख्या 13 और कुलपति के 31 जुलाई 2026 के आदेश के क्रम में है।

निपुण भारत मिशन की धीमी रफ्तार पर डीएम सख्त, स्कूलों में शिक्षा और सुविधाओं की गुणवत्ता सुधारने के निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। निपुण भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय टास्क फोर्स एवं जिला अनुश्रवण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यार्थियों की उपस्थिति, मूलभूत सुविधाओं और कायाकल्प योजना के तहत कराए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सभी कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने के निर्देश दिए।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने निपुण भारत मिशन के तहत जनपद में अब तक किए गए कार्यों और प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग को अन्य संबंधित विभागों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित कर सभी परिषदीय विद्यालयों में कायाकल्प से जुड़े कार्यों को निर्धारित समय में पूरा कराने को कहा। उन्होंने विद्यालयों में चल रहे कार्यों की नियमित निगरानी करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिला टास्क फोर्स की ओर से निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष विद्यालयों का शत-प्रतिशत निरीक्षण कराया जाए। निरीक्षण के दौरान केवल व्यवस्थाओं की जांच ही नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का भी जायजा लिया जाए।

उन्होंने विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल, शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ स्वच्छ, सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण मिलना जरूरी है।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी, प्रभारी जिला विकास अधिकारी एवं परियोजना निदेशक डीआरडीए नेहा सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी संतोष कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी निलेश उत्पल, यमुना प्राधिकरण, नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी तथा शिक्षा विभाग के अधिकारी और शिक्षक मौजूद रहे।

लखनावली में कूड़े के पहाड़ पर चला प्राधिकरण का प्रहार, 800 टन कचरा रोज होगा साफ

ताजा कूड़े के प्रसंस्करण संयंत्र का शुभारंभ, गीले कचरे से बनेगी खाद और सूखे कचरे से तैयार होगा आरडीएफ

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बड़ा कदम उठाते हुए लखनावली में रोजाना निकलने वाले ताजा कूड़े के प्रसंस्करण के लिए संयंत्र शुरू कर दिया है। मंगलवार को दादरी विधायक तेजपाल नागर ने अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमित यादव और विशेष कार्याधिकारी गिरीश कुमार झा की मौजूदगी में ताजा कचरा प्रसंस्करण संयंत्र का शुभारंभ किया। इस मौके पर विधायक ने कूड़ा निस्तारण के लिए प्राधिकरण की पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रेटर नोएडा को स्वच्छ और सुंदर शहर बनाने में आमजन की भागीदारी बेहद जरूरी है।

रोज निकलता है करीब 800 टन कूड़ा

ग्रेटर नोएडा के सेक्टरों और गांवों से प्रतिदिन करीब 800 टन कूड़ा निकलता है। अब तक यह कूड़ा लखनावली में एकत्रित किया जा रहा था। रोजाना निकलने वाले कूड़े का समय से प्रसंस्करण नहीं होने पर वहां

कचरे का ढेर बढ़ने की आशंका रहती थी। मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार के निर्देश पर प्राधिकरण ने लखनावली में ताजा कूड़े के प्रसंस्करण के लिए इस संयंत्र का निर्माण कराया है। इससे प्रतिदिन निकलने वाले कूड़े का नियमित रूप से निस्तारण किया जा सकेगा।

गीले कचरे से खाद, सूखे से बनेगा आरडीएफ

संयंत्र में गीले और सूखे दोनों प्रकार के कूड़े का प्रसंस्करण किया जाएगा। गीले कचरे से खाद तैयार की जाएगी, जबकि सूखे कचरे से तैयार होने वाले आरडीएफ को सीमेंट कारखानों को उपलब्ध कराया जाएगा। आरडीएफ का इस्तेमाल सीमेंट निर्माण में ईंधन के रूप में किया जा सकेगा। इससे कूड़े के ढेर में कमी आने के साथ उपयोगी सामग्री का दोबारा इस्तेमाल भी सुनिश्चित होगा।

पुराने कचरे का भी चल रहा प्रसंस्करण

प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक लखनावली में पहले से जमा पुराने कचरे यानी विरासत कचरे के प्रसंस्करण का काम भी चल रहा है। अब रोजाना निकलने वाले ताजा कूड़े के लिए अलग संयंत्र शुरू होने से कचरा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ प्रबंधक सन्नी यादव, प्रबंधक दिव्या चौधरी सहित प्राधिकरण के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सेक्टर बीटा-01 की बदहाली पर डीएम सख्त, सीवर ओवरफ्लो से लेकर सड़क-पार्क तक की समस्याओं के समाधान के निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी ने मंगलवार को ग्रेटर नोएडा के सेक्टर बीटा-01 का स्थलीय निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों और सेक्टरवासियों से संवाद कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव सुने। सेक्टरवासियों ने दोनों ओर बाउंड्री वॉल नहीं होने, सीवर ओवरफ्लो, सड़कों पर गड्ढे, जलापूर्ति की समस्या, ई-ब्लॉक की खराब ट्यूबवेल और सी-ब्लॉक पार्क की बाउंड्री वॉल सहित विभिन्न समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया।

जिलाधिकारी ने मौके पर समस्याओं का निरीक्षण करते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, वन विभाग और उद्यान विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा, ताकि सेक्टरवासियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं मिल सकें।

उन्होंने सीवर और जलापूर्ति विभाग

के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जलापूर्ति के दौरान सीवर और पेयजल की पाइपलाइन आपस में जुड़ने की स्थिति न बने, जिससे पेयजल की गुणवत्ता प्रभावित न हो। प्राधिकरण अधिकारियों को नियमित जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा जल निकासी बॉक्स के आसपास अतिक्रमण रोकने के निर्देश भी दिए गए। सी-ब्लॉक स्थित बिस्मिल पार्क के रखरखाव, सौंदर्यीकरण, बाउंड्री वॉल और प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए। इसके लिए वन विभाग के साथ समन्वय कर आवश्यक कार्य कराने को कहा गया। इसके अलावा सेक्टर की खराब स्ट्रीट लाइटें ठीक कराने तथा खुले और ढीले तारों को तत्काल व्यवस्थित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से बाउंड्री वॉल, जल निकासी, सड़क मरम्मत, पार्कों की सफाई और जलापूर्ति समेत सभी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का समयबद्ध समाधान कराने को कहा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सेक्टर के पार्क में पीलखन, बरगद और पीपल के पौधे भी लगाए तथा सेक्टरवासियों से पौधारोपण और पौधों के संरक्षण में सहभागिता की अपील की। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर हरिशंकर लाल, एसएम ग्रेटर नोएडा चेतराम सिंह, संबंधित अधिकारी, आरडब्ल्यूए पदाधिकारी और सेक्टरवासी मौजूद रहे।

छोटी मिलक में गूंजी स्वच्छता की आवाज, बच्चों ने रैली निकालकर दिया जागरूकता का संदेश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। सेवा संकल्प अभियान के तहत फीडबैक फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से छोटी मिलक स्थित प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के साथ स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। रैली का उद्देश्य छात्रों और स्थानीय समुदाय को स्वच्छता, जिम्मेदार कचरा प्रबंधन तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के प्रति जागरूक करना रहा। रैली में विद्यालय के छात्र उत्साह के साथ शामिल हुए और लोगों को दैनिक जीवन में स्वच्छता संबंधी आदतें अपनाने का संदेश दिया।

कचरा खुले में न फेंकने का दिया संदेश

रैली के दौरान छात्रों ने स्वच्छता, उचित कचरा निस्तारण, स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण और खुले में कचरा नहीं फेंकने से संबंधित संदेशों के माध्यम से स्थानीय लोगों को जागरूक किया। छात्रों ने जागरूकता संदेशों के साथ रैली निकालकर समुदाय के लोगों से अपने घर और आसपास के क्षेत्र को साफ रखने तथा कचरे का जिम्मेदारी से निस्तारण करने की अपील की। रैली के माध्यम से लोगों को समझाया गया कि स्वच्छता केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता से ही स्वच्छ वातावरण बनाया जा सकता है।

बच्चों को बनाया स्वच्छता का संदेशवाहक

फीडबैक फाउंडेशन की टीम ने छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि वे अपने घर, विद्यालय और समुदाय में स्वच्छता का संदेश पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। छात्रों को स्वच्छता दूत के रूप में कार्य करने तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी स्वच्छता एवं उचित कचरा प्रबंधन के लिए प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

रैली का समापन स्वच्छता, सामुदायिक सहभागिता और जिम्मेदार नागरिकता का संदेश देते हुए किया गया। आयोजन के माध्यम से सेवा संकल्प अभियान की भावना को मजबूत करते हुए छात्रों और स्थानीय समुदाय को स्वच्छता के प्रति निरंतर जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

छह माह से वेतन नहीं मिलने का आरोप, नोएडा एयरपोर्ट साइट पर सैकड़ों मजदूरों का धरना

जेवर (शिखर समाचार)। नोएडा एयरपोर्ट साइट पर मजदूरी का कार्य करने वाले सैकड़ों श्रमिकों ने मंगलवार को एक कंपनी के कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन किया। श्रमिकों और ठेकेदारों ने आरोप लगाया कि लंबे समय से भुगतान नहीं होने के कारण मजदूरों को वेतन देने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान ठेकेदारों ने कंपनी पर करीब 14 करोड़ रुपये बकाया होने का दावा किया। बताया गया कि नोएडा एयरपोर्ट से उड़ानों का संचालन शुरू हो चुका है, जबकि एयरपोर्ट के विस्तार और अन्य निर्माण कार्यों के लिए साइट पर अभी भी लगातार काम चल रहा है। मंगलवार को कई ठेकेदार सैकड़ों श्रमिकों के साथ एयरपोर्ट साइट के पास स्थित संबंधित कंपनी के कार्यालय पहुंचे और धरने पर बैठ गए। ठेकेदारों का आरोप है कि जिस कंपनी के लिए श्रमिकों से कार्य कराया जा रहा है, उसने करीब एक वर्ष से उनके बिलों का भुगतान नहीं किया है। भुगतान नहीं मिलने के बावजूद वे अपनी ओर से मजदूरों को वेतन देते रहे। ठेकेदारों के अनुसार अब करीब छह माह से आर्थिक संकट के कारण वे श्रमिकों को भी वेतन नहीं दे पा रहे हैं। इससे मजदूरों के सामने परिवार का खर्च चलाने का संकट खड़ा हो गया है। प्रदर्शन कर रहे ठेकेदारों ने आरोप लगाया कि कंपनी पर करीब 14 करोड़ रुपये का भुगतान बकाया है, लेकिन उनकी शिकायतों पर सुनवाई नहीं की जा रही। उनका यह भी आरोप है कि समस्या का समाधान कराने के बजाय कई लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज कराए जा रहे हैं। इससे परेशान होकर उन्होंने धरना-प्रदर्शन शुरू किया। दोपहर बाद कंपनी के अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शन कर रहे ठेकेदारों एवं श्रमिकों से वार्ता की। अधिकारियों से बातचीत के बाद धरना समाप्त कर दिया गया। ठेकेदारों और श्रमिकों ने लंबित भुगतान जल्द कराने की मांग की है।

खाद्य प्रतिष्ठानों की मनमानी पर सीधे करें शिकायत, टोलफ्री नंबर और क्यूआर कोड जारी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी नगर की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जिला स्तरीय समिति की बैठक मंगलवार को महात्मा गांधी कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में खाद्य विभाग से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ उपभोक्ता प्रतिनिधि, उद्योग व्यापार मंडल और औषधि विक्रेता संघ के प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में खाद्य प्रतिष्ठानों से संबंधित शिकायतों के त्वरित समाधान और विभागीय प्रवर्तन कार्रवाई को प्रभावी बनाने पर चर्चा हुई।

बैठक में व्यापार मंडल प्रतिनिधियों ने खाद्य पदार्थों की जांच रिपोर्ट देर से मिलने का मुद्दा उठाया। सहायक आयुक्त खाद्य ग्रेड-द्वितीय सुरेश कुमार मिश्र ने बताया कि वर्तमान में जनपद के लिए निर्धारित प्रयोगशाला से विश्लेषण रिपोर्ट समय से प्राप्त हो

रही है। अपर जिलाधिकारी नगर ने विभाग को प्रवर्तन कार्रवाई की पूरी जानकारी उपलब्ध कराने तथा उसे जिला सूचना अधिकारी के माध्यम से प्रमुख प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रकाशित कराने के निर्देश दिए।

आमजन और उपभोक्ताओं को खाद्य प्रतिष्ठानों से संबंधित शिकायत दर्ज कराने के लिए टोलफ्री नंबर 1800-180-5533 और क्यूआर कोड की जानकारी भी दी गई। बैठक में खाद्य कारोबारियों द्वारा लाइसेंस आवेदन में इंटरनेट कैफे संचालकों या सेवा प्रदाताओं के मोबाइल नंबर और ई-मेल दर्ज कराने से सूचनाएं समय से नहीं मिलने तथा कम स्टांप शुल्क वाले किराया अनुबंध के आधार पर आवेदन किए जाने का मुद्दा भी सामने आया। व्यापार मंडल प्रतिनिधियों ने व्यापारियों के बीच जागरूकता अभियान चलाने का आश्वासन दिया।

ड्रग मेडिकल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने अवैध मेडिकल स्टोरों के खिलाफ जांच और कार्रवाई की मांग की। साथ ही पंजीकृत दवा विक्रेताओं द्वारा ऐसे प्रतिष्ठानों को दवा की बिक्री नहीं करने का मुद्दा उठाया गया। अपर जिलाधिकारी नगर ने औषधि निरीक्षकों को प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा आने वाले दिनों में महत्वपूर्ण चुनौती है। विपणन, पैकेजिंग और बिक्री के स्तर पर सतर्कता बरतकर उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। बैठक में सहायक आयुक्त खाद्य सुरेश कुमार मिश्र, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी आशुतोष राय, औषधि निरीक्षक रूद्रेश त्रिपाठी व बृजेश कुमार मौर्य सहित खाद्य सुरक्षा अधिकारी और व्यापार मंडल के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

मूट कोर्ट में सजा न्यायालय जैसा माहौल, जिम्स ईएमटीसी के विधि छात्रों ने सीखी न्यायिक प्रक्रिया

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जिम्स इंजीनियरिंग मैनेजमेंट टेक्निकल कैंपस के विधि विभाग की ओर से सोमवार को मूट कोर्ट हॉल में भारतीय न्याय संहिता 2023 एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 पर आधारित मॉक ट्रायल का आयोजन किया गया। व्यावहारिक कौशल विकास गतिविधि के तहत आयोजित कार्यक्रम में बीए एलएलबी और बीबीए एलएलबी के तीसरे और पांचवें सेमेस्टर के छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को न्यायालयीन कार्यवाही तथा आपराधिक मामलों में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया से व्यावहारिक रूप से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम जिम्स समूह के अध्यक्ष डॉ. अमित गुप्ता के संरक्षण तथा जिम्स ईएमटीसी के निदेशक प्रोफेसर डॉ. सचिन यादव के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। विधि विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. पल्लवी गुप्ता ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें न्यायिक प्रक्रिया को गहराई से समझने के लिए प्रेरित किया। मॉक ट्रायल के दौरान छात्रों ने वास्तविक न्यायालय जैसा वातावरण तैयार किया और न्यायाधीश, अधिवक्ता, अभियोजन पक्ष, बचाव पक्ष तथा गवाहों की भूमिकाएं निभाईं। गवाहों के परीक्षण, साक्ष्य प्रस्तुत करने और प्रभावी बहस के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारतीय न्याय संहिता तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के विभिन्न प्रावधानों को व्यवहारिक रूप से समझा। गतिविधि के दौरान छात्रों ने न्यायालय में होने

वाली कार्यवाही की बारीकियों को करीब से जाना। कार्यक्रम के संयोजक सहायक प्रोफेसर गौरव यादव ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियों से विद्यार्थियों में विधिक शोध, तार्किक सोच, संवाद कौशल और पेशेवर आचरण विकसित होता है। उन्होंने कहा कि व्यावहारिक प्रशिक्षण विद्यार्थियों को भविष्य में विधि क्षेत्र की जिम्मेदारियों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।**मुरादनगर (शिखर समाचार)।** मुरादनगर स्थित राज पैलेस में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र चौधरी के प्रथम आगमन पर किसान चौपाल का आयोजन किया गया। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में आयोजित चौपाल में प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वाग

यूपीआई पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर का विरोध, व्यापार मंडल ने प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

मुरादनगर (शिखर समाचार)। दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) को वापस लेने की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने विरोध दर्ज कराया है। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय में सौंपकर 15 अक्टूबर 2026 से प्रस्तावित एमडीआर व्यवस्था को वापस लेने की मांग की। व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष प्रीतम लाल ने कहा कि यूपीआई देश के व्यापारिक और डिजिटल भुगतान तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। व्यापारियों की ओर से डिजिटल भुगतान को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसे में एमडीआर लागू होने से विशेष रूप से अधिक राशि के डिजिटल लेनदेन करने वाले व्यापारियों पर अतिरिक्त लागत का बोझ पड़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि यूपीआई को व्यापारियों के

लिए कम लागत वाला भुगतान माध्यम बनाए रखा जाना चाहिए। ज्ञापन में मांग की गई कि प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत एमडीआर को वापस लिया जाए। साथ ही एमडीआर से जुड़ी किसी भी व्यवस्था को लागू करने से पहले व्यापारियों पर पड़ने वाले अतिरिक्त लागत प्रभाव को न्यूनतम रखने के लिए व्यापक स्तर पर परामर्श किया जाए। व्यापार मंडल ने यूपीआई के संचालन, साइबर सुरक्षा और तकनीकी ढांचे से जुड़ी लागत की पूर्ति के लिए वैकल्पिक एवं पारदर्शी व्यवस्था पर विचार करने की मांग भी की। जिलाध्यक्ष ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में व्यापारिक संगठनों की ओर से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन भेजकर व्यापारियों की आपत्तियों और सुझावों से अवगत कराया जा रहा है। इस अवसर पर जिला युवा अध्यक्ष आशीष शर्मा, मुरादनगर अध्यक्ष शहजाद चौधरी, महामंत्री त्रिवेंद्र गुप्ता, दमयंती सिंह, गंगाशरण, अंकित गोयल, संजय शर्मा, पवन त्रिपाठी, दलबीर सिंह, संजय गर्ग, पवन शर्मा, दीपक अग्रवाल, जितेंद्र और यशपाल सिंह सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

नियमितीकरण समेत 10 मांगों को लेकर एनएचएम संविदा कर्मचारियों ने खोला मोर्चा, 12 अक्टूबर से हड़ताल की चेतावनी

शामली (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने मंगलवार को विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने नियमितीकरण, समान कार्य के लिए समान वेतन सहित 10 सूत्रीय मांगों को पूरा करने की मांग की। संघ ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो कर्मचारी चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे और 12 अक्टूबर से लखनऊ में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के लिए मजबूर होंगे। ज्ञापन में संघ ने 18 वर्ष से अधिक समय से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत सेवाएं दे रहे संविदा कर्मचारियों को नियमित किए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई। इसके अलावा वेतन वृद्धि, बिना नकद भुगतान के चिकित्सा सुविधा, कर्मचारी भविष्य निधि, महंगाई भत्ता, उपदान और पद सृजन की मांग भी रखी गई। संघ ने नियमित भर्ती प्रक्रिया में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा कर्मचारियों के लिए 25 प्रतिशत पद आरक्षित करने की मांग की, ताकि लंबे समय से सेवा दे रहे कर्मचारियों को रोजगार सुरक्षा और आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। संघ पदाधिकारियों ने बताया कि मांगों को लेकर आंदोलन की चरणबद्ध रूपरेखा तैयार की गई है। इसके तहत 5 से 7 अक्टूबर तक कर्मचारी काला फीता बांधकर कार्य करेंगे। इसके बाद 9 और 10 अक्टूबर को कार्य बहिष्कार किया जाएगा। संघ का कहना है कि यदि इस दौरान शासन स्तर पर मांगों के समाधान के लिए ठोस पहल नहीं हुई तो 12 अक्टूबर से लखनऊ में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। कर्मचारियों ने सरकार से मांगों पर गंभीरता से विचार कर समय रहते समाधान कराने की अपील की है, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं पर आंदोलन का असर न पड़े।

24 फीट चौड़ी सड़क के विरोध में उतरीं महिलाएं, मकान तोड़ने पर अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी

मोदीनगर (शिखर समाचार)। गोविंदपुरी क्षेत्र में सारा मार्ग के चौड़ीकरण को लेकर मंगलवार को महिलाओं ने तहसील मुख्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। महिलाओं ने आरोप लगाया कि मार्ग को 24 फीट चौड़ा करने के नाम पर उनके मकानों के निजी हिस्से को तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि चौड़ीकरण के दौरान मकानों के बाहरी हिस्से में तोड़फोड़ की गई तो तहसील मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया जाएगा। इस संबंध में महिलाओं ने उप जिलाधिकारी को पत्र सौंपकर समस्या के समाधान की मांग की। बताया गया कि नगर पालिका परिषद की ओर से सारा मार्ग का निर्माण कराया जा रहा है और प्रस्तावित मार्ग की चौड़ाई 24 फीट निर्धारित की गई है। कुछ दिन पूर्व क्षेत्र के लोगों ने मार्ग के चौड़ीकरण की मांग को लेकर तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन किया था। मंगलवार को इसी मार्ग से जुड़ी महिलाएं एकत्र होकर तहसील पहुंचीं और अपनी आपत्ति दर्ज कराई। महिलाओं का कहना है कि वर्तमान में मार्ग की चौड़ाई करीब 20 फीट है। स्थानीय स्तर पर आपसी सहमति से मार्ग को 22 फीट तक चौड़ा करने की बात तय हुई थी, लेकिन अब ठेकेदार 24 फीट चौड़ीकरण पर जोर दे रहा है। उनका आरोप है कि इसके लिए मकानों के निजी हिस्से को तोड़ने की तैयारी की जा रही है। महिलाओं ने कहा कि सार्वजनिक मार्ग का विकास किया जाना चाहिए, लेकिन इसके नाम पर निजी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए। उप जिलाधिकारी कोमल पवार ने कहा कि मामले में सभी पक्षों की बात सुनी जाएगी और तथ्यों के आधार पर समस्या का समाधान निकाला जाएगा।

विकसित भारत की संकल्पना पर सूरज प्रकाश ने मारी बाजी, भाषण प्रतियोगिता में हासिल किया प्रथम स्थान

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। विजय सिंह पथिक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत राजनीति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में ह्यविकसित भारत की संकल्पना एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएंह्न विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन राजनीति विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. डॉली और डॉ. उत्तम कुमार ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश ने विद्यार्थियों को सजग, शिक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि देश को विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है और विद्यार्थियों को अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम में सेवा संकल्प अभियान की संयोजक डॉ. नीतू त्यागी भी मौजूद रहीं। भाषण प्रतियोगिता में बीएससी प्रथम सेमेस्टर के छात्र सूरज प्रकाश ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी। बीए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा ईरम ने द्वितीय तथा बीए पंचम सेमेस्टर के छात्र अरमान कसाना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके अलावा बीए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सोनी भारद्वाज और बीएससी प्रथम सेमेस्टर की छात्रा अनम को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रूपेश कुमार, महक, अनम, अरमान कसाना, सानिया नसीम सहित अन्य छात्र-छात्राओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सीसीटीवी फुटेज बनी मददगार, बादलपुर पुलिस ने लापता 11 वर्षीय बच्ची को सकुशल बरामद किया

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। थाना बादलपुर क्षेत्र की रॉयल सिटी से लापता हुई 11 वर्षीय बच्ची को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सकुशल बरामद कर लिया। बच्ची के घर नहीं लौटने पर परिजनों ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद परिजनों ने थाना बादलपुर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने बच्ची की तलाश के लिए टीम गठित कर तत्काल अभियान शुरू कर दिया।

थाना प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि बच्ची की तलाश के दौरान पुलिस टीम ने आसपास लगे करीब 13 से 14 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने बच्ची की तलाश आगे बढ़ाई और कई घंटे की लगातार मेहनत के बाद उसे सकुशल बरामद कर लिया। उन्होंने बताया कि बच्ची को सुरक्षित उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि बच्ची को सकुशल बरामद करने में उप निरीक्षक गजेंद्र चौधरी, उप निरीक्षक रसना, उप निरीक्षक सुनील शर्मा और हेड कांस्टेबल गजेंद्र की विशेष भूमिका रही। पुलिसकर्मियों ने लगातार प्रयास करते हुए सीसीटीवी फुटेज और अन्य उपलब्ध जानकारियों के आधार पर बच्ची की तलाश की, जिसके परिणामस्वरूप उसे सुरक्षित बरामद किया जा सका। बच्ची के सकुशल घर लौटने पर परिजनों ने राहत की सांस ली और बादलपुर पुलिस की त्वरित कार्रवाई के लिए आभार जताया। थाना प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि मामले में आवश्यक कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है।

संपादकीय

जमुई की घटना ने फिर पूछा सवाल, कानून का डर केवल मुठभेड़ से नहीं न्याय से पैदा होगा

बिहार के जमुई में नाबालिग छात्रा और उसके साथी के साथ हुई कथित यौन हिंसा ने एक बार फिर देश के सामने कई असहज सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना का वीडियो सामने आने के बाद जिस तरह पूरे देश में आक्रोश फैला, उसी तेजी से पुलिस ने भी कार्रवाई आगे बढ़ाई। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी नंदन यादव को मंगलवार को मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार किया गया और उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी की भी जानकारी सामने आई है। इससे पहले पुलिस इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार कर चुकी थी। इस घटना का सबसे चिंताजनक पहलू केवल यह नहीं है कि कुछ लोगों ने एक नाबालिग के साथ कथित तौर पर अमानवीय व्यवहार किया, बल्कि यह भी है कि अपराध को रोकने, पीड़ितों की सहायता करने और समाज के कमजोर वर्गों की रक्षा करने वाली हमारी सामूहिक व्यवस्था आखिर कितनी प्रभावी है। किसी लड़की को रास्ते में रोकना, उसके साथ अभद्रता करना, उसे भयभीत करना और फिर उस घटना को कैमरे में कैद कर प्रसारित करना केवल कानून का उल्लंघन नहीं है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के पतन का भी संकेत है। घटना से संबंधित वीडियो के प्रसार ने पीड़िता की निजता और गरिमा को एक दूसरी चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। यही कारण है कि जमुई पुलिस ने लोगों से अपील की है कि नाबालिग पीड़िता से संबंधित वीडियो, तस्वीर या ऐसी कोई सामग्री साझा अथवा आगे प्रसारित न की जाए, जिससे उसकी पहचान उजागर हो। रिपोर्टों के अनुसार पुलिस ने ऐसे सोशल मीडिया प्रोफाइलों के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की है, जिन पर पीड़िता की पहचान उजागर करने वाली सामग्री प्रसारित करने का आरोप है। यह कार्रवाई इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अपराध की तस्वीर या वीडियो को बार बार साझा करना पीड़िता के लिए घटना को बार-बार जीने जैसा हो सकता है। समाज को यह समझना होगा कि किसी जघन्य घटना का वीडियो देखकर आक्रोश व्यक्त करना और उसी वीडियो को आगे बढ़ाना दो अलग अलग बातें हैं। पहला नागरिक प्रतिक्रिया हो सकता है, दूसरा पीड़िता की पीड़ा को बढ़ा सकता है। मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित किए जाने की भी जानकारी सामने आई है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी मामले का संज्ञान लेकर बिहार पुलिस से रिपोर्ट मांगी है। अब आवश्यकता इस बात की है कि जांच केवल गिरफ्तारियों तक सीमित न रहे। घटना में कौन-कौन शामिल था, किसने अपराध को अंजाम दिया, किसने सहायता की, किसने वीडियो बनाया और किसने उसे प्रसारित किया, इन सभी पहलुओं की निष्पक्ष और वैज्ञानिक जांच होनी चाहिए। किसी निर्दोष व्यक्ति को केवल भीड़ के दबाव में आरोपी बनाना भी न्याय नहीं है और किसी दोषी को प्रभाव या भय के कारण बच निकलने देना भी न्याय नहीं है। मुख्य आरोपी को मुठभेड़ में गोली लगने की खबर निश्चित रूप से इस समय चर्चा का सबसे बड़ा विषय है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने कार्रवाई के दौरान भागने का प्रयास किया और इसी दौरान गोली चली। लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में पुलिस कार्रवाई की विश्वसनीयता केवल परिणाम से नहीं, उसकी पारदर्शिता से भी तय होती है। यदि मुठभेड़ हुई है तो उसके प्रत्येक तथ्य की विधिसम्मत जांच और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया होनी चाहिए। आरोपी चाहे कितना भी गंभीर अपराध का संदिग्ध क्यों न हो, न्यायालयीन प्रक्रिया का महत्व समाप्त नहीं हो जाता। मजबूत कानून व्यवस्था का अर्थ यही है कि अपराधी कानून से बच न सके और पुलिस तथा जांच एजेंसियां भी कानून के दायरे में रहकर काम करें।

~ मौलिक चिंतन ~

विचारों से बुद्धि विकसित व परिष्कृत होती है तथा विकारों से भ्रष्ट और नष्ट।

© विनय संकोची

साइबर अपराध का बढ़ता जाल और हमारी छोटी सी लापरवाही

कांतिलाल मांडोत

डिजिटल सुविधा ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसी सुविधा के साथ साइबर अपराध का खतरा भी तेजी से बढ़ा है। मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, इंटरनेट खरीदारी और ऑनलाइन निवेश ने लेन-देन को सरल किया है तो दूसरी ओर साइबर अपराधियों को भी दूर बैठे लोगों तक पहुंचने का रास्ता दिया है। संसदीय समिति की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर 30 अगस्त 2019 से 28 नवंबर 2024 तक 53.93 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज हुईं और इनसे करीब 31,594 करोड़ रुपए की ठगी की राशि जुड़ी थी। वित्तीय साइबर अपराध इन शिकायतों का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा थे।

शिकायतों की बढ़ती संख्या बताती है कि खतरा कितना बड़ा है। लेकिन शिकायत, प्राथमिकी और वास्तविक अपराध के आंकड़ों को एक ही मानना उचित नहीं होगा। साइबर अपराध में कई शिकायतें जांच के अलग-अलग चरणों से गुजरती हैं और प्राथमिकी दर्ज होने की प्रक्रिया अपराध की प्रकृति तथा उपलब्ध साक्ष्यों पर निर्भर करती है। फिर भी शिकायतों की विशाल संख्या यह स्पष्ट करती है कि नागरिकों को जागरूक करने और पुलिस की साइबर जांच क्षमता बढ़ाने की जरूरत लगातार बढ़ रही है।

साइबर ठगी का सबसे बड़ा हथियार तकनीक से ज्यादा इंसान का भरोसा और जल्दबाजी है। अपराधी कभी बैंक कर्मचारी बनकर, कभी पुलिस अधिकारी बनकर, कभी निवेश सलाहकार बनकर और कभी नौकरी या किसी सरकारी योजना के नाम पर संपर्क करते हैं। वे पहले विश्वास पैदा करते हैं और उसके बाद व्यक्ति से ऐसी जानकारी या भुगतान हासिल करने की कोशिश करते हैं जिससे उसके खाते से पैसा निकाला जा सके। निवेश के नाम पर होने वाली ठगी इसका बड़ा उदाहरण है। कोटा में सामने आए कॉल सेंटर मामले में पुलिस के अनुसार आरोपियों ने फर्जी वेबसाइट के माध्यम से निवेशकों को बढ़ता हुआ मुनाफा दिखाया और उनसे अधिक रकम लगाने के लिए प्रेरित किया। ऐसे मामलों में फर्जी लाभ दिखाकर भरोसा पैदा किया जाता है और जब पीड़ित बड़ी रकम लगा देता है तो संपर्क समाप्त कर दिया जाता है।

यहां ग्राहक की सावधानी बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर निवेश करना, संदिग्ध वेबसाइट पर भरोसा करना, बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा करना या किसी संदेश में दिए लिंक को बिना जांचे खोलना गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। सरकार और बैंक समय-समय पर चेतावनियां जारी करते हैं, लेकिन केवल चेतावनी जारी कर देना पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी उन चेतावनियों को गंभीरता से पढ़ना और व्यवहार में उतारना होगा। किसी भी व्यक्ति को अपना पासवर्ड, पिन, एक बार इस्तेमाल होने वाला सत्यापन कोड या बैंक खाते की गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति को नहीं देनी चाहिए। अनजान व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में कोई आवेदन डाउनलोड नहीं करना चाहिए। निवेश से संबंधित प्रस्ताव मिलने पर संबंधित संस्था की आधिकारिक वेबसाइट से उसकी पुष्टि करनी चाहिए। बहुत कम समय में बहुत अधिक मुनाफे का दावा अपने आप में सावधानी बरतने का संकेत है। सरकारी साइबर सुरक्षा सलाह में भी संदिग्ध निवेश प्रस्तावों, फर्जी वेबसाइटों और सोशल मीडिया के माध्यम से आने वाले निवेश संदेशों से सावधान रहने को कहा गया है। साइबर अपराध को रोकने की जिम्मेदारी केवल नागरिकों की नहीं है। सरकार, पुलिस, बैंक, दूरसंचार कंपनियों और डिजिटल भुगतान संस्थाओं को भी अपनी-अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभानी होगी। साइबर अपराध में समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। ठगी के तुरंत बाद सूचना मिलने पर संबंधित वित्तीय संस्थाओं तक जानकारी पहुंचाकर रकम को रोकने की संभावना बढ़ सकती है। भारत सरकार का राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल नागरिकों को ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की सुविधा देता है और वित्तीय साइबर धोखाधड़ी के लिए 1930 हेल्पलाइन उपलब्ध है। पोर्टल पर शिकायत करते समय घटना की सही और पूरी जानकारी तथा उपलब्ध साक्ष्य देना महत्वपूर्ण बताया गया है।

यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन वित्तीय ठगी हो जाए तो उसे शर्म या डर के कारण चुप नहीं बैठना चाहिए। तुरंत 1930 पर सूचना देनी चाहिए और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत करनी चाहिए। बैंक या संबंधित भुगतान संस्था को भी तत्काल सूचित करना चाहिए। लेन-देन का विवरण, संदेश, मोबाइल नंबर, वेबसाइट का पता, भुगतान की रसीद और अन्य उपलब्ध प्रमाण सुरक्षित रखने चाहिए। आधिकारिक व्यवस्था के अनुसार शिकायत के बाद उसे आगे दर्ज और ट्रैक भी किया जा सकता है।

सरकार की जवाबदेही का दूसरा महत्वपूर्ण हिस्सा पुलिस की क्षमता बढ़ाना है। साइबर अपराध की जांच सामान्य अपराधों से अलग तकनीकी विशेषज्ञता मांगती है। पुलिस बल के शुरूआती प्रशिक्षण में साइबर सुरक्षा को पर्याप्त महत्व मिलना चाहिए। राज्यों की साइबर इकाइयों को प्रशिक्षित अधिकारी, आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ सहायता उपलब्ध कराना जरूरी है। अलग-अलग राज्यों में बैठे अपराधियों के नेटवर्क को पकड़ने के लिए पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के बीच तेज सूचना आदान-प्रदान भी आवश्यक है। साइबर अपराध की शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई और प्राथमिकी के संबंध में स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। शिकायतकर्ता को यह पता होना चाहिए कि उसकी शिकायत किस अधिकारी के पास है और उसकी स्थिति क्या है। राष्ट्रीय पोर्टल पर शिकायत की स्थिति देखने की सुविधा उपलब्ध है तथा उचित प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर संबंधित राज्य या केंद्रशासित प्रदेश के नोडल अधिकारी से संपर्क की व्यवस्था भी है। साइबर अपराधियों के नेटवर्क को तोड़ने के लिए केवल एक-दो आरोपियों की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है। जिस व्यक्ति ने फोन किया, जिस खाते में पैसा गया, जिसने फर्जी वेबसाइट बनाई और जिसने लोगों का आंकड़ा उपलब्ध कराया, इन सभी कड़ियों की जांच जरूरी है। इसी से अपराध की पूरी श्रृंखला सामने आएगी।

अंततः साइबर सुरक्षा सरकार और जनता की साझा जिम्मेदारी है। सरकार को मजबूत शिकायत व्यवस्था, प्रशिक्षित पुलिस, त्वरित वित्तीय कार्रवाई और लगातार जनजागरूकता सुनिश्चित करनी होगी। नागरिकों को भी यह समझना होगा कि मोबाइल पर आया हर संदेश सच नहीं होता और फोन करने वाला हर व्यक्ति वही नहीं होता जिसका वह परिचय देता है।

डिजिटल दुनिया में सबसे मजबूत सुरक्षा सावधानी है। लालच में जल्दबाजी नहीं, डर में कोई भुगतान नहीं, अनजान व्यक्ति को गोपनीय जानकारी नहीं और संदिग्ध लिंक पर बिना जांचे भरोसा नहीं। यदि ठगी हो भी जाए तो चुप्पी नहीं, तत्काल शिकायत जरूरी है। समय पर की गई सूचना कभी-कभी रकम बचाने के साथ-साथ पूरे साइबर गिरोह तक पुलिस को पहुंचाने में मदद कर सकती है। यही जागरूकता साइबर अपराध के बढ़ते जाल को कमजोर करने का सबसे व्यावहारिक रास्ता है।

बारह बजे के वादे से शाम की सड़क तक

कुमार कृष्णन

जमुई से सामने आया एक वीडियो बिहार में सार्वजनिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर कई असहज सवाल छोड़ गया है। वीडियो में एक नाबालिग लड़की और एक नाबालिग लड़के को कुछ लोग घेरते दिखाई देते हैं। लड़की उन्हें छोड़ देने की गुहार लगाती नजर आती है। लड़का अपने और लड़की के बारे में सफाई देता दिखाई देता है। वीडियो के दूसरे हिस्से में दोनों को रोकने, लड़के के साथ मारपीट करने और लड़की के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किए जाने के दृश्य दिखाई देते हैं। वीडियो की पूरी परिस्थितियों और उसमें दिखाई देने वाले प्रत्येक व्यक्ति की कानूनी जिम्मेदारी का अंतिम निर्धारण जांच और न्यायिक प्रक्रिया से ही होगा।

पुलिस के अनुसार घटना 19 सितंबर की शाम करीब सात बजे जमुई में हुई। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने दोनों नाबालिगों तक पहुंचकर उनके बयान दर्ज किए और प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस की ओर से तीन गिरफ्तारियों की जानकारी दी गई है। सोमवार को बिहार के एडीजी कानून-व्यवस्था के.एस. अनुपम ने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीनों नाबालिग हैं और उनमें दो की उम्र 17 से 18 वर्ष के बीच बताई गई है। उनके अनुसार जमुई थाने में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 128, 74 और 75 तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 8 और 12 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित किया गया है, जिसकी निगरानी जमुई के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कर रहे हैं। पुलिस की कार्रवाई के साथ एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आया है। घटना का वीडियो जिस तरह सामाजिक माध्यमों पर फैला, उसके बाद पुलिस ने वीडियो प्रसारित करने वाले खातों पर भी कार्रवाई शुरू की है। पुलिस ने कई फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स खातों को हटाने के लिए चिह्नित किए जाने की जानकारी दी है। नाबालिगों से संबंधित वीडियो को बार-बार साझा करना उनकी निजता और गरिमा के लिए दूसरी क्षति बन सकता है। जिस सामग्री ने पुलिस को घटना तक पहुंचने में मदद की, वही सामग्री अगर बिना रोक-टोक प्रसारित होती रहे तो वह न्याय का साधन नहीं, बल्कि नाबालिगों के लिए नई परेशानी बन सकती है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि पुलिस के अनुसार घटना के तुरंत बाद दोनों नाबालिगों की ओर से कोई औपचारिक शिकायत नहीं की गई थी। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने उसमें दिखाई दे रहे वाहन के पंजीकरण नंबर सहित उपलब्ध सुरागों के आधार पर दोनों तक पहुंच बनाई। इससे व्यवस्था के सामने एक बुनियादी सवाल खड़ा होता है—क्या किसी नाबालिग को सुरक्षा और न्याय की प्रक्रिया तक पहुंचने के लिए घटना का वीडियो सार्वजनिक होना जरूरी है?

यहीं से मामला केवल एक घटना का नहीं रह जाता। यह उस सामाजिक और प्रशासनिक व्यवस्था का सवाल बन जाता है जिसमें किसी सड़क पर कुछ लोग किसी लड़के और लड़की को रोकते हैं, उनसे सवाल करते हैं और उनके निजी संबंधों पर फैसला सुनाने की कोशिश करते हैं। किसी व्यक्ति के व्यवहार पर किसी को आपत्ति हो सकती है। किसी को कोई आशंका भी हो सकती है। लेकिन आपत्ति या आशंका किसी नागरिक को स्वयं कानून लागू करने का अधिकार नहीं देती। किसी शिकायत या संदेह की स्थिति में पुलिस और कानूनी प्रक्रिया का रास्ता मौजूद है। सड़क पर किसी को घेरना, रोकना, धमकाना या बलपूर्वक व्यवहार करना अपने आप में अलग कानूनी प्रश्न खड़े कर सकता है। उन प्रश्नों का उत्तर उपलब्ध साक्ष्यों और कानून के आधार पर जांच में ही दिया जा सकता है। किसी वीडियो के आधार पर तत्काल सामाजिक फैसला सुनाना भी न्याय नहीं है। समस्या तब और गंभीर हो जाती है जब भीड़ अपने अनुमान को तथ्य, अपनी नाराजगी को न्याय और अपनी सामाजिक मान्यता को कानून मानने लगती है। लोकतंत्र में कानून की जगह भीड़ का विवेक लेने लगे तो सबसे पहले नागरिक की स्वतंत्रता और गरिमा कमजोर होती है। आज किसी लड़की और लड़के को देखकर भीड़ फैसला सुनाएगी, कल किसी और नागरिक को किसी दूसरे कारण से घेरा जा सकता है। ह्यसंस्कृतिह्ण के नाम पर निजी जिंदगी की निगरानी भी इसी मानसिकता का हिस्सा बन सकती है। समाज की अपनी मान्यताएं हो सकती हैं, लेकिन किसी लड़की या लड़के के चरित्र, संबंध या निजी जीवन का फैसला सड़क पर खड़ी भीड़ नहीं कर सकती। सामाजिक मान्यता का हवाला कानून से ऊपर नहीं हो सकता।

पिघलते ग्लेशियर और खोखले होते पहाड़ः चेतावनी सुने

ललित गर्ग

अब जरूरत भय पैदा करने की नहीं, भविष्य के खतरे को स्वीकार कर विवेकपूर्ण निर्णय लेने की है। हिमालय को जितना समझेंगे, उतना ही सुरक्षित रख सकेंगे। विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने के बजाय ऐसा विकास मॉडल बनाना होगा जिसमें पहाड़ की प्रकृति, उसकी वहन-क्षमता और स्थानीय समुदायों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो। नेपाल की त्रासदी हमारे लिए एक कठोर चेतावनी है-प्रकृति को चुनौती देकर बनाया गया विकास लंबे समय तक विकास नहीं रह सकता।

हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वत-श्रृंखला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, जल, कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण का आधार है। लेकिन जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों की वहन-क्षमता की अनदेखी करते हुए हो रहे निर्माण ने हिमालयी क्षेत्र को एक ऐसे संकटभरे दौर में पहुंचा दिया है, जहां प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि उनके पीछे लंबे समय से बन रही पर्यावरणीय अस्थिरता दिखाई देने लगी है। 26 अगस्त 2026 को नेपाल में हुई विनाशकारी रॉक-आइस अवलांच और उसके बाद आई मलबा-बाढ़ ने इस खतरे को अत्यंत भयावह रूप में सामने रखा है। विश्व मौसम विशेषता अध्ययन के अनुसार उस घटना में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5,000 से अधिक लोग लापता रहे। वैज्ञानिकों ने इसे केवल किसी एक मौसमीय घटना का परिणाम न मानकर जलवायु और भूगर्भीय कारकों के सम्मिलित प्रभाव से बनी त्रासदी बताया है।

नेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड नहीं थी। लैंगटांग लिरुंग पर्वत से करीब 5,150 मीटर की ऊंचाई से चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया। वैज्ञानिक विश्लेषण के मुताबिक गर्म होते वातावरण, ग्लेशियरों के पतले होने, पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और पहले से मौजूद भूगर्भीय कमजोरियों ने पहाड़ी ढलान की स्थिरता को प्रभावित किया। 26 अगस्त की घटना में चट्टान, बर्फ और मलबे का प्रवाह इतनी तेजी से नीचे आया कि उसने रास्ते में बसे क्षेत्रों, पुलों, सड़कों और जलविद्युत ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया। यह त्रासदी हिमालय के लिए एक गंभीर संकेत इसलिए भी है क्योंकि ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ नई ग्लेशियल झीलें बन रही हैं और पुरानी झीलों का आकार बढ़ रहा है। इन झीलों को रोकने वाले प्राकृतिक बांध यदि बर्फ, चट्टान, मलबे, भूस्खलन या जल-दबाव से टूटते हैं तो कुछ ही समय में नीचे की घाटियों में विनाशकारी बाढ़ पहुंच सकती है। भारत के लिए यह चेतावनी बिल्कुल प्रासंगिक है। सिक्किम में हालिया आकलन में 40 उच्च-जोखिम वाली ग्लेशियल झीलों की पहचान हुई है, जिनमें 16 को सर्वाधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। राज्य सरकार और केंद्रीय एजेंसियां अब रिमोट सेंसिंग, फील्ड स्टडी, जल-स्तर एवं डिस्चार्ज मॉनिटरिंग और अर्ली-वॉर्निंग सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही हैं।

हिमाचल प्रदेश की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। आईआईटी मंडी के अध्ययन में 2025 में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर 2,076 ग्लेशियल झीलें दर्ज की गईं, जो 2015 की तुलना में 710 अधिक हैं। इसी अवधि में इन झीलों का सामूहिक क्षेत्रफल 28.45 प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा बताता है कि हिमालयी जल-भूगोल कितनी तेजी से बदल रहा है। समस्या केवल ग्लेशियरों के पिघलने तक सीमित नहीं है। हिमालय में तापमान बढ़ने से बर्फ और पर्माफ्रॉस्ट कमजोर हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सड़क, सुरंग, बांध, जलविद्युत परियोजनाओं, पर्यटन सुविधाओं और अनियंत्रित निर्माण का दबाव पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना पर बढ़ रहा है। पहाड़ मैदान नहीं हैं कि उन्हें काटकर, खोदकर और भारी निर्माण करके उनकी प्रकृति के अनुरूप ढाला जा सके। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय सीमाएं, जलधारण क्षमता, ढलान और पारिस्थितिक संतुलन होता है। इन सीमाओं की अनदेखी अंततः भूस्खलन, मलबा-बाढ़ और ढांचागत तबाही के रूप में सामने आ सकती है। इस संदर्भ में विकास-विरोधी दृष्टिकोण अपनाना समाधान नहीं है, लेकिन विकास की परिभाषा और उसकी पद्धति पर पुनर्विचार करना अनिवार्य है। सड़क और बिजली चाहिए, पर्यटन भी चाहिए, रोजगार भी चाहिए, मगर यह सब हिमालय की वहन-क्षमता के अनुरूप होना चाहिए।

भारत के लिए अब सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता एक समेकित हिमालयी निगरानी और पूर्व चेतावनी तंत्र विकसित करने की है। केवल किसी एक राज्य की सीमा में खतरे को देखने से काम नहीं चलेगा। ग्लेशियर सिक्किम में हो सकता है, झील उत्तराखंड में और उसका संभावित बाढ़-मार्ग किसी दूसरे जिले या राज्य तक पहुंच सकता है। इसलिए उपग्रह, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग, स्वचालित जल-स्तर सेंसर, मौसम केंद्र और जमीनी निगरानी को एक साझा डिजिटल नेटवर्क से जोड़ना होगा। खतरे की सूचना केवल जिला मुख्यालय तक न रहे, बल्कि गांव, स्कूल, अस्पताल, सेना-चौकी, पर्यटन केंद्र, जलविद्युत परियोजना और नदी किनारे की बस्तियों तक वास्तविक समय में पहुंचनी चाहिए। इसके साथ ही केवल चेतावनी देना पर्याप्त नहीं है। चेतावनी के बाद क्या करना है, इसकी तैयारी भी उतनी ही जरूरी है। प्रत्येक संवेदनशील घाटी के लिए स्पष्ट निकासी मार्ग, सुरक्षित स्थान, वैकल्पिक सड़कें और संचार व्यवस्था तय हो। स्थानीय लोगों, पर्यटकों और परियोजना कर्मियों को नियमित मॉक ड्रिल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाए। आपदा के समय पहले पांच-दस मिनट कई बार पूरे बचाव अभियान की दिशा तय कर सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन का एक और गंभीर पहलू है-आज का संकट केवल बाढ़ का नहीं, कल के जल-संकट का भी हो सकता है। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से शुरूआती वर्षों में नदियों में पानी बढ़ सकता है, लेकिन जब ग्लेशियरों का भंडार लगातार घटता जाएगा तो गर्मियों में स्थायी जलप्रवाह प्रभावित हो सकता है। हिमालयी नदियों पर निर्भर कृषि, पेयजल, ऊर्जा और करोड़ों लोगों की आजीविका के लिए यह दीर्घकालीन चुनौती है। हालिया आकलनों में हिमालय पर निर्भर आर्थिक गतिविधियों को भारत की अर्थव्यवस्था के पांचवें हिस्से से अधिक से जोड़ा गया है, हालांकि यह आंकड़ा संभावित आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि हिमालयी जल-तंत्र पर आर्थिक निर्भरता को दशार्ता है। ब्लैक कार्बन और प्रदूषण भी चिंता का विषय हैं। हालिया रिपोर्टों में हिमालयी ग्लेशियरों के द्रव्यमान-हानि की गति में तेज वृद्धि और ब्लैक कार्बन की भूमिका की ओर ध्यान दिलाया गया है। इसलिए हिमालय की सुरक्षा को केवल वन विभाग या आपदा प्रबंधन विभाग का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा। ऊर्जा, सड़क, पर्यटन, उद्योग, जलविद्युत, शहरी विकास और पर्यावरण-सभी विभागों की नीतियों में हिमालयी जोखिम को केंद्रीय स्थान देना होगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हिमालय की समस्या सीमाओं से बड़ी है। भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान के हिमालयी एवं हिंदूकुश क्षेत्रों में जलवायु, ग्लेशियर, नदियां और पर्वतीय पारिस्थितिकी एक-दूसरे से जुड़ी हैं। इसलिए साझा वैज्ञानिक डाटाबेस, उपग्रह सूचनाओं का आदान-प्रदान, ग्लेशियल झीलों की संयुक्त निगरानी और सीमा-पार अर्ली-वॉर्निंग व्यवस्था विकसित करना समय की आवश्यकता है। किसी ऊंची घाटी में होने वाली घटना का असर नीचे की पूरी नदी प्रणाली पर पड़ सकता है। नेपाल की त्रासदी को केवल एक देश की प्राकृतिक आपदा मानकर भूल जाना सबसे बड़ी भूल होगी। उसने हमें बताया है कि जलवायु परिवर्तन और भूगर्भीय अस्थिरता मिलकर ऐसी आपदाओं को जन्म दे सकती हैं जिनके सामने पारंपरिक आपदा-प्रबंधन की क्षमता भी सीमित पड़ सकती है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि 26 अगस्त की घटना में जलवायु परिवर्तन को अकेला कारण नहीं माना जा सकता, भूगर्भीय संरचना और पूर्व की भूकंपीय गतिविधियां भी महत्वपूर्ण थीं। लेकिन लंबे समय का तापमान बढ़ना, बर्फ का क्षरण और पर्माफ्रॉस्ट का पिघलना जोखिम को बढ़ाने वाले कारक बने।

अब जरूरत भय पैदा करने की नहीं, भविष्य के खतरे को स्वीकार कर विवेकपूर्ण निर्णय लेने की है। हिमालय को जितना समझेंगे, उतना ही सुरक्षित रख सकेंगे। विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने के बजाय ऐसा विकास मॉडल बनाना होगा जिसमें पहाड़ की प्रकृति, उसकी वहन-क्षमता और स्थानीय समुदायों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो। नेपाल की त्रासदी हमारे लिए एक कठोर चेतावनी है-प्रकृति को चुनौती देकर बनाया गया विकास लंबे समय तक विकास नहीं रह सकता। अब हिमालय में हर सड़क, हर सुरंग, हर बांध, हर पर्यटन परियोजना और हर निर्माण से पहले यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि इससे पहाड़ पर कितना दबाव पड़ेगा और किसी चरम प्राकृतिक घटना की स्थिति में इसकी कीमत कौन चुकाएगा। समय रहते निगरानी, वैज्ञानिक आकलन, सीमित एवं सुरक्षित निर्माण और क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में कदम उठाए गए तो अनेक जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। लेकिन यदि चेतावनियों को नजरअंदाज किया गया, तो आने वाली त्रासदियां केवल प्राकृतिक आपदाएं नहीं होंगी-वे हमारी विकास-दृष्टि की विफलता का परिणाम भी मानी जाएंगी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

फूड इंडस्ट्री में दें अपने भविष्य को उड़ान

कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें न सिर्फ तरह-तरह के पकवान खाना अच्छा लगता है, बल्कि वे अच्छे स्वाद को भी भली-भांति पहचान लेते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से एक हैं, जिन्हें विशिष्ट प्रकार के व्यंजनों से विशिष्ट लगाव है तो आप अपने इसी लगाव को अपना भविष्य बना सकते हैं। फूड इंडस्ट्री में विकल्पों की भरमार है। लीक से हटकर यह कॅरियर बेहद दिलचस्प होने के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण भी है। आइए फूड इंडस्ट्री में मौजूद विकल्पों के बारे में जानें।

फूड क्रिटिक

मार्केट में कौन-से नए फूड प्रोडक्ट आए हैं, इससे लेकर किस रेस्तरां में कौन-से स्वादिष्ट व्यंजन मिलते हैं, इसकी पूरी जानकारी अपनी राइटिंग स्किल के जरिए लोगों तक पहुंचाना फूड क्रिटिक का महत्वपूर्ण काम होता है। फूड क्रिटिक खाने के टेस्ट के साथ ही रेस्तरां की सर्विस के बारे में भी पूरी जानकारी देते हैं। फूड क्रिटिक बनने के लिए विशिष्ट शैक्षणिक योग्यता की जरूरत नहीं होती लेकिन बैचलर डिग्री होनी जरूरी है। बशर्ते आपमें खाने का स्वाद पहचानने, उसे बनाने का तरीका जानने और लिखने की कला होनी चाहिए।

न्यूट्रीशनिस्ट

यदि आप फूड के बारे में वैज्ञानिक तौर पर काफी कुछ जानते हैं तो आप न्यूट्रीशनिस्ट बन सकते हैं। आपको यदि ज्यादा से ज्यादा फूड के बारें में जानकारी हैं कि कौन सा फूड कैसा असर करता है। मोटे होने के लिए क्या खाएं और पतले होने के लिए क्या खाएं। डायबीटिज में क्या खाना फायदेमंद है, हार्ट अटैक से बचने के लिए किन चीजों का सेवन करें या किन चीजों का ना करें, इस तरह की जानकारियां यदि आपकों अच्छी लगती हैं और आपकी इनमें गहरी रूचि है तो आप एक न्यूट्रीशनिस्ट के रूप में अपने कॅरियर को संवार सकतें है

फूड स्टाइलिस्ट

जितना खाने मे टेस्ट का होना जरूरी है, उतना ही खाने का बेहतर और क्रिएटिव दिखना भी जरूरी है। खाने को परोस कर देने का तरीका भी खाने को बेहतर बनाता है। अगर आप में यह स्किल है कि आप किसी भी तरीके के खाने को अच्छी तरह से सजाकर लोगों को उसकी ओर आकर्षित कर सकतें है तो आप फूड स्टाइलिस्ट बन सकतें है। इसकी भी काफी डिमांड है क्योंकि आजकल फाइव स्टार होटल और रेस्तरां में इनकी खासी कमी है। फूड स्टाइलिस्ट बनने के लिए आपका क्रिएटिव होना काफी जरूरी है।

कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट

सिर्फ फैशन की दुनिया में ही नहीं, बल्कि फूड इंडस्ट्री में भी ट्रेंड बदलते रहते हैं। कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट समय-समय पर फूड को लेकर ग्राहकों की बदलती पसंद या नापसंद की जानकारी अपने क्लाइंट तक पहुंचाते हैं। किस रेस्तरां में कौन-कौन से आइटम परोसे जा रहे हैं। किस रेस्तरां की किस खास चीज को लोग ज्यादा पसंद कर रहे हैं, ये सारी जानकारियां जुटाने का काम कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट का ही है। वे फूड इंडस्ट्री में होने वाले बदलावों को जानने के लिए फूड ब्लॉगर्स पर भी अपनी नजर बनाए रखते हैं।

प्रमुख कोर्स

- केटरिंग टेक्नोलॉजी और कलिनरी ऑर्ट्स में बैचलर डिग्री
- फूड प्रोडक्शन में क्राफ्ट सर्टिफिकेट कोर्स
- फूड और बेवरेज सर्विस में डिप्लोमा
- बेकरी और कनफेक्शनरी में डिप्लोमा
- किचन मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- गेस्ट सर्विस मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- हाउसकीपिंग मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- कलिनरी आर्ट्स में एडवांस डिप्लोमा
- कलिनरी आर्ट्स में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- हॉस्पिटैलिटी एडमिनिस्ट्रेशन में एमएससी
- डाइअटेटिक्स और फूड सर्विस मैनेजमेंट में एमएससी

फूड फोटोग्राफर

जिन लोगो को खाना काफी पसंद है और वे कुछ क्रिएटिव करना चाहतें हैं तो वे इन चीजों के साथ फूड फोटोग्राफी भी कर सकते हैं। फूड फोटोग्राफी वर्तमान में एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन बनकर सामने आया है, जिसकी ओर युवा काफी आकर्षित भी हैं। बतौर फूड फोटोग्राफर आप किसी भी रेस्तरां या मैगजीन के लिए काम कर सकते हैं।

रेस्तरां प्रचारक

किसी रेस्तरां या होटल को फूड ब्लॉगर, मीडिया हाउसेस, मैगजीन या टीवी शो प्रोड्यूसर के माध्यम से आम लोगों के बीच लोकप्रिय बनाने की जिम्मेदारी रेस्तरां प्रचारक की होती है। इनका अहम मकसद ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को अपनी रेस्तरां की तरफ आकर्षित करना है।

स्कूल साइकोलॉजी की दुनिया में तराशें रोजगार

आजकल कुछ स्कूलों में मनोवैज्ञानिक या परामर्शदाता की नियमित व्यवस्था की जाती है। यह व्यवस्था विद्यार्थियों और अध्यापकों दोनों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई है। मनोविज्ञान अपनी पूर्णता में एक ऐसा क्षेत्र है, जहां करियर से जुड़े अनेक विकल्प हैं। स्कूल साइकोलॉजी इसकी महत्वपूर्ण शाखाओं में एक है। स्कूलों में बढ़ते अपराधों को देखते हुए अब स्कूल साइकोलॉजिस्ट की मांग तेजी से बढ़ रही है।

कूल साइकोलॉजिस्ट किसी भी स्कूल की टीम के मुख्य सदस्य होते हैं, जो शैक्षिक मनोविज्ञान, बाल मनोविज्ञान, नैदानिक मनोविज्ञान और सामुदायिक मनोविज्ञान के सिद्धांतो का पालन कर छात्रों में सीखने की क्षमता और अध्यापकों में सिखाने की क्षमता का विकास करते हैं। स्कूल मनोवैज्ञानिक बच्चों के भावनात्मक, व्यवहारिक, और शैक्षिक जरूरतों का अध्ययन कर उनकी समस्याओं का हल करने का हरसंभव प्रयास करते हैं। अगर आपकी रुचि बच्चों के मनोभाव को जानने और उनके डिप्रेशन को दूर करने की दिशा में है तो आप स्कूल साइकोलॉजिस्ट का कॅरियर चुन सकते हैं। आजकल बच्चे सबसे ज्यादा डिप्रेशन का शिकार होते हैं। यही वजह है कि इस क्षेत्र में कॅरियर की भरपूर संभावनाएं पैदा हो रही हैं। ऐसे में आप साइकोलॉजिकल काउंसलिंग करके बच्चों के भविष्य को खराब होने से बचा सकते हैं।

स्कूल साइकोलॉजिस्ट के कार्य

- स्कूल मनोवैज्ञानिक बच्चों के विकास की विशेषताओं को समझने में शिक्षक की सहायता करता है।
- प्रत्येक छात्र विकास की कुछ निश्चित अवस्थाओं से गुजरता है जैसे शैशवास्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था और प्रौढ़ावस्था। विकास की दृष्टि से इन अवस्थाओं की विशिष्ट विशेषताएं होती हैं। यदि शिक्षक इन विभिन्न अवस्थाओं की विशेषताओं से परिचित होता है तो वह अपने छात्रों को भली प्रकार समझ सकता है और छात्रों को उसी प्रकार निर्देशन देकर उनको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता कर सकता है। इस बारे में पूर्ण जानकारी भी स्कूल साइकोलॉजिस्ट ही टीचर को देता है।
- बच्चों के नेचर को जानने की कोशिश करता है।
- शिक्षा की प्रकृति एवं उद्देश्यों को समझने में सहायता प्रदान करता है।
- बच्चों की वृद्धि और विकास के बारे में शिक्षकों को ज्ञान देता है।

- बच्चों के अच्छे समायोजन में मदद करता है और कुसमायोजन से बचाता है।
- स्कूल मनोवैज्ञानिक कुछ खास बच्चों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी शिक्षक को देता है, जिससे शिक्षक उन बच्चों को अपनी क्लास में पहचान सकें और उनकी आवश्यकतानुसार मदद कर सकें। उनके लिए विशेष कक्षाओं का आयोजन कर सकें और फिर उन्हें परामर्श दे सकें।
- मानसिक रूप से स्वस्थ बच्चों के लक्षणों को पहचानना और ऐसा प्रयास करना कि उनकी इस स्वस्थता को बनाए रखा जा सके, यह कार्य भी स्कूल साइकोलॉजिस्ट का ही होता है।

शैक्षणिक योग्यता

आप किसी भी विषय में इंटरमीडिएट पास करने के बाद साइकोलॉजी विषय में ग्रेजुएशन कर सकते हैं। आम तौर पर इसमें बैचलर ऑफ आर्ट्स यानी बीए की डिग्री दी जाती है लेकिन अगर आपने साइंस से इंटर पास किया है तो साइकोलॉजी में बीएससी ऑनर्स भी कर सकते हैं। फिर पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद पीएचडी या एमफिल किया जा सकता है।

कहां काम करते हैं स्कूल साइकोलॉजिस्ट

- पब्लिक और प्राइवेट स्कूल
- यूनिवर्सिटीज
- स्कूल आधारित स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य केंद्र
- कम्यूनिटी आधारित डे ट्रीटमेंट या आवासीय क्लीनिक और अस्पताल
- बाल न्याय केंद्र
- प्राइवेट प्रैक्टिस

पर्सनल स्किल

- बेहतर कम्युनिकेशन स्किल
- धैर्य और सहजता
- सभी उम्र के लोगों के साथ काम करने की कला
- आत्मविश्वास
- क्लाइंट को संतुष्ट करने की योग्यता
- लोगों की मदद करने का पैशन
- काम के प्रति लगाव
- संवेदनशीलता
- सहानुभूति की भावना

कहां से करें पढ़ाई

- लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर विमन
- जीसस एंड मैरी कॉलेज
- प्रेसिडेंसी कॉलेज, चेन्नई
- क्रिस्ट यूनिवर्सिटी, क्रिस्ट कॉलेज
- सोफिया कॉलेज फॉर विमन
- कमला नेहरु कॉलेज फॉर विमन
- मिठिबाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स
- यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- गार्गी कॉलेज
- जय हिंद कॉलेज
- जामिया मिलिया इस्लामिया
- ज्योति निवास कॉलेज
- विल्सन कॉलेज, मुंबई
- एमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर
- यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ
- आशुतोष कॉलेज
- नेयानल डिग्री कॉलेज, जया नगर
- भीम राव अम्बेडकर कॉलेज

प्रेजेंटेशन स्किल्स से मिलेगी कामयाबी

प्रेजेंटेशन में सामने वाले को बोर नहीं, बल्कि इंप्रेस करें। तब आपको कामयाबी मिलेगी। सबसे असरदार कंटेंट भी बिल्कुल बेअसर हो जाता है, जब प्रेजेंटर का स्टाइल उसके अनुरूप न हो। कई लोग प्रेजेंटेशन के दौरान नर्वस हो जाते हैं, जिसका असर उनके बोलने और बॉडी लैंग्वेज पर पड़ता है। यही कुछ रुकावटें हैं, जिन पर काबू पाना जरूरी होता है। आत्मविश्वास बढ़ने के साथ-साथ यह कमियां दूर हो जाती हैं और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अभ्यास, लचीलापन और अपने कंटेंट की गहरी जानकारी बेहद जरूरी होती है।

कटेंट पर ध्यान दें

आपके पास पहले से रोचक, संपूर्ण और सबका ध्यान खींचने वाला कंटेंट होना चाहिए। साथ ही उस मैटेरियल को सबके सामने रखने का आत्मविश्वास भी जरूरी है। अपने माहौल की समझ के साथ-साथ आपको यह ध्यान रखना भी आवश्यक होता है कि आपके संदेश का असर अधिकाधिक लोगों तक पहुंचे। वहीं अपने कंटेंट को तैयार करना इस पर भी निर्भर करता है कि आप किस किस्म की प्रेजेंटेशन देने जा रहे हैं। फिर भी जरूरी है कि आप मुख्य बिंदुओं की पहचान कर लें। यह जरूरी नहीं होता कि प्रत्येक डिटेल श्रोताओं के सामने रखी जाए।

स्टाइल पर ध्यान दें

प्रेजेंटर का स्टाइल ही एक अच्छे प्रेजेंटेशन के लिए जरूरी होता है। इसलिए अपनी स्टाइल और बात करने के तरीके पर खास ध्यान दें।

पूरी जानकारी दें

बेहतर प्रेजेंटेशन दर्शकों को विषय के बारे में अतिरिक्त जानकारी देती है, इसलिए जरूरी है कि विषय की आउटलाइन से शुरुआत की जाए। श्रोताओं को बताएं कि आप क्या विषय उठाना चाहते हैं, ताकि उनकी अपेक्षाएं शुरू में ही स्पष्ट हो जाएं। इससे विषय के प्रति कौतुहल भी बना रहता है।

उदाहरण से बनेगी बात

एक अन्य तथ्य यह है कि प्रेजेंटेशन की शुरुआत और अंत जोरदार तरीके से हो। यदि शुरुआत में आप श्रोताओं का ध्यान नहीं खींच पाते है तो यह आपके पक्ष में नहीं जाता। साथ ही बीच-बीच में रोचक उदाहरण देना भी जरूरी होते हैं।

सुनने वाले के बारे में जानें

आपको सुनने वालों के बारे में सबसे पहले पता लगाना चाहिए कि वे कौन हैं? इसके बाद यह जानना जरूरी होता है कि प्रेजेंटेशन से वे क्या चाहते हैं? उनके लिए क्या सूचना नई होगी और क्या पुरानी? क्या उनकी कुछ विशेष जरूरतें हैं, जिनका आपको ध्यान रखना चाहिए? इसके लिए जरूरी है कि अपनी प्रेजन्टेशन की आउटलाइन आपको स्पष्ट हो। दरअसल, आपको सुनने वाले यदि संतुष्ट होते हैं तो समझिए कि आपकी प्रेजेंटेशन सफल रही।

ऊर्जा लागत, वित्तीय सख्ती से दूसरी छमाही में धीमी होगी भारत की वृद्धि- डीबीएस

नई दिल्ली ।

डीबीएस बैंक की एक अर्थशास्त्री ने आगाह किया है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी छमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर धीमी पड़ सकती है। उन्होंने सख्त वित्तीय स्थितियों, ऊर्जा की ऊंची कीमतों और प्रतिकूल आधार प्रभाव को इसके मुख्य कारण बताया। उनके अनुसार बढ़ते महंगाई दबाव के चलते मौद्रिक नीति का केंद्रीय ध्यान मूल्य स्थिरता पर बना रहेगा। राव ने अपने वृहद आर्थिक आकलन में बताया कि मजबूत घरेलू मांग, उपभोग और सार्वजनिक पूंजीगत व्यय के दम पर वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था ने 7.8 फीसदी की प्रभावशाली वार्षिक दर से वृद्धि दर्ज की। हालांकि, डीबीएस का अनुमान है कि पूरे वित्त वर्ष 2026-27 के लिए औसत आर्थिक वृद्धि 7.3 फीसदी रहेगी, जो पिछले वित्त वर्ष के 7.8 फीसदी के संशोधित आंकड़े से कम है। उन्होंने यह भी कहा कि जीएसटी संग्रह, ई-वे बिल और डिजिटल भुगतान जैसे उच्च-आवृत्ति संकेतक फिलहाल मजबूत बने हुए हैं, जो घरेलू गतिविधियों की निरंतरता का संकेत देते हैं। बावजूद इसके, साल के उत्तरार्ध में उल्लिखित कारक वृद्धि की गति पर अंकुश लगा सकते हैं।

एयर इंडिया 2027 की दूसरी छमाही में पेश करेगी नया डिजिटल मंच

नई दिल्ली ।

एयर इंडिया अपनी उड़ानों में यात्रियों के लिए एक अत्याधुनिक डिजिटल मंच पेश करने जा रही है। यह पहल यात्रियों के उड़ान अनुभव को नया आयाम देगी। यह नया इन-फ्लाइट एंटरटेनमेंट (आईएफई) मंच यात्रियों के लिए मनोरंजन, लॉयल्टी कार्यक्रम, वाणिज्यिक गतिविधियों और यात्रा सेवाओं को एक साथ एकीकृत करेगा। इसका दोहरा उद्देश्य यात्रियों के डिजिटल अनुभव को बेहतर बनाना और एयरलाइन के अतिरिक्त राजस्व को बढ़ाना है। एयर इंडिया के मुख्य डिजिटल एवं प्रौद्योगिकी अधिकारी के अनुसार, एयरलाइन द्वारा विकसित इस मंच को 2027 की दूसरी छमाही से चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। इसकी शुरुआत अगले साल मिलने वाले नए बड़े आकार के विमानों से होगी। यह मंच वाणिज्य से जुड़ी कई तरह की गतिविधियों को भी सुगम बनाएगा।

मुंबई में 711 करोड़ का रिकॉर्डतोड़ आवासीय सौदा

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी एंबेसी डेवलपमेंट्स ने मुंबई में एक लग्जरी आवासीय टावर को एंजल वन लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) दिनेश ठक्कर को 711 करोड़ रुपये में बेचने पर सहमति जताई है। यह देश के सबसे बड़े आवासीय सौदों में से एक है, जो एकल आवासीय इकाई के रूप में अब तक का सबसे बड़ा लेनदेन है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को सूचित किया कि उसने मुंबई के पॉश जुहू तारा रोड पर स्थित अपनी अत्यधिक लग्जरी परियोजना एंबेसी टेराजा में एक पूरे आवासीय टावर की बिक्री के लिए दिनेश ठक्कर के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सात मंजिला टावर जुहू के सबसे प्रतिष्ठित आवासीय इलाकों में से एक में स्थित है। इसका कुल रेरा कारपेट एरिया 63,000 वर्ग फुट है। एंबेसी टेराजा दो एकड़ में फैली एक विशाल परियोजना है, जिसमें कुल पांच टावर शामिल हैं। कंपनी को इस परियोजना से कुल 3,000 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। यह सौदा मुंबई के लग्जरी रियल एस्टेट बाजार की मजबूती को दर्शाता है।

ओरिएंट केबल्स का 552 करोड़ का आईपीओ 25 सितंबर को खुलेगा

नई दिल्ली ।

नेटवर्किंग केबल और पैसिव नेटवर्किंग उपकरण बनाने वाली कंपनी ओरिएंट केबल्स (इंडिया) लिमिटेड ने 552 करोड़ रुपये जुटाने के लिए अपने आईपीओ का मूल्य दायरा 258 से 272 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने बताया कि आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 25 सितंबर को बोली के लिए खुलेगा और 29 सितंबर को बंद होगा। इस आईपीओ के तहत 320 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि प्रवर्तकों और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 232 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जा रही है।कंपनी नए शेयरों की बिक्री से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल विस्तार योजनाओं, कर्ज चुकाने और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 330 , निफ्टी 85 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही करोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 329.91 अंक की गिरावट के साथ 74,529.08 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 85.33 अंक टूटकर 23,329.00 के स्तर पर बंद हुआ। इंडेक्स में आई इस सुस्ती से बाजार में थोड़ी सतर्कता देखी जा रही है।

आज सेक्टोरल परफॉर्मेंस पर नजर डालें तो सबसे ज्यादा नुकसान आईटी सेक्टर को उठाना पड़ा। निफ्टी आईटी इंडेक्स गिरावट के साथ 28,582.10 के लेवल पर बंद हुआ। इसके साथ ही उपभोक्ता उत्पादों में भी बिकवाली हावी रही और निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स गिरकर 45,657.90 पर आ गया। बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर्स की बात करें तो निफ्टी पीएसयू बैंक में और निफ्टी प्राइवेट बैंक में गिरावट आई। इसके अलावा निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज भी गिरावट पर बंद हुआ।ऑटोमोबाइल और फार्मास्यूटिकल सेक्टर्स में भी गिरावट रही। निफ्टी ऑटो इंडेक्स फिसलकर 27,085.45 पर बंद हुआ। वहीं हेल्थकेयर और दवा कंपनियों के प्रदर्शन को दर्शाने वाला निफ्टी फार्मा इंडेक्स गिरावट के साथ 26,910.40 के लेवल पर आ गया। इन प्रमुख सेक्टर्स में सुस्ती के कारण पूरे बाजार की रिकवरी पर ब्रेक लगा रहा और प्रमुख इंडेक्स हरे निशान में आने में विफल रहे।बाजार की इस चौतरफा गिरावट के बीच ही कुछ सेक्टर्स ऐसे भी रहे जहां निवेशकों ने खरीदारी में उत्साह दिखाया। सबसे अच्छी बढ़त मीडिया सेक्टर में देखने को मिली। निफ्टी मीडिया इंडेक्स 1,574.95 के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा रियल एस्टेट सेक्टर में भी अच्छी खरीदारी दर्ज की गई, जिससे निफ्टी रियल्टी इंडेक्स बढ़कर 861.40 के लेवल पर क्लोज हुआ। मेटल सेक्टर में भी हल्की मजबूती रही और निफ्टी मेटल 0.15त्न की मामूली बढ़त लेकर 12,992.50 पर बंद हुआ। इन सेक्टर्स में आई तेजी ने बाजार की गिरावट को कुछ हद तक सीमित करने में मदद की।

पिछले कुछ दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट आई है। इससे भी बाजार की गिरावट पर अंकुश लगा है।वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार ने मजबूत शुरुआत की। सुबह के शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 101.79 अंक की वृद्धि के साथ 74,960.78 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी 37.46 अंक की बढ़त के साथ 23,451.75 के स्तर पर पहुंच गया।

बैंकिंग प्रणाली में नकदी अधिशेष 6 लाख करोड़ के करीब

ओएमओ और जीएसटी भुगतान ने निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा बैंकिंग प्रणाली से अतिरिक्त तरलता (लिक्विडिटी) खींचने के उपाय अब रंग लाते दिख रहे हैं। बॉन्ड बिक्री के खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) भुगतान के कारण, बैंकिंग प्रणाली में शुद्ध नकदी अधिशेष में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे मौद्रिक नीति का परिचालन लक्ष्य मानी जाने वाली ओवरनाइट वेटेज एवरेज कॉल रेट (डब्ल्यूएसीआर) नीतिगत रीपो दर के करीब पहुंच गई है। बाजार प्रतिभागियों के अनुसार बैंकिंग प्रणाली में शुद्ध नकदी अधिशेष सितंबर की शुरुआत में 11.16 लाख करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर से घटकर अब लगभग 6 लाख करोड़ रुपये रह गया है। इसके परिणामस्वरूप, वेटेज एवरेज कॉल रेट आज 5.24 फीसदी पर बंद हुई, जो शुक्रवार को 4.92 फीसदी थी और अब नीतिगत रीपो दर के लगभग बराबर आ गई है। आरबीआई द्वारा ओएमओ के तहत बॉन्ड बिक्री की पहली नीलामी शुक्रवार को हुई थी, जबकि इसके बाद हुई दूसरी नीलामी में 25,000 करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के मुकाबले 84,942 करोड़ रुपये की मजबूत बोलियां मिलीं, जिससे बाजार में नकदी सोखने में मदद मिली। केंद्रीय बैंक ने सितंबर के लिए कुल 1 लाख करोड़ रुपये की ओएमओ बिक्री की घोषणा की है, जिसका मुख्य उद्देश्य डॉलर-रुपया स्वैप सुविधा के तहत विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमा से प्राप्त बड़े निवेश प्रवाह से बनी दीर्घकालिक नकदी अधिशेष को वापस लेना है।

दिल्ली में पहली बार वैश्विक चावल संग्रह, 200 किस्में होंगी प्रदर्शित

भारत मंडपम में अक्टूबर में होगा आयोजन

नई दिल्ली ।

भारत अगले महीने अपनी तरह के पहले भारत अंतर्राष्ट्रीय चावल सम्मेलन (बीआईआरसी) की मेजबानी करेगा, जहां दुनिया भर से व्यावसायिक महत्व वाली चावल की लगभग 200 किस्मों का एक अनूठा वैश्विक संग्रह प्रदर्शित किया जाएगा। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 23 से 25 अक्टूबर तक आयोजित होने वाला यह आयोजन अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों को एक ही स्थान पर विभिन्न किस्मों की तुलना करने और संभावित आपूर्तिकर्ताओं की पहचान करने का अभूतपूर्व अवसर प्रदान करेगा। इस वैश्विक चावल संग्रह में इटली के आर्बोरियो, थाईलैंड के जैस्मीन व जापान के सुशी चावल से लेकर भारत के बासमती, सुगंधित पारंपरिक अनाज, काले तथा लाल चावल और क्षेत्रीय विशिष्ट किस्में शामिल होंगी। इस प्रदर्शनी का लक्ष्य चावल को सिर्फ एक व्यापारिक जिंस के बजाय, भूगोल, जैव विविधता और खान-पान की परंपराओं से जुड़े एक उत्पाद के रूप में प्रस्तुत करना है। भारत की पेशकशों में पूसा बासमती सहित विभिन्न बासमती किस्में और पीआर-11, सोना मसूरी जैसी गैर-बासमती किस्में शामिल होंगी। केरल से नवारा, तमिलनाडु से सीरागा सांबा, मणिपुर से चाक-हाओ काला चावल और महाराष्ट्र से आंबेमोहर जैसी क्षेत्रीय तथा पारंपरिक किस्में भी विशेष आकर्षण होंगी। भारतीय चावल निर्यातक महासंघ (आईआरईएफ) के देव गर्ग ने बताया कि यह संग्रह वैश्विक खरीदारों को नए उत्पादों की खोज का एक महत्वपूर्ण जरिया बनेगा।

त्योहारी सीजन से पहले अरहर दाल 150 के पार, सरकार कसेगी नकेल

कमजोर मॉनसून, मंडियों में कम आपूर्ति और स्टॉक बढ़ने से कीमतों में तेजी

नई दिल्ली।

त्योहारी सीजन से ठीक पहले उपभोक्ताओं को एक और झटका लगा है। अरहर दाल (तुअर दाल) के दाम आसमान छू रहे हैं, जो खुदरा बाजार में 150 रुपये प्रति किलोग्राम के करीब पहुंच गए हैं। पिछले एक महीने में इसकी कीमतों में करीब 14 फीसदी का उछाल आया है। मंडियों में कमजोर आपूर्ति, दाल मिलर्स की मजबूत मांग और कमजोर मानसून के साथ-साथ कारोबारियों द्वारा स्टॉक बढ़ाने को इस तेजी का मुख्य कारण माना जा रहा है। सरकार अब दालों की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए जल्द ही सख्त कदम उठा सकती है। देश में अरहर दाल का औसत मंडी भाव फिलहाल 11,394 रुपये प्रति क्विंटल चल रहा है, जबकि खुदरा बाजार में यह 130 से 160 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रही है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले एक महीने में अरहर की कीमत में लगभग 14 फीसदी और तीन महीने में 12 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

इस बढ़ोतरी के पीछे मानसून का कमजोर रहना, त्योहारों से पहले मिलों की ओर से बढ़ी हुई खरीद और स्टॉकिस्टों द्वारा ऊंचे भाव की उम्मीद में माल रोकना प्रमुख कारण हैं। कारोबारियों का अनुमान है कि त्योहारी सीजन के दौरान तुअर दाल के दाम

15,000 रुपये प्रति क्विंटल के पार जा सकते हैं। इस स्थिति को देखते हुए सरकार दाल की कीमतों पर लगाम लगाने और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने की तैयारी में है। संभावित उपायों में स्टॉक लिमिट तय करना या आयात शुल्क में बदलाव शामिल हो सकते हैं, ताकि घरेलू बाजार में आपूर्ति बढ़ाई जा सके और उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

गूगल पर 46.3 करोड़ डॉलर का जुर्माना

उपयोगकर्ताओं के लोकेशन डेटा के गलत इस्तेमाल का आरोप

डबलिन ।

यूरोपीय संघ ने गूगल पर उपयोगकर्ताओं के लोकेशन डेटा के गलत इस्तेमाल के आरोप में 46.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भारी जुर्माना लगाया है। आयरलैंड के डेटा संरक्षण आयोग (डीपीसी) ने यह घोषणा की, जिसमें बताया गया कि गूगल ने डेटा गोपनीयता नियमों का उल्लंघन किया है। यह जुर्माना व्यक्तिगत डेटा के प्रसंस्करण में कानूनी, निष्पक्ष और पारदर्शी रहने में कंपनी की विफलता के लिए लगाया गया है। डीपीसी की जांच में सामने आया कि गूगल ने उपयोगकर्ताओं की ब्राउजिंग और सर्च हिस्ट्री की निगरानी करने वाली वेब एंड ऐप एक्टिविटी सेटिंग और मोबाइल फोन के जरिए उनके जाने वाले स्थानों की निगरानी करने वाली लोकेशन हिस्ट्री सेवा में लोकेशन डेटा का कानूनी या निष्पक्ष तरीके से प्रसंस्करण नहीं किया। इसके अलावा, नियामकों ने यह भी पाया कि एंड्रॉइड मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम में लोकेशन एक्यूरेसी फीचर के तहत व्यक्तिगत डेटा को संसाधित करते समय कंपनी कानूनी, निष्पक्ष और पारदर्शी रहने में विफल रही।

चूंकि गूगल का यूरोपीय मुख्यालय डबलिन में है, आयरलैंड यूरोपीय संघ में अमेरिकी तकनीकी दिग्गज कंपनी का मुख्य नियामक है।

गूगल ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह मामला पुरानी नीतियों से जुड़ा है, जिन्हें अब अपडेट किया जा चुका है। कंपनी ने 2019 के बाद से अपनी कार्यप्रणाली में महत्वपूर्ण सुधार और लोकेशन डेटा को प्रबंधित करने के लिए मजबूत उपकरण पेश करने का दावा किया है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 20 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.58 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 13 पैसे की बढ़त के साथ 95.65 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट क्रूड के ऊंचे स्तरों से नीचे आने और तत्काल आपूर्ति की चिंताएं कम होने से रुपये की शुरुआत सकारात्मक रही। सऊदी अरब द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए निर्यात बढ़ाने और क्षतिग्रस्त ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन के आंशिक रूप से बहाल होने की उम्मीदों से बाजार को सहारा मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 95.75 पर खुला और फिर 95.65 के स्तर तक पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 13 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को 18 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.78 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 100.35 पर था।

नथिंग का सीएमएफ अब भारतीय! कार्ल पेई का देसी टेक पर बड़ा दांव

कंपनी का वैश्विक मुख्यालय भारत में, 2015 की गलतियों से सीखकर नया अध्याय लिखने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

चर्चित टेक ब्रांड नथिंग के फाउंडर और सीईओ कार्ल पेई ने एक ऐतिहासिक ऐलान किया है। उनका लोकप्रिय सब-ब्रांड सीएमएफ अब नथिंग से पूरी तरह अलग होकर एक स्वतंत्र, पूर्णकालिक भारतीय कंपनी बनने जा रहा है। सितंबर 2023 में बजट-फ्रेंडली स्मार्टफोन, स्मार्टवॉच और ऑडियो प्रोडक्ट्स के साथ लॉन्च हुए सीएमएफ को भारत की दम पर वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार के समीकरण बदलने की एक सोची-समझी रणनीति के तहत यह नई पहचान मिलेगी। कार्ल पेई के इस कदम का सीधा मतलब भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन की अपार संभावनाओं को भुनाना है। नई कंपनी में मेजॉरिटी ओनरशिप भारतीयों के पास होगी, इसका ग्लोबल हेडक्वार्टर भारत में होगा और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसकी कोर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) टीम भी भारतीय इंजीनियरों से सजी होगी। पेई ने अपने एक्स (पहले ट्विटर) पोस्ट में कहा कि भारत इस वक्त ठीक उसी ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है, जहां कभी जापान, दक्षिण कोरिया और चीन खड़े थे, जिन्होंने अपनी स्थानीय कंपनियों के दम पर वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार पर राज किया। उन्होंने जोर देकर कहा, अब भारत की बारी है। पेई ने भारत की मौजूदा ताकत (दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन निर्माता, सबसे बड़ी युवा आबादी, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग टैलेंट) को स्वीकार करते हुए, 2015 के डार्क चैप्टर की याद दिलाई।

प्याज ने फिर रुलाया- एक साल में दोगुनी हुई कीमतें, रसोई का बिगड़ा बजट

खुदरा कीमतें 54.23 प्रति किलो के पार, दिल्ली से चेन्नई तक बढ़ा बोझ

नई दिल्ली ।

देशभर में प्याज की कीमतें एक बार फिर आम आदमी को रुला रही हैं। पिछले एक साल की तुलना में इसकी खुदरा कीमतें दोगुनी से अधिक हो गई हैं, जिससे रसोई का बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 21 सितंबर को प्याज का औसत खुदरा भाव 54.23 रुपए प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया, जो महज एक महीने पहले 40.79 रुपए था।

थोक बाजार में भी प्याज के भाव आसमान छू रहे हैं, जहां 21 सितंबर को औसत थोक कीमत 4,615.98 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज की गई, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 135 फीसदी अधिक है।

इसका असर विभिन्न शहरों में साफ दिख रहा है। दिल्ली में प्याज 53 रुपए, मुंबई में 58 रुपए और चेन्नई में 60 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है, जबकि एक साल पहले ये कीमतें लगभग आधी थीं। इस बढ़ोतरी के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में मार्च में हुई बेमौसम बारिश से गर्मियों की प्याज की फसल को बड़ा नुकसान पहुंचा था।

इसके अलावा, केंद्रीय एजेंसियों के पास रखे स्टॉक का एक हिस्सा भी खराब हो गया, जिससे बाजार में आपूर्ति प्रभावित हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी भारतीय प्याज की मांग कमजोर बनी हुई है, लेकिन इसके बावजूद घरेलू कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल कीमतों में बहुत बड़ी तेजी की संभावना नहीं है। पिछले एक हफ्ते से भाव लगभग स्थिर हैं।

बाजार से जुड़ी जानकारी के मुताबिक, बीज कंपनियों की खरीद पूरी होने के बाद प्याज के भाव में 5 से 10 रुपए प्रति किलो तक की गिरावट आ सकती है। लंबी अवधि में, रबी फसल के स्टॉक की खपत और खरीफ फसल की आवक के बीच अगस्त से जनवरी तक उपलब्धता और मांग का अंतर कीमतों पर दबाव डाल सकता है।

स्मॉलकैप में म्युचुअल फंड का दबदबा, 64 फीसदी शेयरों में बढ़ाया दांव!

टेनेको क्लीन एयर और केफिन टेक्नोलॉजीज शीर्ष पर

नई दिल्ली ।

अगस्त 2026 में म्युचुअल फंडों ने निफ्टी स्मॉलकैप 100 के अधिकांश शेयरों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की सितंबर 2026 की फंड फोलियो रिपोर्ट के मुताबिक, म्युचुअल फंड निफ्टी स्मॉलकैप 100 में शामिल 64 प्रतिशत शेयरों में खरीदार रहे, जो बाजार में उनके बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। सबसे ज्यादा खरीदारी टेनेको क्लीन एयर इंडिया और केफिन टेक्नोलॉजीज में देखी गई। रिपोर्ट बताती है कि टेनेको क्लीन एयर इंडिया में फंडों की होल्डिंग सबसे ज्यादा 129.5 प्रतिशत बढ़कर 5.82 करोड़ शेयर हो गई, जिसका मूल्य अगस्त के अंत तक लगभग 80.8 अरब रुपये था। इसके बाद केफिन टेक्नोलॉजीज में म्युचुअल फंड की हिस्सेदारी 41 प्रतिशत बढ़कर 4.51 करोड़ शेयर हो गई। अर्बन कंपनी में 29.2 प्रतिशत, हिंदुस्तान कॉपर में 28.7 प्रतिशत और एस्टर डीएम क्वालिटी में 27.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, कुछ शेयरों में फंडों ने अपनी हिस्सेदारी घटाई भी है। हिमाद्री स्पेशियलिटी केमिकल में होल्डिंग 56.8 प्रतिशत कम होकर करीब 26 लाख शेयर रह गई, जबकि जीएमडीसी में यह 46.7 प्रतिशत घटी। आईआईएफएल फाइनेंस, एमआरपीएल और सारदा एनर्जी में भी फंडों ने अपनी होल्डिंग कम की। कुल निवेश मूल्य के हिसाब से, खरीदे गए शेयरों में एस्टर डीएम क्वालिटी सबसे आगे रहा, जिसमें फंडों की होल्डिंग का मूल्य करीब 129.3 अरब रुपये रहा।

जियो और टी-मोबाइल ने लॉन्च की दुनिया की पहली 5जी एसए रोमिंग सेवा

भारत और अमेरिका के यात्रियों को मिलेगा निर्बाध 5जी स्टैंडअलोन नेटवर्क का अनुभव

मुंबई ।

रिलायंस जियो और अमेरिकी दूरसंचार कंपनी टी-मोबाइल ने एक ऐतिहासिक साझेदारी की घोषणा की है। इस समझौते के तहत दोनों कंपनियों के ग्राहक एक-दूसरे के नेटवर्क पर दुनिया की पहली 5जी स्टैंडअलोन (एसए) रोमिंग सेवा का लाभ उठा सकेंगे।

सिनिवर्स के तकनीकी सहयोग से शुरू हुई यह सुविधा भारत और अमेरिका के बीच यात्रा करने वाले उपभोक्ताओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिना किसी रुकावट के सिर्फ 5जी नेटवर्क का अनुभव प्रदान करेगी।

दोनों कंपनियों ने संयुक्त बयान में बताया कि यह सेवा इसलिए विशेष है क्योंकि रोमिंग के दौरान ग्राहकों को केवल 5जी स्टैंडअलोन सिग्नल ही मिलेंगे, जिससे डेटा स्पीड और कनेक्टिविटी में अभूतपूर्व सुधार होगा।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि को सिनिवर्स के तकनीकी मंच ने संभव बनाया है, जिसने दोनों नेटवर्क को सुरक्षित रूप से एकीकृत किया।

टी-मोबाइल के मुख्य नेटवर्क अधिकारी ने बताया कि यह साझेदारी उनके 2020 में शुरू हुए 5जी एसए प्रयासों का विस्तार है, जो अब वैश्विक स्तर पर निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। जियो के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क प्रमुख मार्क यारकोस्की ने इस पहल को नई पीढ़ी की क्षमताओं की नींव बताया, जिसमें उपभोक्ताओं और उद्यमों के लिए विशिष्ट सेवाओं के साथ कृत्रिम मेधा आधारित सेवाएं भी शामिल होंगी।

उनका मानना है कि 5जी एसए का भविष्य निर्बाध अंतर-संचालनीयता में निहित है, जो नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा।

संक्षिप्त समाचार

466 विकेट लेने वाले अंग्रेज गेंदबाज का क्रिकेट से संन्यास

थमा 2 वर्ल्ड कप जीतने वाले तेज गेंदबाज का सफर

नई दिल्ली। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। 36 वर्षीय मार्क वुड ने अपने क्रिकेट करियर में फर्स्ट क्लास, लिस्ट ए और टी20 क्रिकेट को मिलाकर कुल 466 विकेट लिए। दो विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड की टीम का हिस्सा रहे मार्क वुड अपनी तेज रफ्तार और खतरनाक गेंदबाजी के लिए पहचाने जाते हैं।

मार्क वुड ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 255, लिस्ट ए

में 126 और टी20 क्रिकेट में 85 विकेट लिए। इसके अलावा उन्होंने कुल 2341 रन (1977 प्रथम श्रेणी, 230 लिस्ट ए और 134 टी20 मैच) भी बनाए। लगातार चोटों से जूझने के कारण मार्क वुड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला किया।

टेस्ट मैचों में लिए 119 विकेट- दो बार वर्ल्ड कप जीतने वाले और अपनी पीढ़ी के सबसे तेज गेंदबाजों में से एक मार्क वुड ने 2015 में लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ डेब्यू करने के बाद 38 टेस्ट मैचों में 119 विकेट लिए। मार्क वुड ने 70 वनडे इंटरनेशनल में 80 और 38 टी20 इंटरनेशनल मैचों में कुल 54 विकेट लिए। उन्होंने टेस्ट में 811,

भारत-जापान टी20 मैच से पहले 'वंदे मातरम' की गूंज

खिलाड़ियों और दर्शकों ने मिलकर गाया राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान

नई दिल्ली। भारत और जापान के बीच ऐतिहासिक टी20 इंटरनेशनल मुकाबला कान्टो के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है। इस मुकाबले में बारिश के कारण मैच देरी से शुरू हुआ और 5-5 ओवर का मैच शुरू हुआ। इस मुकाबले से पहले सानो में ऐतिहासिक पल देखने को मिला। राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम् गूंजा। इससे पहले भारत-अफगानिस्तान टी20 सीरीज के पहले मैच से पूर्व भी नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में

यही देखने को मिला था। वहां भी वंदे मातरम् गूंजा था। ऐसा ही नजारा जापान के कान्टो में दिखा जहां, भारतीय खिलाड़ियों और दर्शकों ने मिलकर पहले वंदे मातरम् गाया और फिर राष्ट्रगान हुआ।

श्रेयस अय्यर ने चुनी पहले बल्लेबाजी

आपको बता दें कि भारत और जापान के बीच यह मुकाबला दोनों देशों के बीच राजनीतिक रिश्तों की 75वीं वर्षगांठ को सेलिब्रेट करने के लिए खेला जा रहा है। इस मुकाबले में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। बारिश के कारण मुकाबला तीन घंटे की देरी से शुरू हुआ। यह मैच 5-5 ओवर का हो रहा है और कुल 10 ओवर का एक्शन फैंस को देखने को मिलेगा।

'यह गर्व का पल है'

आईओए प्रमुख पीटी उषा ने गोल्ड मेडल जीतने पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को दी बधाई

निशिन। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल जीतने के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जमकर तारीफ की है। उन्होंने इस पल को गर्व का क्षण बताया और उम्मीद जताई कि आइची-नागोया में चल रहे एशियन गेम्स में भारतीय दल और भी कई गोल्ड मेडल जीतेगा। उन्होंने बताया कि उन्होंने जापानी एशियाई खेल आयोजन समिति से एशियन गेम्स में क्रिकेट को शामिल करने का आग्रह किया था, ठीक वैसे ही जैसे यह हांग्जो 2023 खेलों का हिस्सा था। पीटी उषा ने 'आईएएनएस' के साथ एक खास बातचीत में कहा, 'मुझे खुशी है कि महिला क्रिकेटर्स ने गोल्ड मेडल जीता और इसमें कोई शक नहीं कि हमें और भी गोल्ड मेडल मिलेंगे। मैंने जापान एशियाई खेल आयोजन समिति की समन्वय समिति से खेलों में पुरुष और महिला क्रिकेट को शामिल करने का अनुरोध किया था। मैं क्रिकेट देखना चाहती थी और मुझे खुशी है कि खिलाड़ियों ने गोल्ड मेडल

जीता है। यह गर्व का पल है।' आईओए अध्यक्ष जीत के बाद महिला क्रिकेट टीम से मुलाकात करेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं यहां उनसे पहले नहीं मिल पाई थी; हम पहले कई बार मिल चुके हैं लेकिन मैं उनसे यहां भी मिलूंगी। मैंने उनका खेल देखा था जब वे यहां खेल रही थीं।' भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपना गोल्ड मेडल बचाने के लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन किया।

फाइनल में स्मृति मंधाना ने 79 रनों की दमदार पारी खेली जबकि शेफाली वर्मा ने 29 गेंदों में 48 रन बनाए। वहीं, ऋचा घोष ने 22 गेंदों में नाबाद 49 रन बनाए, जिसके दम पर भारतीय टीम 3 विकेट खोकर 216 रन स्कोरबोर्ड पर लाने में सफल रही। वहीं, गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा, शेफाली वर्मा, श्रेयंका पाटिल और श्री चरणी ने मिलकर 9 विकेट लिए और भारत को 147 रनों की बड़ी जीत दिलाई। 217 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम महज 69 रन बनाकर ऑलआउट हुई। मौजूदा एशियन गेम्स में यह भारत का पहला और कुल मिलाकर सातवां गोल्ड मेडल है। भारतीय महिला टीम ने एशियन गेम्स के पिछले संस्करण में भी गोल्ड मेडल जीता था और अब उसी टीम के खिलाफ अपने खिताब का बचाव किया है।

कप्तान अय्यर ने की जापान की तारीफ

कहा- उनका प्रदर्शन शानदार रहा

सानो। एशियन गेम्स 2026 में मंगलवार को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत और जापान का रोमांचक मुकाबला खेला गया। बारिश और गीले मैदान की वजह से मैच 20-20 ओवरों की जगह 5-5 ओवरों का खेला गया।

भारतीय टीम ने 2 रन से यह मैच जीता। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर प्लेयर ऑफ द मैच रहे। अय्यर ने मैच के बाद जापान टीम की तारीफ की। मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने के बाद श्रेयस ने कहा, 'सच कहूं तो, यह बल्लेबाजी के लिए बहुत मुश्किल विकेट था। हमने ओपनर्स को भी देखा, जो लगातार रन बनाने के आदी हैं, स्पिन की पेस को समझ नहीं पा रहे थे। मैं जब अंदर आया तो मैंने तय किया कि सिंगल्स और डबल्स लेना और जितना हो सके स्ट्राइक रोटेट करना जरूरी है। मैंने अपने साथ आए बल्लेबाज से भी बात की, लेकिन वह भी करना मुश्किल था। मैंने बस यह तय किया कि मैं गेंद की मेरिट पर खेलूंगा और देखूंगा, उसी के हिसाब से प्लान बनाऊंगा।

अगर बॉल घूम ले रही है और थोड़ी रुक रही है, तो मैं बस बॉल की पेस का इस्तेमाल करूंगा और खुद को पीछे रोककर देखूंगा कि मैं सिंगल्स और डबल्स ले सकूं। तो यह काफी अच्छा रहा।' अय्यर ने कहा, 'मैं हमेशा कहता रहता हूं कि पांच ओवर का गेम कहीं भी जा सकता है।

पुरुष क्रिकेट टीम ने रचा इतिहास

200 टी20 मैच जीतने वाली पहली टीम बनी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 में मंगलवार को खेले गए मुकाबले में मेजबान जापान को 2 रन से हरा दिया। टी20 क्रिकेट में भारत की यह 200वीं जीत थी। 200 टी20 मैच जीतने वाली भारत पहली टीम है। भारत ने अपने पहला टी20 मैच में ही पहली जीत दर्ज की थी। एक दिसंबर 2006 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए मैच में भारत ने 6 विकेट से जीत दर्ज की। भारत ने अपना 50वां जीत 2017 में श्रीलंका के खिलाफ हासिल किया था। टीम इंडिया ने कोलंबो में खेले गए इस मैच में 7 विकेट से जीत

हासिल की थी। भारत ने अपनी 100वीं जीत 2022 में कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ 8 रन से, 150वीं जीत 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 रन से और 200वीं जीत 2026 में जापान के खिलाफ 2 रन से हासिल की है। भारतीय टीम 50 जीत के लिए 83 मैच, 51 से 100 जीत का आंकड़ा हासिल करने के लिए 72 मैच, 101 से 150 जीत तक पहुंचने के लिए 70 मैच और 151 से 200 जीत तक पहुंचने के लिए 66 मैच खेले। भारतीय टीम ने अपनी आखिरी 50 जीत के लिए सबसे कम मैच खेले हैं।

भारत-जापान मैच की बात करें तो सानो इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। भारतीय टीम की बल्लेबाजी निराशाजनक रही थी। बारिश की वजह से गीले मैदान के कारण मैच 20 ओवर की जगह मात्र 5-5 ओवर का हुआ।

भारतीय टीम ने 4 विकेट खोकर 32 रन बनाए। सर्वाधिक 16 रन कप्तान श्रेयस अय्यर ने बनाए। 33 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी जापान 5 ओवर में 3 विकेट पर 30 रन ही बना सकी और 2 रन से मैच हार गई।

शैफाली वर्मा कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा WT20I रन बनाने वाली खिलाड़ी बनीं

नहीं तोड़ पाईं पाकिस्तानी जोड़ी का एशियन गेम्स का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज शैफाली वर्मा ने 2026 में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। शैफाली वर्मा महिला टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। शैफाली वर्मा ने इस मामले में दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट को पीछे छोड़ा।

क्रिकबज के आंकड़ों के मुताबिक, लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 2026 में अब तक 863 रन बनाए हैं। हालांकि, एशियन गेम्स 2026 में श्रीलंका के खिलाफ स्मृति मंधाना के साथ उनकी 99 रन की साझेदारी उन्हें इस प्रतियोगिता (महिला वर्ग) में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी के रिकॉर्ड तक नहीं पहुंचा पाई।

एशियन गेम्स का यह रिकॉर्ड पाकिस्तान की आयशा जफर और शवाल जुल्फिकार के नाम है। आयशा जफर और शवाल जुल्फिकार ने एशियन गेम्स 2026 में श्रीलंका के खिलाफ 115 रन की साझेदारी की थी।

शैफाली वर्मा ने 2026 में महिला ञ20ढ्ढ क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उनके नाम इस कैलेंडर ईयर में 863 रन हो गए हैं। इसके साथ ही वह एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा महिला ञ20ढ्ढ रन बनाने वाली बैटर बन गई हैं। इस सूची में दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट 824 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। हॉन्गकॉन्ग की नताशा माइल्स ने 800 रन के साथ तीसरे और संयुक्त अरब अमीरात की ईशा ओजा 779 रन के साथ चौथे नंबर पर हैं।

स्मृति ने रचा इतिहास

11000 रन बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान और स्टार बैटर स्मृति मंधाना ने एक बार फिर खुद को बड़ी मैच की खिलाड़ी साबित किया। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ एशियन गेम्स 2026 के फाइनल (गोल्ड मेडल मैच) में बेहतरीन अर्धशतक जड़ा। उन्होंने इस पारी में अपना 37वां टी20 इंटरनेशनल अर्धशतक लगाया। स्मृति ने पारी में 13 रन बनाते ही एक खास मुकाम भी महिला क्रिकेट में हासिल कर लिया है।

हाल ही में स्मृति मंधाना ने मिताली राज को पीछे छोड़ते हुए सबसे ज्यादा महिला इंटरनेशनल रन का रिकॉर्ड बनाया था। अब वह 11 हजार रन महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे कर चुकी हैं। वह महिला क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली पहली खिलाड़ी बनी हैं। उन्होंने अपने 308वें इंटरनेशनल मैच में यह उपलब्धि हासिल की है। वहीं उन्होंने अपनी साथी ओपनर शैफाली वर्मा के साथ भी तीन बड़े रिकॉर्ड बनाए।

सबसे ज्यादा रन बनाने वाली 5 खिलाड़ी

- स्मृति मंधाना (भारत): 11060* रन
- मिताली राज (भारत): 10868 रन
- सूजी बेट्स (न्यूजीलैंड): 10740 रन
- शार्लेट एडवर्ड्स (इंग्लैंड): 10273 रन
- स्टेफनी टेलर (वेस्टइंडीज): 10005 रन

एशियन गेम्स: क्वार्टर फाइनल में नॉर्थ कोरिया से होगा मुकाबला

महिला टेबल टेनिस टीम ने थाईलैंड को हराया

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारत की महिला टेबल टेनिस टीम ने मंगलवार को थाईलैंड को हराते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने 2-1 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए थाईलैंड को 3-2 से हराया और क्वार्टर फाइनल में पहुंची। क्वार्टर फाइनल में भारतीय टीम का सामना नॉर्थ कोरिया से होगा। यशस्विनी घोरपड़े ने दो जीत के साथ भारत को मुकाबले में बनाए रखा, जबकि श्रीजा अकुला ने ओलंपियन और एशियन गेम्स मेडलिस्ट सुथासिनी सावेत्ताबुत पर 3-1 (9-11, 11-6, 12-10, 11-8) से जीत हासिल करके मुकाबला पक्का कर दिया।

भारत ने अब तक एशियन गेम्स टेबल टेनिस में तीन कांस्य पदक जीते हैं। यह सफलता जकार्ता 2018 में मिली थी, जहां

भारतीय पुरुष टीम ने एशियन गेम्स में देश के लिए पहला टेबल टेनिस मेडल जीता। इसके बाद शरत कमल और मनिका बत्रा ने मिक्स्ड डबल्स में एक और कांस्य पदक जीता। हांगझोऊ 2023 में, सुतीर्था मुखर्जी और अयहिका मुखर्जी ने महिला डबल्स में कांस्य पदक जीता था। इससे पहले, भारत के कराटे खिलाड़ी चेतन भट्ट मंगलवार को कांस्य पदक मैच में चीनी ताइपे के चुंग मेंग-यू से सेंशु के हाथों हारने के बाद पुरुषों की 84 किग्रा कुमाइट में पोडियम फिनिश से चूक गए। कांस्य पदक के मुकाबले में, चेतन का मुकाबला चीनी ताइपे के मेंग-यू चू से हुआ। स्कोर 1-1 से बराबर था और मेंग-यू को सेंशु के जरिए विजेता घोषित किया गया।भट्ट इससे पहले अपना सेमीफाइनल जॉर्डन के मोहम्मद अलजा'फारी से 8-0 से हार गए थे।

एशियन गेम्स 2026: महिला टीम क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में हारीं पीवी सिंधु

जापान ने बनाई 1-0 की बढ़त

चिनोमिया सिटी। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 के महिला टीम क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में खेला गया, जहां यामागुची ने सिंधु को हराकर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। पहला गेम टाई-ब्रेक में जीतने के बाद सिंधु तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन यामागुची से 21-23, 21-18, 21-11 से हार गईं, जिससे जापान को क्वार्टर फाइनल में 1-0 की बढ़त मिल गई। उन्नति हुड्डा दूसरे मुकाबले में टोमोका मियाजाकी के खिलाफ भारत के लिए स्कोर

बराबर करने की कोशिश करेंगी। इस मैच से पहले, दोनों खिलाड़ी 30 बार आमने-सामने हो चुकी थीं, जिसमें सिंधु 16 जीत के साथ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में आगे थीं। मंगलवार की हार के बाद दोनों के बीच हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 16-15 हो गया है, जो अभी भी सिंधु के पक्ष में है।

सिंधु ने 6-10 के अंतर को पाटते हुए अच्छा खेल दिखाया और स्कोर 12-12 तक पहुंचाया। इसके बाद 15-18 से पिछड़ने के बाद वापसी की और एक गेम प्वाइंट बचाकर पहला गेम 23-21 से जीता। दूसरे गेम में, 12-17 से पिछड़ने के बाद सिंधु ने तेजी से कुछ प्वाइंट हासिल किए और अंतर को 16-18 तक कम कर दिया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली
लू ले लो आ

अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-2-5-7

वृष
इ उ ए ओ वा
वी वू वे वो

महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन
का की कू घ ङ
छ के को हा

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-1-4-6

कर्क
ही हू हे हो डा
डी डू डे डो

सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-2-4-6

सिंह
मा मी मू मे मो
टा टी टू टे

अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या
टो पा पी पू ष
ण ठ पे पो

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-5-7-8

तुला
रा री रु रे रो
ता ती तू ते

पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक
तो ना नी नू ने
नो य यी यू

दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु
ये यो मा मी मू
धा फा ढा मे

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-5-6

मकर
मे जा जी खी खू
खे खो गा गी

मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ
गू गे गो सा
सी सू से सो दा

स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-5-9

मीन
दी दू थ झ ञ दे
दो चा ची

सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 4017

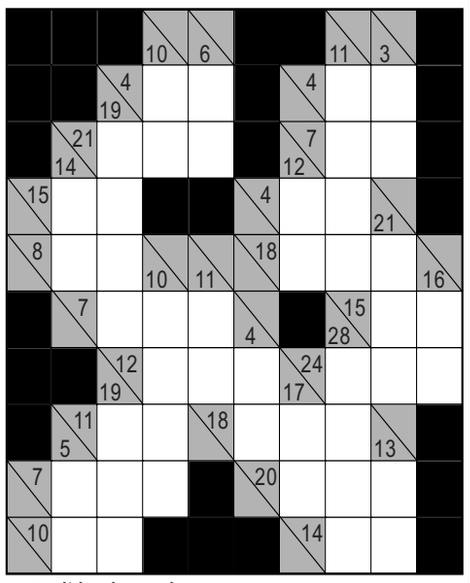

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

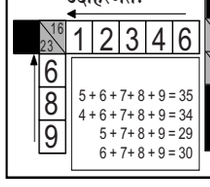

काकुरो - 4016 का हल

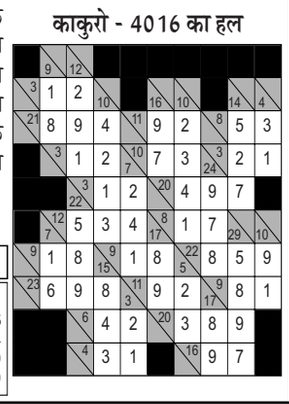

हंसी के फव्वारें

सेकेंड क्लास के डिब्बे में बहुत ज्यादा भीड़ थी. एक यात्री ने उसमें चढ़ने की कोशिश की . तभी अन्दर से किसी ने कहा- 'इधर जगह नहीं है कोई दूसरा कम्पार्टमेंट देखिए !'

'अरे भई! मुझे तो सिर्फ खड़े रहने भर के लिए स्थान चाहिए.' बाहर वाले ने कहा.

'तो फिर प्लेटफार्म पर ही आराम से खड़े रहिए न. अन्दर आकर हमको क्यों तंग करते हो ?' अन्दर से तुरन्त आवाज आई.

□ □ □

सुरेश को गम्भीर सोच में डूबे देखकर उसके मित्र नरेश ने पूछा- 'क्यों भई,इतनी गहराई से क्या सोच रहे हो ?'

'बेटे के कारण मैं बहुत परेशानी में हुँ . कुछ समझ में नहीं आता कि क्या करूँ ? मैं चाहता हूँ कि वह जज बने. बेटे की मां चाहती है कि वह प्रोफेसर बने और बेटा डाक्टर बनने की जिद किये बैठा है.'

'तुम्हारे लड़के की उम्र कितनी है?' नरेश ने जिज्ञासावश पूछा.

'चार साल !' सुरेश ने बताया.

इसपर नरेश ने अपना माथा पीट लिया.

□ □ □

शालिनी - मेरे पिताजी का साहित्य में गहरा योगदान है.

रीतू -क्या वे बहुत बड़े लेखक हैं?

शालिनी ने कहा- नहीं, वे किताबों की जिल्दसाजी करते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 4017

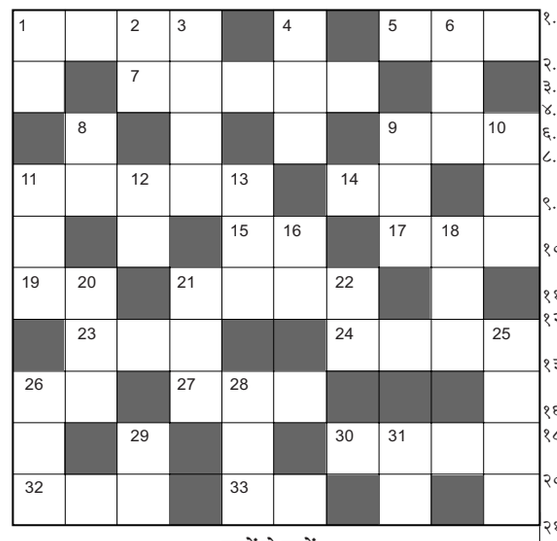

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लकी अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२. फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4016

बा	ग	बा	न		खु		स	ल	मा
गो		द		आ	शी	वा	द		लि
	स	ल	मा	न			मा	शू	क
खौ	फ		या		वा	दा		ल	
	र	न		पा	प		भू		प
का		या	दे		स	पू	त		रा
म	नो	ज		जीं		र्णि		छा	या
चो		मा	चि	स		मा	ला		ध
र	वी	ना			ब्रे		ड़		न
	रू		न	म	क	ह	ला	ल	

सूडोकु -4017

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4016 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 4017

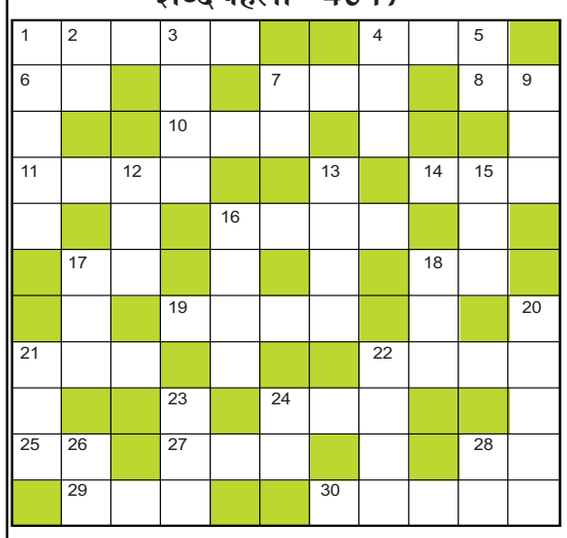

बाएँ से दाएँ

1. उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5
4. कराह,टीस,लालसा-3
6. हानि,आपत्ति-2
7. दुश्मनी,बैर-3
8. इंसाफ-2
10. साठवीं जयंती-3
11. जलाऊ लकड़ी-4
14. छोटा भाई-3
16. निरंकुश,आवारा-4
17. ठाठ-बाट-2
18. आफत,मुसीबत-2
19. शैतानी,बदमाशी-4
21. सहायता-3
22. इच्छा,लालसा-4
24. कवि,गजलकार-3
25. जरा,थोड़ा-2
27. मुलायम,नाजुक-3
28. गुफा,खोह-2
29. प्रियतम,सनम-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5
2. उत्साह,शक्ति-2
3. बिना बाल वारा,गंजा-4
4. पंक्ति,लाइन-3
5. लड़की,पुत्री,बेटी-2
7. वहम,संदेह-2
9. जुड़वा-3
12. प्रतिज्ञा,कसम-3
13. गंगा का पानी-4
15. तीखा,तीक्ष्ण-3
16. आतुर,धैर्यहीन-4
17. संभवतः-3
18. मर्कट,कपि-3
20. गोविंदा,खुशबू की फिल्म-5
21. पानी रखने का चमड़े का पात्र-3
22. मनोकामना -4
23. साजन,प्रेमी-3
24. संध्या,सांझ-2
26. आनंद-2
28. महीना,मास-2

शब्द पहेली -4016 का हल

	प	रा	या	प	न		म	च	ल	ना
सां	ग		च		का	ली	न		त	ट
व		त	क	रा	र		का	ल		की
ला	चा	र			दे	श		त	न	य
प		ती		पा	ना		गा		क	
न	क	ब	ज	न		चा	ल	च	ल	न
	हा		मा		च	र		ह		म
म	र	ना		द	म			क	स	क
र		श	क		क	रा	ह	ना		या
दू	ब		ल	बा	दा		रा		या	आ
द	या	क	र		र	च	ना	का	र	

क्यों होता है सिरदर्द

सिरदर्द को अधिकतर लोग साधारण मानकर गंभीरता से नहीं लेते और सिरदर्द की गोली लेकर सोचते हैं कि उन्हें इस दर्द से छुटकारा मिल गया। ये दवाइयां दर्द को समाप्त कर देती हैं परन्तु सिरदर्द के कारणों को नहीं समाप्त करती, इसलिए सिरदर्द के कारण को जानकर उस कारण को समाप्त करना बहुत जरूरी है।

सिरदर्द कई प्रकार के होते हैं जैसे :

- अधिक देर तक सोते रहने या कम समय सोने से, नींद पूरी न होने के कारण भी सिरदर्द हो सकता है। कभी-कभी नींद के बीच-बीच में टूटने के कारण भी सिरदर्द होता है।
- कभी-कभी गर्मी में अधिक व्यायाम कर लेने से भी सिरदर्द शुरू हो जाता है क्योंकि व्यायाम करते वक्त ग्लूकोज की मात्रा मांसपेशियों द्वारा खर्च कर ली जाती है और मस्तिष्क को ग्लूकोज नहीं मिल पाता।
- तनाव का पहला लक्षण ही सिर दर्द है। इसके अतिरिक्त निराशा, नींद न आना, थका हुआ महसूस करना आदि भी तनाव के कारण होते हैं। आंखों के चश्मे के नंबर में बदलाव के कारण भी सिरदर्द होता है।
- अधिक जुकाम होने के कारण मौसम में बदलाव, अधिक धूम्रपान आदि के कारण भी सिरदर्द की शिकायत रहती है।
- पूरा दिन किसी बंद कमरे में बिताने से शरीर को शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इस कारण से भी सिरदर्द हो सकता है।
- सिरदर्द का कारण जानने के लिए काफी समय लगता है। अगर आपको तनाव है तो अपने आपको उस तनावपूर्ण वातावरण से दूर रखने का प्रयास करें। बाजार में सिरदर्द की बहुत सी दवाइयां उपलब्ध हैं, लेकिन उनका प्रयोग डाक्टर की सलाह ले कर ही करें। अगर सिर दर्द बिना किसी कारण के लगातार होता है तो एक्सरे या सीटी स्कैन डाक्टर की सलाहनुसार कराएं।
- कई बार आप दिन में कुछ नहीं खाते या व्रत रखते हैं तब भी सिरदर्द की शिकायत हो जाती है। कुछ भोज्य पदार्थ चाइनीज फूड, चाकलेट, पिजा, आइस्क्रीम आदि भी किसी-किसी को एलर्जी करते हैं और उन्हें इनके खाने के तुरन्त बाद सिर दर्द शुरू हो जाता है। अगर आप कॉफी अधिक मात्रा में पीते हैं और फिर एकदम उसे छोड़ देते हैं तो भी सिरदर्द हो जाता है।
- नमक की अधिक मात्रा भी इसका एक कारण है। चाइनीज फूड में सोया सास का प्रयोग किया जाता है जिसमें एक रसायन मोनो सोडियम ग्लूटमेट होता है जो सिरदर्द का कारण होता है। जिस भी भोज्य पदार्थ के कारण आपको सिरदर्द की शिकायत हो रही है उसे अपने भोजन में से निकाल दें।
- सिरदर्द की कोई भी दवा लेने से पूर्व कारण को जानने का प्रयास करें और डाक्टर के परामर्श लेते वक्त भी उन्हें बता दें कि आपका दर्द कौन से प्रकार का है ताकि वह आपको सही दवा दे सकें।

नन्ही अजवायन बड़े गुण

सामान्यतः सभी घरों में अजवायन का प्रयोग मसाले के रूप में किया जाता है। चिकित्सक इससे दवाइयां भी बनाते हैं। इस नन्ही अजवायन का प्रयोग करके आप भी इसके बेजोड़ गुणों को आजमा सकती हैं-

- सर्दी-जुकाम, कफ आदि में अजवायन बहुत उपयोगी है। इसके लिए अजवायन उबाल कर उसका पानी पीने से राहत मिलती है।
- अजवायन को चबाना या इसका धुआं लेना भी सर्दी, जुकाम में लाभकारी है।
- पेट में कीड़े होने पर अजवायन का सत लेना चाहिए।
- सूखी खांसी हो तो अजवायन को पान में रख कर चबाना चाहिए।
- मंदाग्नि की दशा में अजवायन, सौंठ, काली मिर्च और नमक पीस कर पानी के साथ फांकी लेने पर ठीक रहता है।
- पुराने जख्म, फोड़े-फुंसी अथवा बद-खाज में अजवायन पानी में पीस कर लगाने से लाभ मिलता है।
- अजवायन, काला नमक, सौंठ व हींग लेकर बारीक पीस लें। उदरशूल होने पर चाय का आधा चम्मच दिन में दो बार पानी के साथ लें। यह दवा रामबाण साबित होगी।
- अजवायन के काढ़े से आंखें धोने से वे साफ व निरोगी होती हैं।
- अजवायन का शर्बत पीने से हाथ-पैरों के कांपने की स्थिति में आराम मिलता है।
- बच्चों को होने वाली उल्टी-दस्त में इसे मां के दूध के साथ पीस कर देने से लाभ होता है।
- अजवायन का चूर्ण यदि छाछ के साथ लिया जाए तो पेट के कीड़े शीघ्र नष्ट हो जाते हैं।
- गर्भावस्था में गर्भवती महिला को गुड़ व अजवायन देने से गर्भकाल के दौरान होने वाला कमरदर्द मिटता है व भूख बढ़ती है।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

क्रेडिट विवाद के बीच अमाल मलिक ने दी चेतावनी

अमाल मलिक इन दिनों 'मैं हूं हीरो तेरा' गाने के क्रेडिट विवाद को लेकर सुर्खियों में हैं। दरअसल, बीते दिनों सलमान खान फिल्म्स ने फिल्म 'हीरो' की एनिवर्सरी पर 'मैं हूं हीरो तेरा' गाने का वीडियो साझा किया था। कैप्शन में अमाल मलिक का नाम नहीं दिया गया, जबकि यह गाना उन्होंने कंपोज किया था। इस पर अमाल ने नाराजगी जाहिर की थी। अमाल का आरोप है कि इसके बाद उनके परिवार को टारगेट किया गया। इस बीच अमाल ने सोशल मीडिया पर ट्रोल करने वालों को एलर्ट किया है।

एक शब्द भी बर्दाश्त नहीं होगा

'मैं हूं हीरो तेरा' गाने के क्रेडिट विवाद के बीच अमाल मलिक ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए चेतावनी दी है। उन्होंने ट्रोल्स को सख्त संदेश दिया है कि वे अपने रिस्क पर ही उनसे भिड़ें, क्योंकि वे अपने परिवार के खिलाफ एक शब्द भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। अमाल ने खुद को म्यूजिक का शाहरुख खान बताया। साथ ही यह भी साफ किया कि उनका गुस्सा सलमान खान और संजय दत्त जैसा है। अमाल ने एक्स पर पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने अपनी आलोचना और परिवार पर हमलों के बीच साफ फर्क बताया और कहा कि परिवार पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। अमाल ने लिखा, 'दुनिया के हर सोशल प्लेटफॉर्म पर मौजूद सभी दर्शकों के लिए एक जरूरी चेतावनी... मेरे परिवार के बारे में एक भी शब्द बर्दाश्त नहीं किया जाएगा'।

क्रेडिट न मिलने पर फिर जताई नाराजगी

अमाल ने आगे लिखा है, 'सबसे पहले, यह जान लें कि अरमान मलिक ने इसका मेन वर्जन गाया है, जिसकी वजह से इसे एक्टर-प्रोड्यूसर सलमान खान और डायरेक्टर निखिल आडवाणी के सामने पेश किया जा सका। मैंने इसे बनाया, कुमार सर ने इसके बोल लिखे और अरमान मलिक ने इसे गाया, इसलिए इसे मंजूरी मिली और फिर सलमान खान सर ने इसे गाया। चीजें इसी तरह होती हैं और ठीक ऐसा ही हुआ, ठीक है? आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि मेरे और कुमार सर के बिना, गाने के लिए कोई गाना ही नहीं होता। अरमान के बिना, सलमान सर को सुनाने के लिए कुछ नहीं होता। सलमान खान के चेहरे और आवाज वाले वर्जन के बिना, यह गाना आज जिस मुकाम पर है, वहां नहीं पहुंच पाता। मैंने कभी इससे इनकार नहीं किया, लेकिन क्या कोई कभी रुककर यह सोचता है कि एक गाना बनाने में कितनी मेहनत लगती है और फिर हर साल हर सेलिब्रेशन पोस्ट में उसे नजरअंदाज कर दिया जाता है'?

सलमान और संजय दत्त वाला गुस्सा है मेरा

म्यूजिक कंपोजर ने यह चेतावनी भी दी कि जो लोग उनके परिवार को निशाना बनाएंगे, वे उनका पर्दाफाश करेंगे। उन्होंने कहा कि वे अपने पिता डब्बू मलिक और अपने परिवार के साथ खड़े रहे हैं और आगे भी खड़े रहेंगे। अमाल ने कहा, 'अगर मैंने आपमें से किसी को भी अपने परिवार के खिलाफ कुछ भी कहते हुए पाया, तो मैं आप सभी का पर्दाफाश कर दूंगा। साथ ही, अगर फिल्म इंडस्ट्री से कोई भी बिना किसी ठोस वजह के मेरे या मेरे परिवार के खिलाफ खड़ा होता है, तो सावधान हो जाइए, मैं आपसे निपट लूंगा। मैं म्यूजिक की दुनिया का स्क्रैच हूं, लेकिन मेरा गुस्सा सलमान खान और संजय दत्त जैसा है। यह सब शायद दूसरों के साथ चल जाता होगा, लेकिन डब्बू मलिक और उनके परिवार के साथ बिल्कुल नहीं'।

पुलिस एक्शन की कही बात

अमाल मलिक ने आगे लिखा है, 'अपने परिवार के साथ अमाल मलिक खड़ा था, है और हमेशा रहेगा। इसलिए, मुझसे उलझने से पहले सोच लेना। मैं तुम्हारा IP एड्रेस खोजकर तुम्हें ढूंढूंगा और तुम में से हर एक के खिलाफ खुद एफआईआर दर्ज कराऊंगा, चाहे तुम फिल्म इंडस्ट्री से हो या आम जनता हो'। अमाल के पोस्ट पर फैंस सपोर्ट कर रहे हैं। वहीं, कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'यह मुद्दा चार दिन पहले ही खत्म हो गया तो फिर से इस तरह की पोस्ट करके क्यों बात बढ़ाई जाए'।

साजिद और आर बाल्की की फिल्म में नजर आएंगे आमिर खान

खबर सामने आ रही है कि आमिर खान एक नई सुपरहीरो फिल्म के लिए निर्माता साजिद नाडियाडवाला और निर्देशक आर बाल्की के साथ बातचीत कर रहे हैं।

क्या सुपरहीरो फिल्म में नजर आएंगे आमिर?

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता साजिद नाडियाडवाला और निर्देशक आर बाल्की की अगली फिल्म अभी शुरुआती दौर में है और इसकी स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। आमिर खान को इस प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच किया गया है और उन्होंने इसमें दिलचस्पी भी दिखाई है। हालांकि, उन्होंने अभी फिल्म साइन नहीं की है। बताया जा रहा है कि आने वाले कुछ महीनों में फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और मुख्य किरदार को तैयार करने पर काम किया जाएगा। फिल्म को बड़े स्तर पर बनाने का प्लान है, इसलिए इसके लुक और प्रोडक्शन डिजाइन पर भी खास ध्यान दिया जाएगा।

साजिद और आर बाल्की के साथ हो सकती है पहली फिल्म

आमिर खान किसी भी फिल्म को साइन करने से पहले उसकी स्क्रिप्ट पर काफी समय देते हैं। वह तभी किसी प्रोजेक्ट के लिए हां करते हैं, जब उन्हें कहानी पूरी तरह पसंद आती है। ऐसे में इस फिल्म को लेकर भी आमिर और मेकर्स के बीच लगातार बातचीत होने की खबर है। अगर यह फिल्म बनती है तो यह आमिर खान की साजिद नाडियाडवाला और आर बाल्की के साथ पहली फिल्म होगी। आमिर और साजिद काफी समय से दोस्त हैं, लेकिन दोनों ने अब तक साथ में किसी फिल्म पर काम नहीं किया है। वहीं, आर बाल्की अपनी अलग तरह की फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 'चीनी कम', 'पा', 'की एंड का', 'पैडमैन' और 'चुप: रिवेंज ऑफ द आर्टिस्ट' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। ऐसे में आमिर के साथ उनका सुपरहीरो प्रोजेक्ट इस जॉनर से कुछ अलग हो सकता है।

आमिर की फिलहाल पक्की फिल्म 'ललकारा' है, जिसका निर्देशन आशुतोष गोवारिकर कर रहे हैं। यह पीरियड स्पोर्ट्स ड्रामा 1952 की चर्चित भारत-पाकिस्तान टेस्ट सीरीज पर आधारित है। इसकी शूटिंग नवंबर 2026 में शुरू होने की उम्मीद है। इसके बाद आमिर के राजकुमार हिरानी की '3 इडियट्स' के सीक्वल पर काम करने की भी खबर है।

कृति खरबंदा ने पूरे किए बॉलीवुड में 10 साल

हिंदी फिल्म डेब्यू के 10 साल पूरे होने के मौके पर कृति खरबंदा का अब तक का सफर एक ऐसी अभिनेत्री की कहानी है, जिसने समय के साथ अलग-अलग तरह के किरदारों और कहानियों को अपनाया और अपने काम के नए पहलुओं को सामने रखा। 'राज रीबूट' के बाद कृति ने 'शादी में जरूर आना', 'वीरे दी वेडिंग', 'हाउसफुल 4', 'पागलपंती' और 'तैश' जैसी फिल्मों में काम किया। इन फिल्मों के जरिए उन्होंने रोमांस, कॉमेडी, ड्रामा और थ्रिलर जैसे अलग-अलग जॉनर में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। कभी वह रोमांटिक कहानी का हिस्सा बनीं, तो कभी बड़े स्टारकास्ट वाली कॉमेडी फिल्मों में नजर आईं। वहीं, 'तैश' जैसी फिल्म ने उन्हें एक अलग तरह की कहानी का हिस्सा बनने का मौका दिया। उनके करियर में हर फिल्म एक अलग अनुभव लेकर आई और उनके काम में नए रंग जोड़ती गई। कृति के पिछले 10 सालों की एक खास बात यह रही है कि उन्होंने खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म तक सीमित नहीं रखा। कमर्शियल एंटरटेनर्स से लेकर गंभीर और भावनात्मक कहानियों तक, उन्होंने अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स में काम किया। इन फिल्मों के जरिए उन्हें अलग-अलग कलाकारों और फिल्ममेकर्स के साथ काम करने का मौका भी मिला, जिससे उनके अभिनय के सफर में लगातार नए अनुभव जुड़ते गए। बदलते समय के साथ कृति ने ओटीटी की दुनिया में भी कदम रखा। 'राणा नायडू 2' के साथ उन्होंने एक लोकप्रिय स्ट्रीमिंग फ्रेंचाइज़ी का हिस्सा बनकर अपने करियर में एक नया अध्याय जोड़ा। थिएटर में फिल्मों के बाद ओटीटी पर काम करने का अनुभव उनके लिए एक अलग माध्यम में खुद को एक्सप्लोर करने का मौका लेकर आया।

राम पोथिनेनी की फिल्म 'रैपो 23' में नजर आएंगी संयुक्ता

संयुक्ता के जन्मदिन पर उन्हें एक नहीं, बल्कि दो बड़ी खुशखबरियां मिली हैं। एक्ट्रेस के जन्मदिन के खास मौके पर उनकी आने वाली दो फिल्मों से जुड़े महत्वपूर्ण अपडेट सामने आए हैं। पहली खबर यह है कि संयुक्ता अब अभिनेता राम पोथिनेनी की आने वाली फिल्म 'रैपो 23' में नजर आएंगी। दूसरी ओर, निखिल सिद्धार्थ की ऐतिहासिक फिल्म 'स्वयंभू' में भी दिखाई देंगी। 'रैपो 23' राम पोथिनेनी के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म है। खास बात यह है कि राम इस फिल्म में केवल अभिनय ही नहीं कर रहे हैं, बल्कि फिल्म की कहानी लिखने के साथ इसका निर्देशन भी कर रहे हैं।

'स्वयंभू' में योद्धा भूमि के किरदार में दिखेंगी संयुक्ता

संयुक्ता के जन्मदिन पर उनकी दूसरी फिल्म 'स्वयंभू' से भी खास खबर सामने आई। फिल्म के निर्माताओं ने एक विशेष वीडियो जारी किया, जिसमें संयुक्ता को अपने किरदार 'भूमि' की तैयारी करते हुए दिखाया गया है। फिल्म की कहानी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बेस्ड है और इसमें बड़े स्तर पर युद्ध और एक्शन के दृश्य देखने को मिलेंगे।

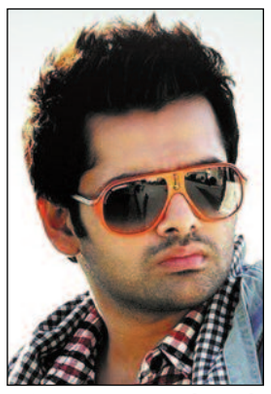

क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'बाराबंकी' में नजर आएंगी बिपाशा बसु

बिपाशा बसु करीब 6 साल बाद परदे पर वापसी करने जा रही हैं। हंसल मेहता की क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'बाराबंकी' में वह लीड रोल में नजर आएंगी। बिपाशा ने पिछले महीने ही मुंबई में सीरीज की शूटिंग शुरू कर दी है। यह प्रोजेक्ट उनके लिए खास है, क्योंकि हंसल के साथ यह उनका पहला काम है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बिपाशा को कहानी सुनते ही अपना किरदार पसंद आ गया और उन्होंने तुरंत सीरीज के लिए हामी भर दी। इस सीरीज के लिए उनका एक नया लुक भी तैयार किया गया है। इसमें विशाल जेठवा और सनी कौशल भी दिखेंगे। 'बाराबंकी' 1984 की पृष्ठभूमि में सेट है और सेवानिवृत्त IPS अधिकारी आलोक लाल की किताब पर बेस्ड है। इसमें उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में अफीम के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए गए बड़े पुलिस कैंपेन पर कहानी केंद्रित है। इसमें एक ईमानदार अधिकारी के बड़े ड्रग कार्टेल के खिलाफ संघर्ष को दिखाया जाएगा।

दमदार और एक्शन से भरपूर होगा 'एंटनी' में सनी का किरदार

सनी देओल इन दिनों लगातार अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं। 'गदर 2' की जबरदस्त सफलता के बाद एक्टर का एक्शन अवतार एक बार फिर दर्शकों के बीच पसंद किया जा रहा है। सनी की आने वाली फिल्मों में एक नाम 'एंटनी' का है। इस फिल्म में वह एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आने वाले हैं। फिल्म को लेकर अब यह जानकारी सामने आई है कि इसमें सनी का किरदार काफी दमदार और एक्शन से भरपूर होगा। फिल्म की कहानी और सनी देओल के किरदार को फिलहाल निर्माताओं ने काफी हद तक गुप्त रखा है। 'एंटनी' की शूटिंग मुंबई में शुरू हो चुकी है। हाल ही में सनी देओल ने फिल्म के लिए एक महत्वपूर्ण सीन की शूटिंग की है। इसमें तेज रफ्तार गाड़ियों का पीछा करने वाले दृश्य भी शामिल हैं। फिल्म में सनी के साथ विजय वर्मा भी नजर आएंगे। विजय फिल्म में खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं। वह पहली बार सनी देओल के साथ इस तरह की एक्शन फिल्म में काम कर रहे हैं। विजय ने सनी देओल के साथ काम करने को लेकर अपनी खुशी भी जाहिर की है।

लालो... के तेलुगु रीमेक में विजय देवरकोंडा बनेंगे श्रीकृष्ण

गुजराती ब्लॉकबस्टर फिल्म 'लालो: कृष्ण सदा सहायते' के तेलुगु रीमेक को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। पहले खबरें थीं कि फिल्म में राम चरण श्रीकृष्ण की भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन अब यह साफ हो गया है कि इस किरदार के लिए विजय देवरकोंडा को चुना गया है। फिल्म के तेलुगु रीमेक के राइट्स मशहूर निर्माता दिल राजू ने हासिल किए हैं। विपुल डी. शाह ने इस डील को फाइनल कराने में अहम भूमिका निभाई है। अंकित सखिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म में करण जोशी लीड रोल में थे। 'लालो...' एक ऑटो-रिक्शा ड्राइवर की कहानी है, जो चोरी के इरादे से एक सुनसान हवेली में पहुंचता है और वहीं फंस जाता है। इसी मुश्किल वक्त में एक रहस्यमयी शख्स उसकी मदद करता है। बीते साल 10 अक्टूबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने शुरुआत में बेहद धीमी कमाई की थी। पहले हफ्ते करीब 36 लाख और दूसरे हफ्ते 28 लाख रुपए कमाने के बाद तीसरे हफ्ते से इसकी कमाई बढ़ने लगी। चौथे हफ्ते फिल्म ने करीब 14 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया और इसके बाद 100 करोड़ तक बिना किसी रुकावट के पहुंच गई। इसने सीमित बजट और बिना बड़े सितारों के बावजूद एक बड़ी गुजराती हिट का रिकॉर्ड बनाया। फिल्म के सब्जेक्ट, संगीत और क्लाइमैक्स के साथ-साथ एंड-क्रेडिट गाने को भी दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था।

संक्षिप्त समाचार

कनाडा में दर्दनाक हादसा: फ्लाइट ट्रेनिंग के दौरान दो भारतीय छात्रों की मौत, शव भारत भेजने में जुटा दूतावास

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में उड़ान प्रशिक्षण के दौरान हुए एक विमान हादसे में दो भारतीय छात्रों की मौत हो गई। भारतीय मिशन ने ये जानकारी दी। मृतकों की पहचान तमिलनाडु के मनोज शिवकुमार और पुडुचेरी के श्रीसरण तिरुग्नानसंबंथम के रूप में हुई है। वैंकूवर स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने दोनों छात्रों की मौत पर रविवार को शोक व्यक्त किया। दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'वैंकूवर स्थित भारत का महावाणिज्य दूतावास तमिलनाडु के मनोज शिवकुमार और पुडुचेरी के श्रीसरण तिरुग्नानसंबंथम की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त करता है। दोनों भारतीय छात्रों की कनाडा में उड़ान प्रशिक्षण के दौरान हुए एक दुखद विमान हादसे में मौत हो गई। उसने कहा, 'इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं परिवारों और उनके प्रियजनों के साथ हैं। हम शवों को भारत ले जाने के लिए उनके परिवारों को वाणिज्य दूतावास संबंधी हरसंभव सहायता देने के लिए तैयार हैं।

तनाव भगाने के लिए घंटों मेडिटेशन नहीं: 30 सेकंड के ये छोटे अभ्यास देंगे दिमाग को सुकून, जानिए

लंदन, एजेंसी। तनाव और मानसिक थकान कम करने के लिए हमेशा लंबा मेडिटेशन या घंटों की एक्सरसाइज जरूरी नहीं है। कुछ छोटे-छोटे अभ्यास 20 से 30 सेकंड में भी किए जा सकते हैं। इन्हें माइक्रोप्रैक्टिस कहा जा रहा है। विशेषज्ञों और हालिया शोधों के मुताबिक ऐसे छोटे ब्रेक तनाव कम करने, ध्यान केंद्रित करने और मन को शांत करने में मदद कर सकते हैं। बीबीसी की रिपोर्ट में ऐसे कई अभ्यासों और उनके वैज्ञानिक आधार को बताया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि हर व्यक्ति के लिए इन अभ्यासों का असर अलग हो सकता है। इन्हें तनाव कम करने के छोटे उपाय के रूप में देखा जाना चाहिए, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का इलाज नहीं। हंसी योग में किसी चुटकुले की जरूरत नहीं होती। शुरु में यह कृत्रिम लग सकती है, लेकिन कुछ देर बाद वास्तविक हंसी में बदल सकती है। नीदरलैंड्स की शोधकर्ता नताली वान डर वाल के मेटा-एनालिसिस में हंसी को अवसाद के लक्षणों में कमी से जोड़ा गया। धीमी और गहरी सांसें पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम को सक्रिय करने में मदद करती हैं। इटली की यूनिवर्सिटी ऑफ नेपल्स फेडेरिको-2 के शोधकर्ता अमित कुमार के अनुसार, सिर्फ तीन धीमी गहरी सांसें भी तनाव के बीच शरीर और दिमाग को शांत करने में मदद कर सकती हैं। आराम से बैठकर तीन धीमी सांस लें। हर सांस करीब 10 सेकंड की रखें और सांस छोड़ने का समय थोड़ा लंबा रखें। ध्यान सिर्फ सांस के आने-जाने पर रखें। कुछ क्षण अपने प्रति सकारात्मक विचार रखें। लंबे समय तक कंप्यूटर या मोबाइल के सामने बैठे रहने से गर्दन, कंधों और पीठ पर तनाव बढ़ सकता है। दोनों हाथ पीठ के पीछे जोड़ें। सांस लेते हुए हाथ नीचे की ओर खींचें और छाती को हल्का ऊपर उठाएं। दो-तीन धीमी सांसों तक इसी मुद्रा में रहें।

हैती के राष्ट्रपति की हत्या मामले में बड़ा एक्शन: 18 संदिग्ध अमेरिका प्रत्यर्पित; क्या है पूरा मामला?

पोर्ट-औ-प्रिंस, एजेंसी। हैती के राष्ट्रपति जोवेनेल मोइस की जुलाई 2021 में हुई हत्या के मामले में गिरफ्तार 18 संदिग्धों को अब अमेरिका प्रत्यर्पित किया जा रहा है। रविवार को ये सभी हैती में अमेरिका भेजे जाने का इंतजार कर रहे थे। अमेरिका के दक्षिणी फ्लोरिडा के अटॉर्नी जेसन रेडिंग क्विनोन्स के मुताबिक, इन संदिग्धों पर अब फ्लोरिडा में मुकदमा चलेगा। यह मामला इसलिए भी अहम है क्योंकि मोइस की हत्या के पांच साल बाद भी अमेरिकी एजेंसियां इस साजिश से जुड़े लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने सभी 18 आरोपियों की पहचान नहीं बताई है। हालांकि, हैती में मुकदमे का इंतजार कर रहे आरोपियों में एक दर्जन से ज्यादा कोलंबियाई सैनिक, हैती पुलिस का एक पूर्व अधिकारी और हैती के न्याय मंत्रालय की भ्रष्टाचार रोधी इकाई में काम कर चुका एक पूर्व कर्मचारी शामिल है। इन लोगों के परिजनों ने इससे पहले हैती की न्यायिक प्रक्रिया में बार-बार हो रही देरी पर नाराजगी जताई थी। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद जांच और न्यायिक प्रक्रिया गैंग हिंसा, जान से मारने की धमकियों और कमजोर होती न्याय व्यवस्था से प्रभावित हुई। कई हैती के न्यायाधीशों ने अपनी जान को खतरा बताते हुए मामले से खुद को अलग कर लिया। गैंगों ने पोर्ट-ओ-प्रिंस के उस अदालत परिसर पर भी कब्जा कर लिया था, जहां न्यायाधीश आरोपियों से पूछताछ कर रहे थे।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर की एयरस्ट्राइक: हवाई हमले में तीन की मौत, तालिबान ने दी जवाबी कार्रवाई की धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान के उत्तर-पूर्वी कुनार प्रांत को निशाना बनाकर किए गए पाकिस्तानी हवाई हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, कई अन्य घायल हो गए। यह जानकारी टोलो न्यूज ने सोमवार को एक प्रांतीय अधिकारी के हवाले से दी गई है। माना जा रहा है कि यह सैन्य हमला उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में एक पुलिस स्टेशन परिसर में हुए आत्मघाती बम धमाके के जवाब में किया गया है। इससे यह आशंका बढ़ गई है कि पड़ोसी देशों के बीच तनाव एक बार फिर खुली लड़ाई में बदल सकता है।

क्या है पूरा मामला : दरअसल, फरवरी में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच कई वर्षों में सबसे गंभीर सैन्य टकराव हुआ। यह ताजा तनाव उस चेतावनी के कुछ दिनों बाद बढ़ा है जिसमें तालिबान ने कहा था कि वह किसी भी पाकिस्तानी सैन्य कार्रवाई के खिलाफ अफगान क्षेत्र की रक्षा करेगा।

तालिबान ने क्या चेतावनी दी थी: पाकिस्तान के संभावित हमलों से पहले, तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने इस्लामाबाद को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा कि वह अफगानिस्तान के अंदर हमले न करे। उन्होंने कहा कि अगर अफगानिस्तान की जमीन पर हमला हुआ, तो काबुल सैन्य जवाब देगा।

मुजाहिद ने किन आरोपों को खारिज किया अल अरबिया इंग्लिश को दिए एक इंटरव्यू में, मुजाहिद ने पाकिस्तान के उन आरोपों को खारिज कर दिया कि अफगानिस्तान में मौजूद चरमपंथी गुट पाकिस्तान के खिलाफ हमले करने के लिए लोगों की भर्ती करते हैं। उन्हें ट्रेनिंग देते हैं और हमले शुरू करते हैं।

मुजाहिद ने क्या कहा : मुजाहिद ने कहा, 'अगर पाकिस्तान अफगानिस्तान की जमीन की पवित्रता का उल्लंघन करने के लिए आर्टिकल 51 का इस्तेमाल करता है, तो अफगानिस्तान को अपने देश की रक्षा करने का अधिकार है, और हम ऐसा करेंगे।' उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के अंदर कोई भी पाकिस्तानी सैन्य अभियान अफगान संप्रभुता का उल्लंघन होगा और काबुल की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हो सकती है।

टीटीपी पर क्या बोले मुजाहिद : इसके साथ ही मुजाहिद ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि तालिबान प्रशासन 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान' (टीटीपी) को अफगान धरती से काम करने की इजाजत नहीं देता है।

उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि तालिबान सरकार दूसरे देशों पर हमले करने वाले हथियारबंद समूहों का समर्थन करती है। इसके बजाय, मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान को अपनी आंतरिक सुरक्षा समस्याओं पर गौर करना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि टीटीपी और बलूच हथियारबंद समूहों से जुड़ी हिंसा 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने से पहले से ही मौजूद थी। पाकिस्तान ने बार-बार आरोप लगाया है कि चरमपंथी समूह अफगानिस्तान से काम कर रहे हैं और उसने काबुल पर उनके खिलाफ कार्रवाई करने का दबाव डाला है। तालिबान ने लगातार इस बात से इनकार किया है कि उसने अफगान क्षेत्र का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ हमलों के लिए होने दिया है।

अफगानिस्तान बातचीत के लिए तैयार है : सैन्य जवाबी कार्रवाई की चेतावनी के बावजूद, मुजाहिद ने कहा कि काबुल अभी भी इस्लामाबाद के साथ बातचीत करने को तैयार है। उन्होंने दोनों देशों की सीमा पर सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए बेहतर इंटेलिजेंस-शेयरिंग व्यवस्था और ज्यादा आपसी सहयोग की बात कही। मुजाहिद ने सऊदी अरब की संभावित मध्यस्थता भूमिका का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि रियाद के अफगानिस्तान और पाकिस्तान दोनों के साथ अच्छे संबंध हैं। वह दोनों पक्षों के मतभेदों को सुलझाने में मदद कर सकता है। साझा सीमा पर चरमपंथी गतिविधियों के कारण काबुल और इस्लामाबाद के संबंध तनावपूर्ण रहे हैं।

अगर गलती की तो होंगे दर्दनाक नतीजे': ईरान की दो टूक, गालिबाफ बोले- शर्तें माने यूएस वरना होर्मुज नहीं खुलेगा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव गहराता जा रहा है। इस बीच ईरान ने कहा है कि जब तक अमेरिका तेहरान की शर्तें नहीं मानता, तब तक न तो होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोला जाएगा और न ही उसके साथ बातचीत पर विचार किया जाएगा। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने यह बात कही है।

अल जजीरा के अनुसार, गालिबाफ ने दो टूक शब्दों में कहा कि ईरान ने मध्यस्थों के जरिए अमेरिका तक अपनी मांगें और शर्तें स्पष्ट रूप से पहुंचा दी हैं। उन्होंने कहा कि जब तक ईरान की शर्तें पूरी नहीं होतीं, ईरानी लोगों के जरूरी अधिकारों को मान्यता नहीं मिलती और अमेरिका अपनी प्रतिबद्धताएं पूरी नहीं करता, तब तक बातचीत के पुराने ढांचे में लौटने या होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की कोई संभावना नहीं है।

होर्मुज क्यों बना तनाव का प्रमुख केंद्र : अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते टकराव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य तनाव का प्रमुख केंद्र बन गया है। यह समुद्री मार्ग दुनिया में ऊर्जा की आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यहां समुद्री यातायात पर लगाए गए प्रतिबंधों से अंतरराष्ट्रीय व्यापार और तेल आपूर्ति में आगे और बाधा आने की चिंता बढ़ गई है। क्या अमेरिकी ठिकानों पर फिर हमलों की तैयारी में ईरान? गालिबाफ के बयान के बाद ईरान की केंद्रीय सैन्य कमान ने भी अमेरिका को चेतावनी दी है। ईरान के खतम अल-अंबिया केंद्रीय मुख्यालय ने सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के हवाले से कहा कि अगर अमेरिका ने तेहरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई की तो क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और उसके हितों को निशाना बनाया जाएगा। सैन्य कमान ने कहा, 'अगर अमेरिका इस्लामी गणराज्य ईरान के खिलाफ कोई गलती करता है, तो क्षेत्र में उसके सभी ठिकानों और हितों को बिना किसी सीमा या विचार के लगातार, प्रभावी और दर्दनाक हमलों का निशाना बनाया जाएगा।' ईरानी सैन्य कमान ने क्षेत्र के उन देशों को भी चेतावनी दी है जो अमेरिका की किसी सैन्य कार्रवाई में उसका साथ देंगे। ईरान ने कहा कि ऐसे देशों को कार्रवाई में भागीदार माना जाएगा और ईरानी सेना की ओर से उनके खिलाफ किसी संयम की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। इस बीच, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा है कि उसकी सेनाओं ने ईरान पर लगाए गए नौसैनिक नाकाबंदी को लागू करने की कोशिशों के तहत 109 वाणिज्यिक जहाजों का मार्ग बदला है। अमेरिकी सेना ने 14 जुलाई को ईरान के बंदरगाहों से आने-जाने वाले समुद्री यातायात पर नौसैनिक नाकाबंदी लागू करने की कार्रवाई फिर शुरू की थी।

ट्रंप के 'विजय द्वार' में बनेगा सैन्य अड्डा: ड्रोन-स्नाइपर से गोला-बारूद तक का इंतजाम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वॉशिंगटन में अर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री के पास प्रस्तावित आर्च (मेहराब) को लेकर एक नई योजना सामने रखी है। ट्रंप के मुताबिक, करीब 250 फीट यानी 76 मीटर ऊंचा यह आर्च सिर्फ एक स्मारक नहीं होगा, बल्कि इसे सैन्य परिसर के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाएगा। यहां बड़ी संख्या में ड्रोन रखने और जरूरत पड़ने पर उन्हें तेजी से इस्तेमाल करने की व्यवस्था होगी। इसके अलावा आर्च की छत और प्लाजा क्षेत्र में स्नाइपर तैनात किए जा सकेंगे। यहां बड़ी मात्रा में स्नाइपर का गोला-बारूद भी रखा जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को सोशल मीडिया पर इस योजना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेना के जोर देने पर उन्होंने आर्च को एक उच्च स्तर के सैन्य परिसर और विजय द्वार के रूप में विकसित करने की मंजूरी दी है। ट्रंप ने इस फैसले के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया, लेकिन यह नहीं बताया कि आर्च पर ड्रोन और स्नाइपर जैसी सैन्य व्यवस्था की जरूरत किस खास खतरे को देखते हुए महसूस हुई। अमेरिकी रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने रॉयटर्स से कहा कि ट्रंप की पोस्ट के अलावा विभाग के पास इस बारे में फिलहाल कुछ और कहने को नहीं है।

प्रस्तावित आर्च अर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री के पास एक ट्रैफिक सर्कल में बनाया जाना है। यह फोर्ट मायेर से करीब एक मील और पेंटागन से लगभग दो मील यानी 3.2 किलोमीटर दूर है। ट्रंप इसे अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर बनाना चाहते हैं। इसी योजना के तहत वॉशिंगटन को बदलने की ट्रंप की व्यापक कोशिशों की भी चर्चा हो रही है। इनमें जॉन एफ. कैनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स के नाम में अपना नाम जोड़ने की कोशिश भी शामिल है।

सेवानिवृत्त मरीन कर्नल और रक्षा विशेषज्ञ मार्क कैनसियन ने आर्च को सैन्य परिसर में बदलने की जरूरत पर सवाल उठाया है। उन्होंने रॉयटर्स से कहा कि यह कदम आर्च के निर्माण का समर्थन मजबूत करने के लिए जोड़ा गया लगता है।

किम के नए मिसाइल दागने से बढ़ा तनाव: अलर्ट हुए अमेरिका-जापान-दक्षिण कोरिया, विदेश मंत्रालय ने क्या बताया?

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के वरिष्ठ राजनयिकों ने सोमवार को टेलीफोन पर बातचीत की। तीनों देशों की बातचीत उत्तर कोरिया की ओर से हाल ही में बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च किए जाने के बाद हुई है। यह जानकारी दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने दी है। दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के अनुसार, रविवार को प्योंगयांग ने ईस्ट सी की तरफ दो कम दूरी वाली बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। यह इस साल देश का 14वां बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च था और पिछले आठ दिनों में पहला।

मंत्रालय ने क्या बताया : मंत्रालय के अनुसार, कोरियाई प्रायद्वीप नीति के महानिदेशक बेक योंग-जिन ने अमेरिकी विदेश विभाग में पूर्वोत्तर एशिया के लिए डिप्टी असिस्टेंट सेक्रेटरी डेविड विलेजोल और जापान के विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ताकाशी अरियोशी से बातचीत की।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'तीनों अधिकारियों ने जरूरी जानकारी साझा की और भविष्य में की जाने वाली कार्रवाई पर चर्चा की।' बयान में आगे कहा गया, 'जब भी उत्तर कोरिया बैलिस्टिक मिसाइलें लॉन्च करता है, तो तीनों देशों के विदेश मामलों के अधिकारी जानकारी और आकलन को तुरंत साझा करने के लिए एक चैनल का इस्तेमाल करते हैं।'

शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को किए गए ये लॉन्च अमेरिकी नौसेना के 7वें बेड़े के नेतृत्व में बहुराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास 'पैसिफिक वैनगार्ड' और अन्य क्षेत्रीय सैन्य गतिविधियों के जवाब में किए गए प्रतीत होते हैं। इस कदम को एक बाहरी संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है कि प्योंगयांग अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने की कोशिशें जारी रखेगा। यह सब मंगलवार से शुरू हो रहे यूएन जनरल असेंबली के सत्र और गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच होने वाली बैठक से पहले हो रहा है।

उत्तर कोरिया ने मिसाइलों लॉन्च की जानकारी दी : ट्रंप की ओर से उत्तर कोरिया के प्रति नरमी दिखाने के बावजूद उत्तर कोरिया ने अपने मिसाइल परीक्षण जारी रखे हैं। ट्रंप ने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ बातचीत फिर से शुरू करने की इच्छा भी जताई है। इस बीच, सोमवार सुबह तक उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने देश के हालिया मिसाइल लॉन्च पर कोई जानकारी नहीं दी। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने रविवार को ईस्ट सी की ओर कुछ घंटों के अंतराल पर दागी गई।

चीन को साधने की कोशिश में अमेरिका: कृषि-ऊर्जा उत्पादों पर लगा सकता है कम टैरिफ, एआई को लेकर बनी क्या सहमति?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने चीन के साथ बातचीत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ी घटनाओं के लिए नई सूचना व्यवस्था का प्रस्ताव रखा है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने रविवार को कहा कि इस व्यवस्था के तहत एआई से जुड़ी ऐसी घटनाओं की जानकारी साझा की जा सकेगी, जिनसे राष्ट्रीय सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। यह प्रस्ताव इस सप्ताह व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच होने वाली बातचीत से पहले हुई चर्चा का हिस्सा है। न्यूयॉर्क में चीन के उपप्रधानमंत्री हे लिफेंग के साथ बातचीत के बाद बेसेंट ने कहा कि अमेरिका साझा लक्ष्यों और साझा

खतरों को लेकर एक समान दृष्टिकोण चाहता है। एआई शक्तियों के बीच हो पारदर्शिता : स्कॉट बेसेंट स्कॉट बेसेंट ने कहा कि दुनिया की नंबर एक और नंबर दो एआई शक्तियों के बीच पारदर्शिता बढ़ाना जरूरी है। बेसेंट ने कहा, 'हमारा मानना है कि किसी भी सीमा पार गतिविधि की तरह, दुनिया की नंबर एक और नंबर दो एआई शक्तियों के बीच अपारदर्शिता से अधिक पारदर्शिता की ओर बढ़ना बहुत महत्वपूर्ण है।' ट्रंप एआई विकास धीमा करने के सुझावों का विरोध कर चुके हैं। उनका कहना है कि ऐसा करने से चीन को अमेरिकी कंपनियों की बराबरी करने का मौका मिल सकता है।

अमेरिका-चीन में व्यापार वार्ता को लेकर बनी सहमति रविवार देर रात जेपी मॉर्गन चेज के मुख्यालय की लॉबी में बेसेंट और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने कहा कि इस सप्ताह ट्रंप और शी के बीच होने वाली बातचीत के लिए आधार तैयार हो चुका है। दोनों नेताओं की बैठक आगामी गुरुवार को होने वाली है।बेसेंट और ग्रीर ने बताया कि दोनों देश एक नई 'व्यापार परिषद' को अमल में लाने पर सहमत हुए हैं। इस व्यवस्था पर ट्रंप और शी ने मई में बीजिंग में मुलाकात के दौरान चर्चा की थी। ग्रीर ने कहा, 'आज वे विचार वास्तविकता बन गए हैं। '

ग्रीर ने कहा कि दोनों देश अभी भी इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि किन 'गैर-संवेदनशील' वस्तुओं को कम शुल्क की श्रेणी में रखा जा सकता है। संभावित सूची में उपभोक्ता वस्तुएं, कृषि उत्पाद, ऊर्जा उत्पाद और चिकित्सा उपकरण शामिल हो सकते हैं। दोनों देशों के बीच हुई ताजा चर्चा ऐसे समय हुई है जब अमेरिका और चीन एआई, व्यापार और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर अपने संबंधों को लेकर बातचीत कर रहे हैं।

कनाडा का यूरोप की ओर बढ़ा कदम: मैक्रों ने ईयू का सहयोगी सदस्य बनाने का किया समर्थन, कार्नी से की मुलाकात

टोरंटो, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कनाडा के यूरोपीय संघ का पहला एसोसिएट सदस्य बनने के प्रस्ताव का समर्थन किया। साथ ही, उन्होंने और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अंतरिक्ष, रक्षा, ऊर्जा और व्यापार के क्षेत्रों में रणनीतिक संबंध और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाए।

दोनों नेताओं की मुलाकात कहां हुई : रविवार को नेताओं की मुलाकात सेंट-पियरे-ए-मिकेलॉन में हुई। यह न्यूफाउंडलैंड के तट के पास स्थित फ्रांस का एक इलाका है, जहां फ्रांस और कनाडा के बीच की दूरी बस कुछ ही किलोमीटर है। अमेरिका के साथ बिगड़ते रिश्तों के बीच कनाडा का यूरोप की ओर तेजी से झुकाव हो रहा है। इसके साथ ही यह जगह इस बदलाव के लिए एक बहुत ही दिलचस्प पृष्ठभूमि है।

मैक्रों ने क्या कहा : कार्नी के साथ खड़े होकर मैक्रों ने फ्रेंच भाषा में कहा, 'हम यूरोपियन यूनियन के साथ करीबी रिश्ते बनाने के उस एजेंडे के बहुत ज्यादा पक्ष में हैं। चाहे वह यूनियन के सहयोगी सदस्य के तौर पर हो,या फिर यूरोपियन समुदाय के पूर्ण सदस्य के तौर पर।' वहीं, कार्नी ने फ्रेंच भाषा में कहा, 'कनाडा और फ्रांस के बीच सबसे नजदीकी बिंदु पर सिर्फ कुछ किलोमीटर की दूरी है। हमारे मूल्य और भी ज्यादा करीब हैं।'

किन क्षेत्रों में सहयोग देने की हुई बात: कार्नी ने कहा कि देश अपनी स्पेस एजेंसियों और रक्षा मंत्रालयों को लॉन्च सिस्टम और जमीन पर आधारित रिसेप्शन सुविधाओं जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने और साझा करने का काम सौंपेंगे। वे ऊर्जा, टेलीकम्युनिकेशन, जलवायु के प्रति लचीलेपन और आर्थिक विकास के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमत हुए। मैक्रों का यह समर्थन यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन की ओर से कनाडा को ईयू का पहला एसोसिएट सदस्य बनाने का प्रस्ताव रखने के कुछ दिनों बाद आया है।

कनाडा यूरोप के साथ संबंध मजबूत क्यों कर रहा : कार्नी ने इस संभावना का स्वागत किया और तर्क दिया कि यूरोप के साथ गहरे संबंध कनाडा को और अधिक विकल्प देंगे।उसे किसी एक देश की ओर आर्थिक दबाव के प्रति कम संवेदनशील बनाएंगे। ट्रंप के टैरिफ, आर्थिक रियायतों की मांग और कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बार-बार की बातों ने यूरोप की ओर इस झुकाव को तेज कर दिया है। ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक नक्शा भी पोस्ट किया था जिसमें कनाडा और सेंट-पियरे-एट-मिकेलॉन सहित पूरे उत्तरी अमेरिका पर अमेरिकी झंडा दिखाया गया था। मैक्रों ने रविवार को सेंट-पियरे-एट-मिकेलॉन हवाई अड्डे पर कार्नी का स्वागत किया। यह न्यूफाउंडलैंड के तट के पास स्थित लगभग 5,800 लोगों की आबादी वाला फ्रांसीसी क्षेत्र है। मैक्रों ने कहा, 'कनाडा महत्वपूर्ण खनिजों और रेयर अर्थ के महत्वपूर्ण संसाधनों वाला देश है।

ट्रैफिक रोका, फिर चला दी गोली: ऑस्टिन में आईसीई एजेंट ने शख्स को किया घायल; सड़क पर उतरे प्रदर्शनकारी

ऑस्टिन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास की राजधानी ऑस्टिन में रविवार दोपहर एक आईसीई एजेंट ने एक व्यक्ति को गोली मार दी। घटना शहर के उत्तरी हिस्से में हुई। ऑस्टिन पुलिस प्रमुख लिसा डेविस ने बताया कि गोली व्यक्ति के धड़ में लगी है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत गंभीर, लेकिन स्थिर है। पुलिस के मुताबिक घटना एक ट्रैफिक स्टॉप के बाद हुई। ऑस्टिन पुलिस का कोई अधिकारी इस कार्रवाई या गोलीबारी में शामिल नहीं था।

घटना के बाद मौके पर जुटी भीड़ : गोलीबारी की खबर के बाद घटनास्थल पर करीब 100 प्रदर्शनकारी पहुंच गए। वहां बड़ी संख्या में कानून प्रवर्तन अधिकारी भी तैनात थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने दंगा नियंत्रण ढाल लिए पुलिसकर्मियों पर नाराजगी जताई। कुछ लोग वहां से गुजर रही गाड़ियों की ओर चिल्ला रहे थे। कई वाहन चालकों ने हॉर्न बजाकर प्रदर्शन का समर्थन किया। एक व्यक्ति के हाथ में पोस्टर था, जिस पर एक तरफ और दूसरी तरफ 'आईसीई नाजी' लिखा था।

मेयर बोले- जांच में स्थानीय पुलिस भी हो : ऑस्टिन के मेयर किर्क वॉटसन ने मामले की जांच में शहर की पुलिस को शामिल करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इससे जांच में स्पष्ट और तीसरे पक्ष की

नजर बनी रहेगी। मेयर ने कहा कि इस मामले की जांच अकेले आईसीई के हाथ में देना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि ऑस्टिन के लोगों को अपने शहर में सुरक्षित महसूस करने का अधिकार है। उनके मुताबिक सही तरीके से हुई जांच मामले की विश्वसनीयता बढ़ाएगी।

गोली लगने वाला व्यक्ति कौन है : परिवार की ओर से पैरवी कर रहीं इमिग्रेशन अटॉर्नी केट लिंकन गोल्डफिंच ने घायल व्यक्ति की पहचान 28 वर्षीय वेनेजुएला निवासी विल्बर राफेल गार्सेस पेरेज के रूप में की है। वकील ने पहले कहा था कि उन्हें लगता है कि उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है और उसके खिलाफ अमेरिका से निष्कासन का कोई अंतिम आदेश नहीं है। हालांकि बाद में उन्होंने एपी को बताया कि उन्हें उसकी मौजूदा इमिग्रेशन स्थिति की जानकारी नहीं है। परिवार को अस्पताल से नहीं मिली जानकारी वकील के मुताबिक, परिवार को अस्पताल से उसकी स्थिति या वह कहां है, इसकी जानकारी हासिल करने में परेशानी हुई। रात करीब सात बजे घायल व्यक्ति की पत्नी को अस्पताल के वकील ने बताया कि उसे कुछ घंटे पहले ही आईसीई की हिरासत में सौंप दिया गया था। हालांकि यह साफ नहीं है कि वह आईसीई की हिरासत में अस्पताल में ही था या उसे कहीं और ले जाया गया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक घटनास्थल पर एक गहरे नीले रंग की टोयोटा कोरोला खड़ी थी। कार के यात्री पक्ष के दरवाजे पर नुकसान के निशान थे। वहां गोलियों के निशान जैसे निशान भी दिखाई दिए।

आईसीई ने जांच को लेकर नहीं दी जानकारी : अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग, जिसके अधीन आईसीई काम करता है, इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल नहीं हुआ। विभाग ने घटना के बारे में जानकारी मांगने पर तत्काल कोई जवाब भी नहीं दिया।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)